रांची, मंगलवार
07.01.2025
वर्ष : 10, अंक : 38 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

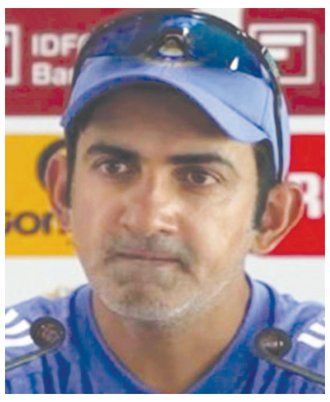

website : www.bihanbharat.org bihanbharat@gmail.com @bihan_bharat Bihan Bharat RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

बांगलादेश ने शेख हसीना के खिलाफ दूसरा गिरफ्तारी वारंट किया जारी

ढाका: बांगलादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने सोमवार, 6 जनवरी 2025 को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और 12 अन्य के खिलाफ जबरन गुमशुदगी और अतिरिक्त न्यायिक हत्याओं के आरोप में दूसरा गिरफ्तारी वारंट जारी किया। यह मामला शेख हसीना के शासनकाल के दौरान हुआ था, जिसमें कथित तौर पर अनेक लोगों को अवैध तरीके से गायब कर दिया गया और उनकी हत्याएं की गईं। इस मामले में शेख हसीना के रक्षा सलाहकार मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) तारिक अहमद सिद्दीक, बांगलादेश के पूर्व पुलिस महानिरीक्षक बेनजीर अहमद जो और नेशनल टेलीकम्युनिकेशन मॉनिटरिंग सेंटर के पूर्व निदेशक जनरल जियाउल अहसान प्रमुख आरोपी हैं। सुनवाई के दौरान अदालत ने इन आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया और उन्हें 12 फरवरी 2025 तक गिरफ्तार कर अदालत में पेश करने का आदेश दिया। इस फैसले के बाद, बांगलादेश सरकार ने इंटरपोल से शेख हसीना और अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी में मदद मांगी है। इसके साथ ही बांगलादेश ने भारत से शेख हसीना की प्रत्यर्पण की अपील भी की है, क्योंकि शेख हसीना अगस्त 2024 में भारत भाग चुकी थीं, जब उन्हें एक छात्र-प्रेरित आंदोलन में अपनी सरकार के खिलाफ उठ खड़े होने के बाद सत्ता से हटा दिया गया था। यह दूसरा गिरफ्तारी वारंट है जो शेख हसीना के खिलाफ जारी किया गया है। पहला गिरफ्तारी वारंट अक्टूबर 2024 में जारी किया गया था, जिसमें उन्हें और 45 अन्य अधिकारियों को मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोप में गिरफ्तार करने का आदेश दिया गया था।

औपनिवेशिक युग के आपराधिक कानूनों की जगह पर तीन नये आपराधिक कानून लागू

नई दिल्ली : एक सदी से भी अधिक पुराने तीन औपनिवेशिक युग के आपराधिक कानूनों की जगह पर वर्ष 2024 में तीन नए आपराधिक कानून- भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 को लागू किया गया। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय का कहना है कि ये कानून पहले के उन कानूनों की जगह हुए बड़े बदलाव को दर्शाते हैं, जिनका उद्देश्य औपनिवेशिक हितों को पूरा करना था। उनका निरस्तीकरण उस विरासत के अवशेषों को हटाने की दिशा में एक और कदम है। तीनों कानूनों को एक जुलाई 2024 से लागू किए जाने से पहले विभाग ने नए कानूनों के कार्यान्वयन में शामिल सभी हितधारकों के लिए 'आपराधिक न्याय प्रणाली के प्रशासन में भारत का प्रगतिशील पथ' विषय पर सम्मेलनों की श्रृंखला आयोजित की।

मुख्यमंत्री ने मंईयां योजना के तहत 56 लाख महिलाओं के बैंक खातों में हस्तांतरित किए 1415 करोड़

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत पूरा किया वादा : हेमंत

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने रांची के नामकुम स्थित ट्रेनिंग ग्राउंड में आयोजित झारखंड मुख्यमंत्री मंईयाँ सम्मान योजना के राज्य स्तरीय समारोह में 56 लाख 61 हजार 791 बहन बेटियों के बैंक खाते में 1415 करोड़ 44 लाख 77 हजार रुपए डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित कर राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प दोहराया। मुख्यमंत्री ने समारोह को संबोधित करते हुए महिलाओं से कहा कि हमने आपसे वादा किया था कि मुख्यमंत्री मंइयाँ सम्मान योजना के तहत हर माह एक हजार रुपए की सम्मान राशि को दिसंबर माह से 25 सौ रुपए करेंगे, इसे पूरा कर रहे हैं । आज आप सभी के बैंक खाते में बढ़ी हुई राशि की पहली किस्त के रूप में 25 सौ रुपए का हस्तांतरण हो चुका है। मुझे पूरी उम्मीद है कि अब आप सभी अपनी पूरी क्षमता और ताकत के साथ इस राज्य के विकास में अपनी भागीदारी निभाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने आधी आबादी को सशक्त बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री मंइयाँ सम्मान योजना की परिकल्पना को जिस मजबूती के साथ धरातल पर उतारा है, उसकी चर्चा पूरे देश मे हो रही है। हमारी इस महत्वाकांक्षी योजना को कई अन्य राज्य रोल मॉडल के रूप में देखते हुए उसे अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। मैं पूरे यकीन के साथ कर सकता हूं कि महिलाओं को आगे ले जाने में यह योजना निर्णायक साबित होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपने हमें जो आशीर्वाद और सम्मान दिया है, उससे हमें एक नई ऊर्जा और ताकत मिली है। हमारी सरकार महिलाओं के मान -सम्मान स्वाभिमान और हक अधिकार देने के साथ उन्हें स्वावलंबी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। आपने आगे बढ़ने का जो सपना देखा है, उसे पूरा करने के मकसद से हमने इस योजना को लागू किया है । हमारे इस कदम से आप अपने घर परिवार के साथ राज्य और देश को मजबूती देंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक महिला- पुरुष कदम से कदम मिलाकर नहीं चलेंगे, यह राज्य और देश आगे नहीं बढ़ेगा। लेकिन, अफसोस इस बात का है कि इस देश में कई नीतियां, कार्यक्रम और योजनाएं बनीं, फिर भी आधी आबादी आज भी विकास से कोसों दूर है। महिलाओं को वह ताकत नहीं मिला, जिसके माध्यम से वे खुद और अपने घर परिवार के साथ राज्य और देश के विकास का हिस्सा बन सके। इसी बात को ध्यान में रखकर हमने महिलाओं को आगे बढ़ने का संकल्प लिया। इस दिशा में मुख्यमंत्री मंइयाँ सम्मान योजना के माध्यम से कदम बढ़ाने का काम किया है।

इस समारोह में मंत्री राधा कृष्ण किशोर, मंत्री चमरा लिंडा, मंत्री संजय प्रसाद यादव, मंत्री इरफान अंसारी, मंत्री हफीजुल हसन, मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, मंत्री योगेंद्र प्रसाद, मंत्री सुदिव्य कुमार, मंत्री श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की, सांसद श्रीमती जोबा मांझी, राज्यसभा सांसद श्रीमती महुआ माजी, सभी विधायकगण, अन्य गणमान्य अतिथिगण, राज्य सरकार के वरीय अधिकारीगण एवं सभी जिलों से बड़ी संख्या में पहुंचे मंईयां सम्मान योजना के लाभुक महिलाएं उपस्थित रहे।

बैंकों को अपना नजरिया बदलना होगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के प्रति बैंकों का रुख बहुत अच्छा नहीं है। यहां के गरीब लोग बैंकों में जो पैसा जमा करते हैं, उसका इस्तेमाल कहीं और होता है। यहां के लोगों को बैंकों से जो मदद मिलनी चाहिए वह नहीं मिलती है, लेकिन अब बैंकों को अपना रुख बदलना होगा और इस राज्य और यहां के लोगों की जरूरत के अनुरूप उन्हें कार्य करना होगा।

आप इस पैसे से अपनी जरूरतों को पूरा करने के साथ अपनी आमदनी भी बढ़ा सकेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री मंइयाँ सम्मान योजना के माध्यम से हमारी सरकार ने एक ऐसी व्यवस्था आपको दी है , जिसमें आपके सपनों को पूरा करने की पूरी क्षमता होगी। आप इस पैसे से ना सिर्फ अपनी जरूर को पूरा कर सकेंगे बल्कि उसके माध्यम से अपने बच्चों के बेहतर पठन-पाठन के साथ अपनी आमदनी को बढ़ाने का भी मौका मिलेगा। यह सिर्फ एक योजना मात्र नहीं है बल्कि आपको आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने का एक सशक्त माध्यम है।

महिलाओं से बेहतर पैसे का महत्व कोई नहीं समझ सकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाएं घर परिवार भी चलाती हैं और कामकाज भी करती है । ऐसे में पैसे का महत्व उनसे बेहतर कोई नहीं समझ सकता है। यही वजह है कि हमारी सरकार घर- परिवार चलाने वाली महिलाओं पर राज्य को आगे ले जाने का जिम्मा भी सौंप रही है । अब महिलाओं के जरिए राज्य की अर्थव्यवस्था का पहिया घुमाने का प्रयास हो रहा है, क्योंकि इस राज्य को विकसित राज्यों की श्रेणी में खड़ा करने में आधी आबादी की अहम भूमिका होगी।

आपकी गतिविधियों में सरकार सहयोग करेगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस राज्य की बहन -बेटियों को सशक्त बनाने के लिए सरकार ने बहुत बड़ा कदम उठाया है। हमारी सरकार समय-समय पर गांव- और देहातों का भ्रमण भी करेगी और यह जानने की कोशिश करेगी कि आर्थिक समृद्धि के लिए आपके द्वारा किन-किन गतिविधियों को संचालित किया जा रहा है। इस दिशा में सरकार के द्वारा आपको आगे भी पूरा सहयोग मिलेगा।

अभाव की जिंदगी जीने को रहे मजबूर

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस राज्य के संसाधनों के जरिए दूसरे राज्य रोशन हो रहे हैं। लेकिन, वर्षों से यहां के लोग अभाव की जिंदगी जीने को मजबूर हैं। पिछड़ापन,गरीबी, बेरोजगारी, शोषण कुपोषण और पलायन जैसी समस्याएं आज भी इस राज्य के विकास में सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। यहां के नीति -निर्धारकों की नजर में यह राज्य हमेशा हाशिये पर रहता आया है। लेकिन, अब ऐसा नहीं चलेगा। इस राज्य को पिछड़ापन और गरीबी से मुक्ति दिलाएंगे और अग्रणी राज्यों की श्रेणी में खड़ा करेंगे।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों ने जवानों के वाहन को आईईडी विस्फोट से उड़ाया, आठ जवान शहीद

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले के थाना कुटरू क्षेत्र अंर्तगत बेदरे मार्ग पर ग्राम अम्बेली के पास जवानों को लेकर जा रहे एक स्कार्पियो वाहन को नक्सलियों ने सोमवार दोपहर आईईडी विस्फोट कर निशाना बनाया, जिसमें दंतेवाड़ा डीआरजी के आठ जवानों कोरसा बुधराम, सोमडू वेंटिल, दुम्मा मड़काम, बमन सोढ़ी, हरीश कोर्राम, पण्डरू पोयम, सुदर्शन वेटी, सुभरनाथ यादव का बलिदान हो गया और एक सिविलियन वाहन के ड्राइवर तुलेश्वर राना , ग्राम आरापुर, जगदलपुर की भी मौत गई। बस्तर आईजी सुदरराज पी. ने इसकी पुष्टि की है।

रविवार को नारायणपुर में हुई मुठभेड़ के बाद ये सभी आठ जवान आज स्कार्पियो वाहन से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान नक्सलियों ने आज दोपहर 14:15 बजे आईईडी से विस्फोट कर जवानों को लेकर जा रहे स्कार्पियो वाहन को आईईडी से विस्फोट कर वारदात को अंजाम दिया, जिसमें दंतेवाड़ा डीआरजी के सभी आठ जवानों का बलिदान हो गया और एक सिविलियन वाहन के ड्राइवर की भी जान चली गई। इस विस्फोट में वाहन के परखच्चे उड़ने के साथ जवानों और वाहन ड्राइवर के भी चिथड़े उड़ गए। बताया गया कि विस्फोट इतना जबरदस्त था कि वाहन कई फीट तक ऊपर उछल गया और जमीन में भी कई फीट का गड्ढा हो गया। घटनास्थल नक्सलियों के इस भीषण वारदात की कहानी को बयां कर रहा है।

नारायणपुर में हुई मुठभेड़ के बाद चार दिन तक जंगल में पैदल चलने के बाद जवान थके हुए थे, इसलिए वे एक स्कार्पियो वाहन सीजी 17 केडब्लयू 7937 में सवार हो गए थे। इस वाहन को उड़ाने के लिए बड़ी मात्रा में बारूद का उपयोग किया गया था। धमाका इतना जोरदार था कि सड़क पर करीब 10 फीट गहरा गड्ढा हो गया और वाहन के परखच्चे उड़ गए। वाहन के कुछ हिस्से 30 फीट दूर तक बिखर गये, वहीं एक पेड़ पर 25 फीट ऊंचाई पर भी वाहन के कलपुर्जे लटके मिले। नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट के बाद जवानों पर एके 47 से ताबड़तोड़ फायरिंग भी की, जिसके खोखे भी बरामद किए गये हैं।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस घटना के बाद अपने एक्स पर लिखा कि बीजापुर से आ रही खबर बेहद दुखद है। बीजापुर के कुटरू में माओवादियों ने सुरक्षाबलों के वाहन पर आईईडी ब्लास्ट किया गया है। इस दुखद घटना में हमारे 8 जवान और एक वाहन चालक के बलिदान होने की सूचना है। हम सब बलिदानियों को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और उनके बलिदान को कोटि-कोटि नमन करते हैं। लोकतंत्र विरोधी ताकतों के खिलाफ हम सब एकजुट हैं।

छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री विजय शर्मा ने ट्वीट कर लिखा कि बीजापुर जिले के कुटरू में नक्सलियों की कायराना करतूत में 8 जवानों सहित एक ड्राइवर के बलिदान होने की खबर हृदय विदारक व अत्यंत ही दुःखद है। दुःख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। भारत मां के वीर सपूतों का यह सर्वोच्च बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। नक्सलवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई निर्णायक मोड़ तक जारी रहेगी।

जवानों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी : विष्णुदेव

बीजापुर : छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दु:ख व्यक्त करते हुए एक्स पर लिखा कि बीजापुर जिले के कुटरू में नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी ब्लास्ट में 8 जवानों के बलिदान सहित एक वाहन चालक की मौत की खबर अत्यंत दु:खद है। मेरी संवेदनाएं शहीदों के परिजनों के साथ है। ईश्वर से शहीद जवानों की आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं। बस्तर में चल रहे नक्सल उन्मूलन अभियान से नक्सली हताश हैं और विचलित होकर ऐसी कायराना हरकतों को अंजाम दे रहे हैं। जवानों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी, नक्सलवाद के खात्मे के लिए हमारी यह लड़ाई मजबूती से जारी रहेगी।

प्रधानमंत्री ने नए जम्मू रेलवे मंडल और चरलापल्ली स्थित नए टर्मिनल का किया उद्‌घाटन

वह समय दूर नहीं जब देश में बुलेट ट्रेन दौड़ेगी: प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज देश विकसित भारत की संकल्पसिद्धी में जुटा है और इसमें भारतीय रेलवे का विकास अहम है। पिछला एक दशक भारतीय रेलवे के ऐतिहासिक परिवर्तनों का रहा है। अब वह समय दूर नहीं है जब जल्द ही देश में बुलेट ट्रेन दौड़ेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नए जम्मू रेलवे मंडल और तेलंगाना में चरलापल्ली स्थित नए टर्मिनल स्टेशन के उद्घाटन तथा ईस्ट कोस्ट रेलवे के रायगढ़ा रेलवे मंडल भवन के शिलान्यास करने के बाद संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछला एक दशक भारतीय रेलवे के ऐतिहासिक परिवर्तनों का रहा है। रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर में एक बड़ा बदलाव आया है। आज देश विकसित भारत की संकल्पसिद्धी में जुटा है और इसमें भारतीय रेलवे का विकास अहम है। इससे देश की छवि बदली है और देशवासियों का मनोबल भी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि भारत में रेलवे के

विकास को हम चार पैरामीटर्स पर आगे बढ़ा रहे हैं। पहला- रेलवे के इंफ्रास्ट्र्कचर का आधुनिकीकरण, रेलवे के यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं, रेलवे की देश के कोने-कोने में कनेक्टिविटी और रेलवे से रोजगार का निर्माण, उद्योगों को सपोर्ट। आज के इस कार्यक्रम में भी इसी विजन की झलक दिखाई दे रही है।

मोदी ने कहा कि 2-3 दिन पहले उन्होंने एक वीडियो देखा, जिसमें वंदे भारत ट्रेन का नया स्लीपर वर्जन ट्रायल के तौर पर 180 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चल रहा था। उन्होंने कहा कि यह देखकर सभी देशवासियों को अच्छा लग रहा है। मोदी ने कहा कि यह तो बस शुरूआत है वह समय दूर नहीं जब देश में पहली बुलेट ट्रेन दौड़ेगी।

एचएमपीवी पुराना वायरस, इससे घबराने की आवश्यकता नहीं : नड्डा

भारत में मिला चीन में तबाही मचाने वाले एचएपपीवी वायरस का पहला केस, 8 महीने का बच्चा संक्रमित

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में ह्यूमन मेटान्योमो वायरस (एचएमपीवी) के दो मामलों की पुष्टि हो चुकी है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को कर्नाटक से एक तीन महीने की बच्ची और एक 8 महीने के बच्चे को एचएमपीवी वायरस से संक्रमित पाए जाने की पुष्टि की है। 3 महीने की बच्ची को बेंगलुरु के बैप्टिस्ट अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है, उसे ब्रोंकोप्न्यूमोनिया की शिकायत है। दूसरी आठ महीने की बच्ची का इलाज चल रहा है और वो अब स्वस्थ्य हो रही है। इसके बाद गुजरात से भी एक मामला सामने आया है। इन खबरों के बीच केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने कहा कि एचएमपीवी कोई नया वायरस नहीं है। इससे घबराने की आवश्यकता नहीं है। सरकार स्थिति पर कड़ी नजर बनाए हुए है। केन्द्रीय स्वास्थय मंत्री नड्डा ने एक वीडियो संदेश जारी करते हुए कहा कि विशेषज्ञों के मुताबिक एचएमवीपी कोई नया वायरस नहीं है। यह भारत में 2001 में पहली बार पहचाना गया था। एचएमपीवी हवा के माध्यम से फैलता है। यह ज्यादा सर्दी के मौसम में फैलता है। चीन और आसपास के देशों में फैले एचएमवीपी की स्थिति पर नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद(आईसीएमआर)और स्वास्थ्य मंत्रालय गहन नजर बनाए हुए हैं।

आईसीएमआर के डेटा के अनुसार मौजूदा समय में एचएमपीवी के मामलों में कोई तेज बढ़ोतरी नहीं देखी गई है। संयुक्त निगरानी समिति ने 4 जनवरी को स्थिति की समीक्षा की थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन इस स्थिति पर नजर बनाए हुए है और उनसे इस संबंध में जानकारी साझा करने का अनुरोध किया गया है। लोगों को किसी बात की चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। स्वास्थ्य मंत्रालय स्थिति पर बारीकी से नजर बनाए हुए है। एम्स दिल्ली के डॉ. नीरज निश्चल ने कहा कि इसकी (एचएमपीवी) तुलना कोविड-19 से नहीं करना चाहिए क्योंकि वह पूरी तरह से नया वायरस था और हममें से किसी में भी इसके खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता नहीं थी। एचएमपीवी को 2001 से भारत में है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

आईसीएमआर के पूर्व वैज्ञानिक डॉ. रमन आर. गंगाखेडकर ने बताया कि एचएमपीवी भारत में लंबे समय से मौजूद है। इस संक्रमण से चार से पांच दिनों तक सामान्य सर्दी-जुकाम जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं। अनावश्यक रूप से चिंता जताना उचित नहीं होगा, क्योंकि यह वायरस हमेशा से ही मौजूद रहा है। उन्होंने कहा कि जागरुकता और सावधानी जरूरी है। जिस तरह करोना में लोगों ने हैंड हाइजीन का ख्याल रखा उसी तरह से इस वायरस में भी लोगों को अपने हाइजीन का ख्याल रखना चाहिए।

एचएमपीवी के लक्षण

तेज बुखार,सांस लेने में कठिनाई, त्वचा, होंठ या नाखूनों का नीला पड़ना, सर्दी-जुकाम जैसे हल्के लक्षण, कभी-कभी निमोनिया को ट्रिगर कर सकता, पुरानी श्वसन स्थितियों को बढ़ा सकता है। खांसी या घरघराहट हो सकती है। नाक बहना, गले में खराश होना लक्षणों में शामिल है।

बचाव के लिए क्या करें

एक्सपर्टस के मुताबिक एचएमपीवी एक पुराना वायरस है और इसके मामले पहले भी आए हैं। इससे बचने के लिए भीड़-भाड़ वाले और बंद जगहों पर मास्क पहनना चाहिए। खांसी और छींक आने पर मुंह को ढंक ले। अपने हाथों को नियमित रूप से साफ करें ।

खूंटी में गोलीबारी करनेवाले पीएलएफआई के 2 सदस्यों को पुलिस ने हथियार के साथ गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

खूँटी । पुलिस ने जिला केंद्र के मुख्य बाजार में गोलीबारी कर दहशत फैलाने वाले पीएलएफआई संगठन को दो सक्रीय नक्सलियों को गिरफ्तार करने में सफलता पायी है। जिन्होंने हाल ही में खूँटी के शिवा शॉ रुम और एमआरएफ टायर की दुकान में गोली चलाकर शहर में दहशत फैला दिया था। इसमें एक और नक्सली अभी भी फरार है। जिस प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के 2 सदस्यों को पुलिस ने हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। इन गिरफ्तार लेवी वसूली करने वाले दो लोगों को फिर उग्रवादी संगठन का पर्चा व हथियार के साथ पड़ने में सफलता पायी है। जिनके द्वारा किसी के उपर हमला बोलने के लिए

योजना बना रहे थे। लेकिन सही समय पर पुलिस द्वारा धर दबोचे गये। इन दोनों के पास से 1 एकनली देशी राइफल, 8 एमएम के 2 कारतूस, 7.65 एमएम के 9 कारतूस, 2 मोबाईल फोन और 4 पीएलएफआई के पर्चे बरामद हुए हैं। पीएलएफआई के इन दोनों सदस्यों के नाम विकास गोप और निमेश गोप हैं। दोनों को कर्रा थाना क्षेत्र के रोन्हे जंगल से गिरफ्तार किया गया है। विकास गोप के पिता का नाम रंथु गोप और निमेश के पिता का नाम राजेंद्र गोप है। दोनों कर्रा के रोन्हे गांव के रहने वाले हैं। ये दोनों संगठन को मजबूत करने के लिए लेवी वसूली करने का काम करते थे।

खूँटी के एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि कर्रा थाना के रोन्हे जंगल में प्रतिबंधित पीएलएफआई संगठन के कुछ सदस्य किसी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना का सत्यापन करने के बाद एसपी ने तोरपा के अनुमंडल पलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) एसडीपीओ खिस्तोफर केरकेट्टा के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया। तोरपा डीएसपी खिस्टोफर केरकेट्टा ने प्रेस वार्ता आयोजित करके बताया कि एसपी महोदय का निर्देश मिलते ही तत्काल कार्रवाई करते हुए रोन्हे जंगल में छापेमारी शुरू की गयी। छापेमारी के दौरान प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन के दो सदस्य पुलिस टीम के हत्थे चढ़ गए।

संक्षिप्त खबरें

श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ 11 को मनाई जाएगी

रांची(बिभा): श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पौष शुक्ल द्वादशी (11 जनवरी 2025) को मनाई जाएगी। विश्व हिंदू परिषद के प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत ने संपूर्ण हिंदू समाज से प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की वर्षगांठ भक्ति एवं श्रद्धा के साथ मनाने काआह्वान किया है। विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र ने बताया परिषद के कार्यकताओं द्वारा इस दिन अपने-अपने प्रखंडों के प्रमुख मंदिरों की साज सज्जा, सामूहिक श्री हनुमान चालीसा पाठ, श्री रामलला की आरती, भजन कीर्तन, भोग वितरण तथा साथ ही कई स्थानों पर भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर साधु संत एवं अन्य वक्ताओं द्वारा श्रीराममंदिर निर्माण की गाथा एवं 'श्रीराम और सामाजिक समरसता' का विषय रखा जाएगा । रांची महानगर में भी इस दृष्टि से रांची महानगर अध्यक्ष कैलाश केसरी एवं अन्य कार्यकर्ता शहर के मठ मंदिरों के पूज्य महंत एवं अर्चक पुरोहितों से संपर्क कर रहे हैं।

झामुमो ने नववर्ष के वनभोज सह मिलन समारोह के सफल आयोजन पर जताया आभार

रांची(बिभा) : झामुमो रांची जिला समिति द्वारा पिछले दिनों नववर्ष 2025 के उपलक्ष्य पर रांची रिंग रोड, सेंबो स्थित रेनबो रिवर वॉटरपार्क मे संपन्न हुए पिकनिक सह मिलन समारोह का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता झामुमो रांची जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम जी ने की। कार्यक्रम काफी धूमधाम और हर्षौल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से पार्टी के केंद्रीय नेतागण, विधायक, जिला के पदाधिकारी और प्रखंड व पंचायत स्तर के कार्यकतागण शामिल हुए। इस दौरान 200 लोगों ने झामुमो की सदस्यता ली। सभी को पार्टी का पट्टा पहनाकर पार्टी मे स्वागत किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने मे मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष कलाम आजाद, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष आशुतोष वर्मा, सचिन सिंह, रौनक कुशवाहा एवं जिला के पदाधिकारीयों और विभिन्न वर्ग संगठन के पदाधिकारीयों ने महत्वपूर्ण योगदान देकर सफल बनाया। झामुमो रांची जिला का ये अबतक का सबसे सफल वनभोज कार्यक्रम रहा। इसको लेकर जिला समिति ने सभी को धन्यवाद और आभार व्यक्त किया।

ऑल इंडिया पैरेंट्स एसोसिएशन का दो दिवसीय अधिवेशन पूरी में संपन्न

रांची(बिभा) : ऑल इंडिया पैरेंट्स एसोसिएशन का दो दिवसीय अधिवेशन भगवान जगरनाथ की नगरी पूरी, उड़ीसा में राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अधिवेशन में देशभर के विभिन्न राज्यों के अभिभावकों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिसमें बिहार से बिहार अभिभावक महासंघ के अध्यक्ष शेखर सिन्हा, महासचिव प्रमोद यादव समेत सात अन्य सदस्य भी शामिल हुए। इस अधिवेशन में बिहार अभिभावक महासंघ के सत्यनारायण शर्मा, अरुण कुमार मंडल, अमर्त्य सेन सहित सात सदस्य भी उपस्थित थे। अधिवेशन के दौरान विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा हुई और उन्हें सर्वसम्मति से पारित किया गया।

झारखण्ड कैडेट तलवारबाजी टीम उत्तराखंड रवाना

रांची(बिभा) : उत्तराखंड के रुद्रपुर में उत्तराखंड फेंसिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित 19वां कैडेट नेशनल फेंसिंग चैंपियनशीप के लिए झारखंड टीम में 22 खिलाड़ियों का चयन हुआ है। इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने झारखण्ड टीम धनबाद से रुद्रपुर, उत्तराखंड के लिए रवाना हुई। जहां 8 जनवरी से 12 जनवरी तक आयोजित प्रतियोगिता में शामिल होंगे। झारखंड टीम को धनबाद स्टेशन से राज्य संघ के महासचिव जय कुमार सिन्हा एवं संघ के संयुक्त सचिव अनिल बास्फोरे ने झारखंड टीम को शुभकामनाएं देकर रवाना किया , जहां राज्य संघ के मुख्य अभिभावक ने कहा कि सभी खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन कर टीम में जगह बनाए हैं, राज्य संघ के अध्यक्ष अर्चित आनंद ने खिलाडियों को अनुशासन और खेलभावना से खेलने को कहा , उन्होंने खिलाड़ियों से ठंड से बचने के लिए भी कहा, राज्य संघ के चेयरमैन राजीव कुमार बिट्टू एवं कार्यकारी अध्यक्ष संजेश मोहन ठाकुर, उपाध्यक्ष कुलवंत सिंह ने भी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि झारखंड टीम में 23 खिलाड़ियो में 12 बालक और 11 बालिका भी शामिल है , और सभी प्रतिभाशाली हैं, रांची के 13, रामगढ़ के 9 , हजारीबाग से 1 खिलाड़ी है । रामगढ़ जिला से ही टीम के कोच जिया आनंद और मैनेजर सुमित पासवान होंगे । शुभकामनाएं देने वालों में उपाध्यक्ष आलोक गुप्ता, आशुतोष जी, कोषाध्यक्ष करमबीर उरांव, संयुक्त सचिव राकेश कुमार मिश्रा, रामाशीष सिंह, रवि रंजन मुख्य रूप से शामिल हैं।

38वीं राष्ट्रीय खेलः उत्तराखंड स्पर्धा को लेकर झारखंड रिले टीम का चयन 10 को

रांची(बिभा): 28 जनवरी से 12 फरवरी 2025 तक उत्तराखण्ड में आयोजित 38वीं राष्ट्रीय खेल , एथलेटिक्स स्पर्धा में झारखंड टीम की भागेदारी को लेकर 4 गुणा 100 मीटर रिले पुरुष टीम के चयन को लेकर 10 जनवरी 2025 को बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम , मोराबादी ,रांची में पूर्वाहन 11:00 बजे से 100 मीटर स्पर्धा का ट्रायल आयोजित किया जाएगा । जिसमें राज्य के वैसे एथलीट जिनकी आयु 18 वर्ष से ऊपर हो एवम विगत दो वर्षों में झारखंड राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में 100 मीटर,200 मीटर स्पर्धा में पदक विजेता एथलीट रहे हो, भाग ले सकते हैं। मोराबादी स्टेडियम, रांची में कोच श्री बिनोद कुमार सिंह/ योगेश प्रसाद को रिपोर्ट करेंगें।

11 से 25 जनवरी तक संविधान गौरव अभियान चलायेगी भाजपा : अमर बाउरी

बिभा संवाददाता

रांची। आम जनता तक बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के संघर्ष संविधान निर्माण और कांग्रेस के द्वारा किये गये उनके साथ छल को लेकर जिला मंडल तक आम जनता को जागरूक करने का काम भाजपा 11 जनवरी से 25 जनवरी तक करेगी। इस अभियान को भाजपा ने संविधान गौरव अभियान का नाम दिया है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के संविधान का ही यह फल है कि आज राष्ट्रपति पद पर देश की एक आदिवासी महिला विराजमान हैं। वहीं चाय बेचने वाला एक व्यक्ति प्रधानमंत्री के रूप में जन सेवा कर रहे हैं। भारत को महान बनाने में संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भाजपा बाबा साहब के लक्ष्य को देश के अंतिम पायदान तक पहुंचने का काम इस अभियान के माध्यम से करेगी। संविधान निर्माण के समय की सभी घटनाओं की जानकारी देश की जनता को होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि संविधान निर्माण के समय कांग्रेस ने धर्म आधारित आरक्षण पर जोर दिया था लेकिन बाबा साहब देश के हर प्रत्येक व्यक्ति को समान अधिकार दिये। कांग्रेस ने जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी को उनके जीवित समय में ही भारत रत्न की उपाधि दे दी लेकिन बाबा साहब को इस उपाधि से वंचित रखा। वहीं मरणोपरांत उन्हें नयी दिल्ली में दो गज जमीन नसीब नहीं होने दी। बाबा साहब ने कश्मीर में धारा 370 का भी विरोध किया था। ऐसी कई घटनाएं हैं जो आम जनता के बीच जानी चाहिए। भाजपा ने बाबा साहब को अपने कार्यकाल में भारत रत्न देकर उन्हें सम्मान दिया है।

मंईयां योजना पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 56 लाख से अधिक लोगों के खाते में मईंया योजना का लाभ दिया है। लेकिन इसकी एक बड़ी कीमत जनता को चुकानी पड़ रही है। राज्य के वृद्ध, विधवा, दिव्यांग को मिलने वाले पैसे उनके खाते में नहीं जा रहे हैं। इस बार के अनुपूरक बजट में एक विभाग को मात्र 2100 रुपये ही दिया है।

450 रुपये में गैस सिलेंडर देने के मामले में उन्होंने कहा कि कांग्रेस और जेएमएम का अपने वादे से मुकर जाना कोई नयी बात नहीं है। प्रेस वार्ता में संविधान गौरव अभियान के संयोजक, प्रदेश मंत्री सह प्रदेश सह संयोजक नंद जी प्रसाद, सह संयोजक राकेश भास्कर, प्रदेश प्रवक्ता अमित कुमार मंडल, प्रदेश प्रवक्ता, राफिया नाज, प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक भी उपस्थित रहे।

इंडी गठबंधन के लिए सत्ता प्राप्ति का प्रपंच था 450 रुपए में सिलिंडर देने का वादाः मरांडी

बिभा संवाददाता

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने आज राज्य सरकार पर फिर निशाना साधा।

सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से पोस्ट करते हुए श्री मरांडी ने लिखा कि चुनाव के दौरान किए गए वादे केवल सत्ता हासिल करने का साधन बनकर रह जाएं, तो यह न केवल जनादेश का अपमान है बल्कि जनता के भरोसे के साथ छल भी।

कहा कि जब इंडी गठबंधन ने 450 रुपए में गैस सिलेंडर और 3200 रूपए प्रति क्विंटल धान खरीदने का वादा किया था, तब जनता ने इसे अपने भविष्य की उम्मीद के तौर पर देखा था।

कहा कि अब जब हेमंत सरकार से इन वादों को पूरा करने की मांग की जा रही है, तो मुख्यमंत्री से लेकर सभी मंत्री गण बहाने गढ़ने में व्यस्त हैं। कहा कि हेमंत सरकार का रवैया यह केवल जनादेश का अपमान नहीं है, बल्कि नव निर्वाचित विधायकों को भी उपहास का पात्र बना रहा है।

श्री मरांडी ने कहा कि जनता समझ चुकी है कि 5 लाख सालाना नौकरी के जुमले की तरह 450 रुपए में गैस सिलेंडर देने का वादा भी केवल सत्ता प्राप्ति के लिए एक प्रपंच था। आनेवाले दिनों में इस ठगबंधन सरकार के झूठ परत दर परत और उजागर होंगे।

भाजपा का अभियान संविधान बचाने का नहीं बल्कि संविधान बदलने के लिए चलाया जाएगाः सोनाल शांति

बिभा संवाददाता

रांची। संविधान को मजाक बनाने वाले और बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर को भरी संसद में अपमानित करने वाली भाजपा के नेता संविधान गौरव अभियान चलाने की बात करते हैं। यह किसी सस्ते चुटकुले से कम नहीं। उक्त पलटवार भाजपा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी द्वारा दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने कहा। उन्होंने कहा कि भाजपा का अभियान संविधान बचाने का नहीं बल्कि संविधान बदलने के लिए जनमत संग्रह के लिए चलाया जाएगा। संविधान बदलने की बात करने के कारण ही 2014 में अकेले बहुमत प्राप्त करने वाली भाजपा आज बैसाखी पर सरकार चला रही है। बाबा साहब के आदर्शों की बात भाजपा नेता के मुंह से अच्छी नहीं लगती। भाजपा धार्मिक आधार पर देश में विभाजन की नीति अपना रही है। आरक्षण को समाप्त कर पिछड़ों, अनुसूचित जाति,जनजाति को समाज की मुख्य धारा से हटाना चाहती है। महात्मा गांधी के आदर्शों पर चलने वाली कांग्रेस को गोडसे के अनुयायी आईना दिखाने की कोशिश कर रहे हैं,जबकि जनता ने केंद्र से लेकर झारखंड तक उन्हें उनका असली चेहरा दिखा दिया है। हताश-निराश भाजपा अपने प्रमुख एजेंडे धर्म के रास्ते मजबूत होना चाहती है लेकिन देश बाबा साहब के संविधान से चलेगा भाजपा के फरमान से नहीं।

महागठबंधन द्वारा जारी 7 गारंटी में से पहली गारंटी के रूप में 56 लाख महिलाओं के खाते में 2500 का लाभ दिया गया जिससे भाजपा औंधे मुंह गिर पड़ी है,उन्हें कुछ समझ में नहीं आ रहा है इसलिए मदहोशी के आलम में कुछ भी बोल रहे हैं। अमर बाउरी खुद अपनी पार्टी की नीतियों के चलते हार का मुंह देख चुके हैं,उन्हें चिंतन की जरूरत है।

सरकार की तमाम योजनाएं सुचारू रूप से चल रही है। महागठबंधन सरकार कर्ज लेने की बजाय कर्ज चुका रही है। किसी भी विभाग के बजट में कटौती की बजाय अनुपूरक बजट में पैसे दिए गए ।राजस्व के नए स्रोत की तलाश की जा रही है ।लगभग पांच माह तक झारखंड पूरी तरह आचार संहिता के दायरे में था जिसके चलते कार्यों में शिथिलता आई थी,अब सारे विभागों में कार्य युद्ध स्तर पर जारी है ।सरकार की कार्य संस्कृति के कारण ही केंद्र द्वारा पूंजीगत व्यय पर झारखंड को बोनस दिया जा रहा है ।विकसित झारखंड का लक्ष्य हमारी सरकार का है।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ असम के दौरे पर

रक्षा राज्य मंत्री ने असम में देखा पूर्वोत्तर का विकास

बिभा संवाददाता

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ दो दिवसीय असम दौरे पर आज असम के विभिन्न संस्थाओं का दौरा कर पूर्वोत्तर के विकास कार्य को देखा। इस अवसर पर श्री सेठ ने बताया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री हेमंता बिस्व शर्मा जी के नेतृत्व में असम रोजगार सृजन में भी कीर्तिमान बना रहा है। आज बजाली के पाताचारकुची अनुमंडल में दूध उत्पादक डेयरी किसान जूना तामुली बर्मन से मिला, उनके फार्म का भी अवलोकन किया। इनके उद्यम कौशल को लेकर पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार द्वारा इन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया है। जूना तामुली डेयरी फार्म के साथ-साथ मत्स्य पालन तालाब का भी रखरखाव करती हैं। यह सुखद लगता है कि छोटे शहरों की महिला किसान भी सरकारी योजनाओं का लाभ उठा रही हैं। अपनी आजीविका में सुधार कर रही हैं। श्रीमती बर्मन सभी महिला किसानों के लिए प्रेरणा हैं। असम के बजाली में मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन किया यह आंगनबाड़ी केंद्र आधुनिक प्ले स्कूल है जो वहां के बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास की दृष्टि से हर सुविधा से सुसज्जित है ।साथ ही असम में तपोवन स्पेशल स्कूल का अवलोकन कर बच्चों के संग संवाद किया वहां की शिक्षा प्रणाली से अवगत हुए साथ ही बजाली जिले के अधिकारियों के साथ भारत सरकार की विकास योजनाओं की समीक्षा की वहां के अनुमंडल सिविल अस्पताल का निरीक्षण किया यहां नवजात शिशुओं को आधार कार्ड जारी करने की अच्छी व्यवस्था है जन्म प्रमाण पत्र के साथ ही आधार कार्ड भी दिए जाते हैं श्री सेठ ने कहा आज पूर्वोत्तर राज्य में विकास की गंगा बह रही है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल नेतृत्व का यह परिणाम है।

सीएमपीडीआई में मौजूदा बुनियादी ढांचे और विशेषज्ञता को मजबूत करने में अब नासेर का भी रोल

बिभा संवाददाता

रांची : नेशनल सेंटर फॉर कोल एंड इनर्जी रिसर्च एक साहसिक कदम का प्रतिनिधित्व करता है, जिसका उद्देश्य कोयला और ऊर्जा क्षेत्रों में गंभीर चुनौतियों का समाधान करने के साथ भारत को टिकाऊ ऊर्जा में अग्रणी के रूप में स्थापित करना है।

दुनिया तेजी से विकसित हो रही है, प्रतिस्पर्द्धा तेज है, प्रौद्योगिकियां बिजली की गति से आगे बढ़ रही है जिसके साथ पर्यावरणीय जिम्मेदारियां भी बढ़ रही हैं। कोयला क्षेत्र, जो भारत की ऊर्जा आपूर्ति की आधारशिला है, को इन बदलावों के अनुरून ढलना होगा। अब पारंपरिक तरीकों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। हमें नवप्रवर्तन करना चाहिए, विविधता लानी चाहिए और प्रगति पथ पर आगे रहना चाहिए।

कोयला और ऊर्जा क्षेत्र की अनुसंधान एवं विकास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कोयला मंत्रालय के निर्देशन में नेशनल सेंटर फॉर कोल एंड इनर्जी रिसर्च (NaCCER-नासेर) की परिकल्पना की गयी थी।

NaCCER-नासेर की स्थापना दो चरणों में की जा रही हैः चरण-1 को सीएमपीडीआई के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत विकसित किया गया है, जो सीएमपीडीआई में मौजूदा बुनियादी ढांचे और विशेषज्ञता को मजबूत करता है और भविष्य में, चरण-2 सीआईएल नेतृत्व के तहत दीर्घकालिक नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक स्थायी विश्व स्तरीय सुविधा की रचना की जाएगी।

NaCCER-नासेर का उद्देश्य ऐसे अनुसंधान को अंजाम देना है, जो स्थिरता और पर्यावरणीय प्रबंधन सुनिश्चित करते हुए कोयला और ऊर्जा उत्पादन में आत्मनिर्भरता को मजबूत करता है।

इसका उद्देश्य वैश्विक मानकों का एक राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र बनाना है जहां पनपते नवप्रवर्तन और उद्योग की चुनौतियों का समाधान परिवर्तनात्मक समाधानों से किया जा सके। स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकियों और एआई-संचालित खनन से लेकर नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरणीय संरक्षणक तक NaCCER-नासेर ऊर्जा और स्थिरता के भविष्य के लिए लगभग सभी महत्व पूर्ण क्षेत्रों से निपटेगा।

हम इस पहल की पूरी क्षमता को उजागर करने के लिए विशेषज्ञों की एक बहु-विषयक दल बनाने, आईआईटी और एनआईटी जैसे अग्रणी संस्थानों के साथ साझेदारी करने और स्टार्ट-अप और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय हितधारकों के साथ सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उसी के अनुरूप, आईआईटी (आईएसएम), धनबाद-टेक्समिन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर पहले हस्ताक्षर किए जा चुके हैं और आईआईटी, हैदराबाद और आईआईटी, मद्रास के साथ समझौता ज्ञापन को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

NaCCER-नासेर का जोर नई तकनीकों को विकसित करना और टीआरएल-4 के सिद्ध अनुसंधान को प्रयोगशाला से धरातल तक लाना है जिससे वास्तविक दुनिया प्रभावित हो, जो उद्योग के विकास और पर्यावरणीय स्थिरता दोनों को संचालित करता है। तद्नुसार, फंडिंग का बड़ा हिस्सा ऐसी सभी परियोजनाओं पर खर्च किया जाएगा जो प्रभावी अनुप्रयोगों में तब्दील हो सकती हैं।

NaCCER-नासेर की स्थापना को सीआईएल के आरएंडटी फंड द्वारा समर्थित किया जाएगा, जिसमें विशेषज्ञ समितियां सुचारू निष्पादन और निरीक्षण सुनिश्चित करेंगी। उसी के अनुरूप, देश भर के विशेषज्ञों की एक सलाहकार विशेषज्ञ समिति बनाई गयी है और विषय विशेषज्ञों का पैनल बनाया गया है । NaCCER-नासेर राष्ट्रीय और वैश्विक अनुसंधान में तालमेल को बढ़ावा देगा और यह सुनिश्चित करेगा कि भारत आने वाले दशकों तक ऊर्जा नवाचार में अग्रणी रहे।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस मुख्यालय सहित राज्य के सभी जिला इकाइयों में साप्ताहिक परेड आयोजित

रांची(बिभा)। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता के निर्देश पर सोमवार को पुलिस मुख्यालय और राज्य के सभी जिला इकाइयों में साप्ताहिक परेड का आयोजन किया गया। पदस्थापित, प्रतिनियुक्ति पुलिस पदधिकारियों एवं कर्मियों को शारीरिक-मानसिक रूप से चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए साप्ताहिक परेड का आयोजन प्रारंभ हुआ। इस परेड में आरक्षी से पुलिस निरीक्षक संवर्ग के पदाधिकारियों और कर्मियों ने हिस्सा लिया। यह परेड नियमित रूप से अगले आदेश तक आयोजित किया जायेगा।

तिरुपति बालाजी मंदिर में चार दिवसीय अनुष्ठान 9 से

रांची(बिभा) : श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) मंदिर में 9 जनवरी गुरुवार से 12 जनवरी रविवार तक चार दिवसीय श्रीविष्णु सहस्त्रनाम अर्चना अनुष्ठान का आयोजन किया गया है। यह सहस्त्रनामार्चन श्रीवैकुंठ एकादशी महोत्सव के अवसर पर वर्ष में एक बार सामूहिक रूप से कराया जाता है। वैकुंठ एकादशी महोत्सव धनुर्मास के दौरान शुक्ल पक्ष की एकादशी को होता है। यह माना जाता है कि वैकुंठ लोक का द्वारा इसी दिन खुलता है। मान्यता है कि जो व्यक्ति वैकुंठ एकादशी के दिन व्रत धारण कर वैकुंठ द्वार से प्रवेश करके भगवान श्रीमन्नारायण के जगमोहन में प्रवेश करेगा तो निश्चित रूप से उसे आध्यात्मिक अधिष्ठान की प्राप्ति होगी और मरणोपरांत यमराज का सामना किये बिना ही भगवान के धाम को प्राप्त हो जायेगा। इसलिए श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में वर्ष में एक बार केवल इस दिन वैकुंठ द्वार को खोला जाता है और भक्तगण भगवान के 1008 नाम मंत्र से (सहस्त्रनाम) अर्चना कराते हैं। कहां जाता है कि यह वैकुंठ द्वार सिद्ध जनों के लिए बाहरी आकाशगंगा के लिए भी सूक्ष्म प्रवेश मार्ग है। वैकुंठ एकादशी को मुक्तिदा अथवा मुक्कोटी एकादशी भी कहते हैं, मुक्कोटी का अर्थ है तीन करोड़ । यह माना जाता है कि इस दिन ब्रह्माजी अपने तीन करोड़ देवी - देवताओं के साथ अरुणोदय काल के समय भगवान श्रीवेंकटेश के दर्शन के लिये भूलोक पर आते हैं। इस वैकुंठ महोत्सव पर भक्तों की भारी भीड़ होती है । चार दिनी सहस्त्रनाम अर्चना अनुष्ठान में बहुतों संख्या में भक्त लोग कूपन प्राप्त कर शामिल होते हैं ।

विवाह एवं चेक अनादरण से संबंधित विशेष लोक अदालत 22 फरवरी को

रांची(बिभा) : झालसा के निर्देश पर माननीय न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष के मार्गदर्शन में विवाह एवं चेक अनादरण से संबंधित विशेष लोक अदलात का आयोजन 22 फरवरी को होना सुनिश्चित हुआ है। दिनांक 17 फरवरी से 21 फरवरी, 2025 तक विवाह एवं चेक अनादरण से संबंधित मामलों पर बातचीत के लिए प्री-लोक अदालत की बैठकें आयोजित की जायेगी। डालसा रांची की तैयारी जोरों पर है। पारिवारिक न्यायालयों व एन.आई. एक्ट न्यायालय से वादकारियों को अधिक से अधिक नोटिस भेजा जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक वादों का निस्तारण किया जा सके। डालसा सचिव कमलेश बेहरा ने कहा है कि इस विशेष लोक अदालत में अधिक से अधिक विवाह एवं चेक अनादरण संबंधित वादों का निस्तारण करने का लक्ष्य है। इसके लिए न्यायिक पदाधिकारियों के साथ बैठकें की जा रही हैं और संबंधित लोगों को नोटिस भी भेजा जा रहा है।

श्री श्याम सेवा समिति का द्वितीय वार्षिक समारोह 10 को

रांची(बिभा) : सोमवार को सेठ रामेश्वर लाल पोद्दार स्मृति भवन के सभागार में संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया गया ,जिसका उद्देश्य श्री श्याम सेवा समिति, चुटिया का द्वितीय वार्षिक समारोह का आयोजन 10.01.2025 दिन शुक्रवार को होना तय किया गया है, संध्या 5:00 बजे से श्याम बाबा का निशान यात्रा श्री राम मंदिर, चुटिया प्रांगण से आयोजन स्थल तक आएगी। संध्या 6:30 बजे से कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित के साथ होगा इसके बाद संगीतमय भजन जोयत एवं बाबा का श्रृंगार देर रात तक किया जाएगा। कार्यक्रम में पूजा पारीक एवं नीरज जलान ,चांडिल के द्वारा संगीतमय भजनों की गंगा प्रवाहित की जाएगी इसके अलावा श्याम सेवा समिति के सदस्यों द्वारा भी भजन प्रस्तुत की जाएगी। रात्रि 9:00 बजे से श्रद्धालु महाप्रसाद ग्रहण करेंगे सभी कार्यक्रम सेठ रामेश्वर लाल स्मृति भवन चुटिया के सभागार में होगा। कार्यक्रम के मुख्य जजमान प्रमोद पोद्दार हैं। कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालन हेतु मुख्य संयोजक दीपक अग्रवाल एवं सहसंयोजक प्रदीप मोदी को बनाया गया है। इस अवसर पर अध्यक्ष कमल अग्रवाल, श्री श्याम सेवा समिति के राजेश अग्रवाल ,रवि गुप्ता, हरिशंकर शर्मा ,डॉ.भरत कुमार अग्रवाल एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

मंत्री दीपिका पांडे ने जनता दरबार में सुनीं समस्याएं, अधिकारियों को निराकरण के दिए निर्देश

बिभा संवाददाता

रांची। जन समस्याओं के समाधान की सीधी पहल कांग्रेस द्वारा शुरू कर दी गई है। इस क्रम में कांग्रेस भवन में जनता दरबार का आयोजन किया गया जिसमें ग्रामीण विकास मंत्री श्रीमती दीपिका पांडे सिंह ने आम लोगों की समस्याओं को सुना। उक्त जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि मंत्री दीपिका पांडे सिंह के समक्ष 20 लोगों ने अपनी समस्याओं को रखा और मौके पर ही उन्होंने अधिकारियों से बात कर समस्याओं का निराकरण हेतु त्वरित और तीव्र गति से कार्रवाई हेतु निर्देश दिया। जनता दरबार में आए कुल 20 मामलों में अबुआ आवास के किस्त भुगतान हेतु तीन आवास आवंटन के दो जमीन संबंधित 6 मामले नामांकन हेतु दो सड़क नाली के पांच आपदा के तहत मुआवजा भुगतान के संबंध में एक तथा गुमशुदगी का एक मामला आया, इसके लिए सभी अधिकारियों को निर्देश दिया गया। उन्होंने बताया कि जन समस्याओं के समाधान का यह सिलसिला लगातार जारी रहेगा। इस क्रम में 7 जनवरी को 11:00 से 12:00 बजे तक कांग्रेस भवन में आयोजित जनता दरबार में स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी जन समस्याओं को सुनेंगे। स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभाग की समस्याओं को भी मंत्री के समक्ष आम लोगों के द्वारा रखा जा सकता है।

जनता दरबार के पश्चात उपस्थित पत्रकारों से बात करते हुए दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि यह सरकार आम लोगों के हित की सरकार है। आज के जनता दरबार में मुख्य शिकायत आंचल और प्रखंड ऑफिस का है। आसानी से और समय सीमा में होने वाली शिकायतों को अधिकारियों को अविलंब दूर करना चाहिए। जब कोई बड़ी योजना चलती है तो कुछ शिकायत आती है अबुआ आवास बिल्कुल नयी योजना थी शायद यही वजह है कि इसके कार्यान्वन में कुछ शिकायतें आती हैं,जिसे दूर किया जा रहा है। अबुआ आवास के मामले में अधिकांश शिकायतकर्ता है ऐसे हैं जिन्हें पहले किसी अन्य आवास योजना से आवास आवंटित हो गया है,लेकिन तीन कमरों का आवास शौचालय एवं किचन के साथ होने के कारण अबुआ आवास लोकप्रिय योजना है अतः लोग चाहते हैं कि उन्हें अबुआ आवास मिले लेकिन पहले से लाभुक व्यक्तियों को यह नहीं मिल पा रहा है।

झारखंड सरकार के सर्वे के अनुसार अभी झारखंड में 24 लाख आवास की आवश्यकता है केंद्र सरकार के सर्वे के अनुसार 16 लाख आवास की आवश्यकता है। हमने मांग की है कि झारखंड को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवश्यक आवासों का आवंटन केंद्र सरकार करे। झारखंड सरकार द्वारा अभी 6.50 लाख आवास का आवंटन किया गया है जो बनने तथा आवंटन की प्रक्रिया में है।

केंद्र सरकार झारखंड की योजना को मॉडल बनाकर तीन कमरों का शौचालय किचन सहित आवास बनाएं ताकि महिलाओं और अन्य लोगों को बाद में परेशानियों का सामना न करना पड़े। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अभी झारखंड को सिर्फ 125000 आवास का आवंटन हुआ है जबकि आवश्यकता केंद्र के अनुसार 16 लाख आवास की है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री के समक्ष सारे तथ्यों को रखा गया है ।हमने मांग किया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना में मिलने वाली 120000 की राशि को 2 लाख किया जाए। अगर केंद्र सरकार जनता को छत मुहैया कराना चाहती है तो आवास की राशि तथा आवासों के आवंटन की संख्या बढ़ानी चाहिए।

मईया सम्मान योजना के राशि वितरण पर उन्होंने कहा कि नए साल के तोहफे के तौर पर महिलाओं को महागठबंधन द्वारा चुनाव पूर्व घोषित 2500 की राशि आज बहनों के खाते में सीधे स्थानांतरित हुई है जो महिला स्वावलंबन की दिशा में उठा एक बड़ा कदम है। निश्चित रूप से इस राशि से राज्य की महिलाओं को आर्थिक मजबूती मिलेगी।

झारखंड हाई कोर्ट में उपस्थित हुईं गृह सचिव, होमगार्ड डीजी को सात को उपस्थित होने का निर्देश

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड हाई कोर्ट में सोमवार को होमगार्ड जवानों को समान काम के बदले समान वेतन देने के मामले में दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई हुई।

इस दौरान हाई कोर्ट के आदेश के पर सिर्फ गृह सचिव वंदना दादेल ही कोर्ट में हाजिर हुईं।

हाई कोर्ट के पिछले आदेश के बाद भी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के कोर्ट में सशरीर उपस्थित नहीं होने पर कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई। मौखिक रूप से कोर्ट ने कहा कि अदालत के आदेश को हल्के में ना लिया जाए। कोर्ट ने अपने आदेश को संशोधित करते हुए अगली सुनवाई में सात जनवरी को डीजी होमगार्ड को कोर्ट में सशरीर उपस्थित होने का निर्देश दिया। हाई कोर्ट के जस्टिस डॉ. एसएन पाठक की बेंच में मामले की सुनवाई हुई। प्रार्थी की ओर से इस? केस की बहस सर्वोच्च न्यायालय की अधिवक्ता अभय कांत मिश्रा और झारखंड हाई कोर्ट के अधिवक्ता दिलीप चक्रवती एवं अशोक सिंहा ने की।

पूर्व में कोर्ट ने राज्य सरकार को 25 अगस्त, 2017 के प्रभाव से होमगार्ड जवानों को बढ़े हुए वेतन का लाभ देने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा कि आदेश की तारीख से पुलिसकर्मियों के समकक्ष होमगार्ड जवानों को समान कार्य के लिए समान वेतन का लाभ देना होगा। कोर्ट ने दो माह में एरियर का भुगतान करने का निर्देश दिया था। आदेश का अनुपालन नहीं होने पर राज्य के गृह सचिव और डीजीपी को सशरीर हाजिर होने का निर्देश दिया था।

उल्लेखनीय है कि प्रार्थी झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष अजय प्रसाद ने अवमानना याचिका दायर की है। प्रार्थी ने एकल पीठ के आदेश का अनुपालन कराने की मांग की है। इस मामले में राज्य सरकार की एसएलपी सुप्रीम कोर्ट से पहले ही खारिज हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाई कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया था तथा एसएलपी खारिज कर दी थी।

होमगार्ड जवानों अजय प्रसाद एवं अन्य ने पुलिसकर्मियों के समान वेतन और अन्य लाभ के लिए झारखंड हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। प्रार्थियों का कहना था कि होमगार्ड का पोस्ट सिविल पोस्ट है। क्योंकि, वह पुलिसकर्मियों की तरह ड्यूटी करते हैं। इसलिए नियमित पुलिसकर्मियों की तरह उन्हें भी लाभ दिया जाए। हाई कोर्ट की एकल पीठ ने 25 अगस्त, 2017 को प्रार्थी और अन्य दूसरे होमगार्ड को लाभ देने के संबंध में कानून सम्मत निर्णय लेने का राज्य सरकार को निर्देश दिया था।

मुख्यमंत्री हेमंत के सशरीर कोर्ट में उपस्थित होने के मामले में अगली सुनवाई 20 को

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के ईडी के समन की अवहेलना से जुड़े मामले में उनकी ओर से दाखिल सशरीर उपस्थिति से छूट से संबंधित याचिका पर अगली सुनवाई 20 जनवरी को होगी।

झारखंड हाई कोर्ट की ओर से पूर्व में पारित स्थगन आदेश की वजह से मामले में सुनवाई टल गयी। इसके बाद अदालत ने अगली सुनवाई की तिथि 20 जनवरी निर्धारित की है। मामले में एमपी-एमएलए की विशेष न्यायिक दंडाधिकारी सार्थक शर्मा की बेंच में सुनवाई चल रही है।

इससे पूर्व अदालत ने गत 11 नवंबर को सुनवाई के बाद मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। 25 नवंबर को फैसला सुनाते हुए अदालत ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को 4 दिसंबर को अदालत में सशरीर उपस्थित होने का निर्देश दिया था।

इससे पूर्व ईडी की ओर से अदालत में जवाब दाखिल किया गया था। हेमंत सोरेन की ओर से उनके अधिवक्ता ने पांच जुलाई को उक्त मामले में व्यक्तिगत रूप से उपस्थिति में छूट से संबंधित याचिका दाखिल की थी। मामले में हेमंत सोरेन के खिलाफ उपस्थिति को लेकर समन जारी है। गत तीन जून को सीजेएम कृष्ण कांत मिश्रा ने यह मामला एमपी-एमएलए कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया था।

पूर्व में सीजेएम कोर्ट द्वारा मामले में संज्ञान लिए जाने के बावजूद भी हेमंत सोरेन की उपस्थिति कोर्ट में नहीं हुई थी। मामले में हेमंत सोरेन की ओर से सीजेएम कोर्ट के समन आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी गई है। इस संबंध में ईडी की ओर से शिकायतवाद संख्या 3952/2024 सीजेएम कोर्ट में दाखिल की गई है।

ओडिशा वॉरियर्स हीरो महिला हॉकी इंडिया लीग के उद्घाटन के लिए रांची पहुंची

बिभा संवाददाता

रांचीः हीरो महिला हॉकी इंडिया लीग के ऐतिहासिक उद्घाटन संस्करण में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार, ओडिशा वॉरियर्स आज रांची हवाई अड्डे पर पहुंचे। यह टूनार्मेंट 12 से 26 जनवरी 2025 तक मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।

एक रोमांचक उद्घाटन समारोह के बाद, ओडिशा वॉरियर्स लीग के शुरूआती मैच में दिल्ली एसजी पाइपर्स का सामना करने के लिए तैयार है, जो आधिकारिक तौर पर इस ऐतिहासिक कार्यक्रम की शुरूआत करेगा।

प्रशंसक स्टेडियम में लाइव एक्शन देख सकते हैं, सभी मैचों में निःशुल्क प्रवेश के साथ, यह एथलीटों का समर्थन करने और अपने सर्वोत्तम रूप में उच्च-ऊर्जा हॉकी का अनुभव करने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है।

ओडिशा वॉरियर्स की कप्तान नेहा ने टूनार्मेंट के प्रति अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, यह लीग भारत में महिला हॉकी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, और हम इसका हिस्सा बनकर रोमांचित हैं। टीम मैदान पर उतरने के लिए उत्साहित है और हम अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण दिखाने के लिए उत्सुक हैं। हम रांची में जोशीले प्रशंसकों के सामने खेलने और अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को प्रेरित करने के लिए इंतजार नहीं कर सकते।" अपडेट के लिए बने रहें क्योंकि ओडिशा वॉरियर्स हीरो महिला हॉकी इंडिया लीग में अपनी यात्रा शुरू करने के लिए तैयार हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिपेक्ष में बोर्ड कार्यालय में हुआ 5 दिवसीय कायार्शाला का आरम्भ

बिभा संवाददाता

रांची : झारखण्ड अधिविद्य परिषद् रांची के सभागार में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के परख विभाग द्वारा एच.पी.सी. व भारत में सभी बोर्डों की समतुल्यता के संदर्भ में 06 जनवरी से 10 जनवरी, 2025 तक आयोजित होने वाली 5 दिवसीय कार्यशाला का आरम्भ किया गया। यह कार्यशाला सीईओ और प्रमुख, परख, एनसीईआरटी, प्रो. इंद्राणी भादुरी के सहयोग से आयोजित की गई। इस कार्यशाला में झारखण्ड राज्य के सभी जिले के लगभग 335 अलग-अलग विषयों के विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शैक्षिक मूल्यांकन में मानकीकरण और सर्वोत्तम प्रथा को बढ़ावा देना है। होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन का मूल्यांकन करने का एक नया तरीका है। यह एक बहुआयामी रिपोर्ट है जो विद्यार्थी की प्रगति और उसकी दक्षता को दिखाती है। इसमें विद्यार्थी के 360 डिग्री समग्र आंकलन और दूसरे क्षेत्रों में उसकी उपलब्धियों को आकंलन करना है। यह कार्ड बच्चों का व्यापक मूल्यांकन करेगा। इस नई अवधारणा से मूल्यांकन प्रक्रिया में रचनात्मक क्षमताएं, समस्या-समाधान, आत्म-जागरुकता और अन्य पहलुओं को शामिल किया जाएगा। इसका मूल उद्देश्य स्कूली छात्रों के बीच विभिन्न दक्षताओं को जोडना और विकसित करना है। शिक्षा के प्रति समय दृष्टिकोण अपनाने का मतलब है बच्चों के विकास के सभी पहलुओं पर ध्यान केन्द्रित करना न कि केवल उसकी शैक्षिक प्रगति पर। यह एक व्यापक मूल्यांकन प्रणाली है जोकि छात्र के विकास और अधिगम के अनुभव के विभिन्न पहलुओं पर केन्द्रित है।

इस मौके पर झारखंड अकादमी काउंसिल के अध्यक्ष अनिल कुमार महतो, उपाध्यक्ष विनोद सिंह, सचिव जयंत कुमार मिश्र, कोर्स कोआर्डिनेटर सह वरीय आईटी पदाधिकारी कुणाल प्रताप सिंह,झारखंड अधिवित परिषद के विभिन्न पदाधिकारी एवं कर्मचारी, परख के तीन विशेषज्ञ उसके अलावा 73 विषय विशेषज्ञ और झारखंड राज्य के सभी प्रखंड के एक शिक्षक मौजूद थे।

रांची विश्वविद्यालय से छात्रों की टीम युवा महोत्सव के लिए पश्चिम बंगाल रवाना

बिभा संवाददाता

रांचीः रांची विश्वविद्यालय से छात्रों तथा टीम मैनेजरों की 48सदस्यीय टीम पश्चिम बंगाल के सिस्टर निवेदिता विश्वविद्यालय के लिये रवाना हुई। वहां यह टीम 8-12 जनवरी तक होने वाले इस्ट जोन इंटर युनिवर्सिटी यूवा महोत्सव में भाग लेगी।

कुलपति प्रो.डा.अजीत कुमार सिन्हा ने टीम के सभी छात्रों को अच्छे प्रदर्शन के लिये आशिर्वाद दिया तथा शिक्षको और टीम मैनेजर्स को शुभकामनायें दी हैं।

रांची विश्वविद्यालय से चुने गये 42 बेहतरीन छात्र वहां 20 विभिन्न इवेंट्स में भाग लेंगे। इसमें एक इवेंट सांस्कृतिक परेड का भी है जिसमें आरयू के छात्र झारखंड की कला, गीत और संस्कृति की छटा बिखेरेंगे। इन छात्रों को हाल ही में रांची विश्वविद्यालय में संपन्न हुये रीझ रंग 2024-25 युवा महोत्सव में उनके उम्दा प्रदर्शन और विजयी होने पर चुना गया है।48 सदस्यों की टीम में 42 छात्रों के साथ ही छह शिक्षक व टीम मैनेजर हैं जिनमें सुजीत कुमार शर्मा, डा.किशोर सुरीन, मनीष कुमार, डा.जयमणि, बिपुल नायक, व अन्य हैं। रांची विश्वविद्यालय से टीम को डीएसडब्ल्यू डा.सुदेश कुमार साहु, डा. बी.के.सिन्हा, डा.स्मृति सिंह, डा.विनोद कुमार महतो, सुमन कुमार महतो ने शुभकामनाओं सहित रवाना किया।

हाल के कुछ वर्षों में रांची विश्वविद्यालय का राष्ट्रीय स्तर पर हुये युवा महोत्सवों में बहुत उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा है।

सुरक्षित, स्मार्ट और दीर्घकालिक खनन के लिए प्रौद्योगिकी दृष्टिकोण विषय पर आयोजित सेमिनार संपन्न

बिभा संवाददाता

रांची : सुरक्षित, स्मार्ट और दीर्घकालिक (3एस) खनन के लिए प्रौद्योगिकी दृष्टिकोणः विषय पर आयोजित दो दिवसीय सेमिनार का समापन समारोह आईईआई इंजीनियर भवन में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस सेमिनार का आयोजन इंजीनियर्स (इंडिया) संस्थान - झारखंड राज्य केंद्र द्वारा आईआईटी (आईएसएम), धनबाद और सीआईएमएफआर, धनबाद के सहयोग से किया गया। इस कार्यक्रम में खनन क्षेत्र के प्रमुख विशेषज्ञों, पेशेवरों और विद्वानों ने सक्रिय भागीदारी की।

समारोह के मुख्य अतिथि अभियंता एस.के. वर्मा, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, मेकॉन ने अपने विचारशील संबोधन से इस कार्यक्रम को गौरवान्वित किया। अपने भाषण में अभियंता वर्मा ने खनन की दीर्घकालिक पद्धतियों को आगे बढ़ाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) जैसी उभरती हुई प्रौद्योगिकियों की परिवर्तनकारी क्षमता पर जोर दिया। उन्होंने पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और उत्पादकता वृद्धि के दोहरे लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए खनन 4.0 की ओर बदलाव के महत्व को रेखांकित किया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में अभियंता प्रफुल्ल चंद्र तिवारी उपस्थित रहे और सीएसआईआर-सीआईएमएफआर के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. मुरारी प्रसाद रॉय ने सत्र के दौरान मुख्य भाषण प्रस्तुत किया।

आयोजन समिति के अध्यक्ष अभियंता शंकर नागचारी, निदेशक (टी/सीआरडी), सीएमपीडीआई, आयोजन सचिव अभियंता हारून अंसारी, वरिष्ठ प्रबंधक, मेकॉन के साथ संयोजक डॉ. हेमंत अग्रवाल, प्रबंधक (खनन), सीएमपीडीआई ने इस आयोजन की निर्बाध सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान एमएनडीबी, आईईआई के अध्यक्ष अभियंता प्रफुल्ल चंद्र तिवारी भी उपस्थित रहे।

सेमिनार का समापन सभी प्रतिभागियों और प्रायोजकों के योगदान के लिए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिनके प्रयासों से कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित हुई। इस सेमिनार में हुई चचाओं और परिणामों से भारत और उसके बाहर सुरक्षित, स्मार्ट और दीर्घकालिक खनन पद्धतियों को आगे बढ़ाने के लिए दिशानिर्देश तैयार होने की उम्मीद है।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

निविदा सूचना सं.: ईएल-जी-आरएनसी-ओटी-यार्डलाइट-24, दिनांक 03.01.2025, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य), दक्षिण पूर्व रेलवे, राँची द्वारा निविदा सूचना सं. ईएल-जी-आरएनसी-ओटी-यार्डलाइट-24, दिनांक 03.01.2025 के तहत ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं जिसके खुलने की निर्धारित तिथि 27.01.2025 को 16.00 बजे या उसके बाद है : **कार्य का संक्षिप्त विवरण/नाम:** हटिया में यार्ड लाइटिंग की उन्नति। **निविदा मूल्य:** रु. 45,73,073.04, **बयाना राशि/बोली प्रतिभूति :** रु. 91,500/-, **निविदा की अंतिम तिथि व समय:** 27.01.2025 को 16.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण: https:// www.ireps. gov.in** निविदा का विवरण वेबसाइट **http:// www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है। निविदाकार/बोलीदाता के पास क्लास-III डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट रहना चाहिए एवं आईआरईपीएस पोर्टल के अधीन पंजीकृत हों। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-निविदा में भाग ले सकते हैं। ई-निविदा प्रणाली में भाग लेते समय सभी संबंधित कागजात निविदाकार द्वारा निविदा कागजात के साथ अपलोड किए जाएं। (PR-980)

संक्षिप्त खबरें

40 वर्षीय युवक ने की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

बोकारो/बिभा संवाददाता। सेक्टर 4 जी के आवास संख्या 4111 मे एक 40 वर्षीय युवक ने पारिवारिक विवाद मे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। युवक की पहचान निशांत कुमार उरांव के रूप मे हुई है जो मूलतः गुमला जिले के घाघरा थाना क्षेत्र के बेती गांव का निवासी था मालूम हो की मृतक फिलहाल सेक्टर 4 थाना क्षेत्र के सेक्टर 4 जी के आवास संख्या 4111 मे अपने बड़े भाई दीपांश उरांव के साथ रहता था मृतक का भाई दीपांश ने बताया की वह अपने भाई निशांत पर घर छोड़कर गांव चला गया था जब आज पहुंचा तो अंदर से घर का दरवाजा बंद पड़ा था। खुलवाने पर उसने कोई रिस्पांस नहीं दिया तो दरवाजा खोल कर जब देखा गया तो वह पंखे से लटका हुआ था, जिसके बाद उसने घटना की सूचना पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के भाई के मुताबिक वह तनाव मे था चूंकि वह बेरोजगार था, इस कारण उसका विवाद मां से होते रहता था, मां आक्रोशित होकर कुछ दिनों से बहन के यहां रह रही है। वहीं थाना के दरोगा आवेन्द्र कुमार साव ने बताया की पुलिस जांच कर रही है।

पति पर लगाया पत्नी की हत्या करने का आरोप, जांच मे जुटी पुलिस

बोकारो/बिभा संवाददाता। बोकारो के चास मे एक महिला की पति द्वारा हत्या कर देने का मामला सामने आया है. हलांकि पुलिस इस मामले को लेकर हत्या एवं आत्महत्या मे उलझी हुई है लेकिन आरोप लगाने के बाद पुलिस ने पति को हिरासत मे ले लिया है. घटना चास थाना क्षेत्र के राणा प्रताप नगर की बताई जा रही है. मृतिका के ससुराल वालों के मुताबिक मृतिका ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है जबकि मृतिका की मां रतन सरकार ने बताया की मेरी बेटी मिताली शर्मा की शादी 13 वर्ष पूर्व राज कुमार शर्मा के साथ हुई थी, तबसे दामाद द्वारा बेटी के साथ मारपीट की जा रही थी, इस बीच दामाद का किसी लड़की से अफेयर हो गया। इसके बाद मेरी बेटी उसका विरोध कर रही थी जिसके कारण उसकी हत्या कर आत्महत्या का रूप दिया गया है. दामाद ने दो दिन पहले ही कहा था की अपनी बेटी को ले जाइये, लेकिन हम लोगों ने पारिवारिक पति पत्नी का विवाद मानकर ध्यान नहीं दिया. उन्होंने यह बताया की पहले भी विवाद हुई थी, जिसका सुलह चास थाना मे हुई थी.मृतिका की मां ने बताया कि आज उन्हें आत्महत्या की खबर दी गईं जब हमलोग जमशेदपुर से आये तो देखा कि बेटी का शव बिस्तर पर पड़ा हुआ है। उन्होंने दामाद पर हत्या करने का आरोप लगाया है।

तुपकाडीह में अवैध विदेशी शराब निर्माण स्थल पर उत्पाद विभाग ने की छापेमारी

बोकारो/बिभा संवाददाता। उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर सोमवार को सहायक आयुक्त उत्पाद बोकारो के मार्गदर्शन एवं निरीक्षक उत्पाद के पर्यवेक्षण में जिला उत्पाद टीम ने जरीडीह थाना क्षेत्र के तुपकीडीह में सुरेंद्र अग्रवाल के मकान में छापामारी किया। मकान से टीम ने 2 जार (40 लीटर) स्पिरिट एवं मकान के पिछे बने कमरे एवं कमरे के तहख़ाना से शराब बनाने की सामग्री जैसे विभिन्न ब्रांड के स्टीकर,खाली बोतल,विभिन्न ब्रांड के ढ़क्कन एवं झारखंड सरकार के नक़ली लोगो एवं 20 पेटी (180 लीटर) नकली विदेशी शराब जब्त किया। टीम ने मामले में संलिप्त अभियुक्तों पर उत्पाद अधिनियम की सूसंगत धाराओं के आधार पर अभियोग दर्ज किया जा रहा है। छापामारी दल में निरीक्षक उत्पाद विजय कुमार पाल, अवर निरीक्षक सदर सह तेनुघाट सन्नी विवेक तिर्की, अवर निरीक्षक बेरमो सह चंदपुरा महेश दास आदि उपस्थित थे।

बीएसएल में हुए प्रत्येक दुर्घटना को सभी अधिकारियों के एसीआर से जोड़ा जाय : बीएकेएस

बोकारो/बिभा संवाददाता। बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ ने , सेल चेयरमैन को पत्र लिखकर बोकारो इस्पात संयंत्र में हुई सभी प्राणघातक दुर्घटना की स्वतंत्र जाँच कराने के साथ साथ, दुर्घटना का जिक्र सभी वरिष्ठ अधिकारियों के वार्षिक गोपनिय रिपोर्ट में करने का माँग किया है । यूनियन ने अपने पत्र में लिखा है कि बोकारो इस्पात संयंत्र में लगातार औद्योगिक दुर्घटना, सड़क दुर्घटना तथा अन्य दुर्घटनाएँ हो रही है । जिसके कारण कई कार्मिको, ठेका कार्मिको को जान से हाथ धोना पड़ रहा है अथवा शारिरिक अपंगता का शिकार होना पर रहा है। औद्योगिक दुर्घटनाओ को रोकने के लिए संबंधित विभाग तथा उससे जुड़े पदाधिकारियों की जिम्मेदारी तय करना समय की माँग है। जिसके तहत दुर्घटना वाले विभाग /विभाग के अधिकारी तथा सुरक्षा से जुड़े अधिकारी समुह के वार्षिक गोपनिय रिपोर्ट (ACR) में प्रत्येक प्राणघातक दुर्घटना का जिक्र किया जाय। साथ ही प्रत्येक दुर्घटना के बाद ,संयंत्र से बाहर की स्वतंत्र जाँच टीम का सहयोग लिया जाय, जिसमे कम से कम आधे सदस्य सेल से बाहर के हो। स्वतंत्र जाँच टीम की रिपोर्ट को अक्षरशः लागु किया जाय, साथ ही जिम्मेदार पदाधिकारियों को डंडित भी किया जाय। यूनियन का मानना है कि जब संयंत्र के उत्पादन या अन्य क्षेत्रो में रिकॉर्ड बनने पर संबंधित विभागो तथा पदाधिकारियों को पुरस्कृत किया जाता है तथा उनके वार्षिक गोपनिय रिपोर्ट में बेहतर ग्रेडिंग दी जाती है तो दुर्घटना का जिम्मेदार भी उन्हे माना जाय । साथ ही दुर्घटना का रिपोर्ट छुपाने की जगह आम कर्मचारियों के साथ साझा करने का भी माँग यूनियन ने किया है। इससे आम कर्मचारियों में दुर्घटना रोकने हेतु जागरुकता आयेगा।

56 लाख महिलाओं को मुख्यमंत्री का तोहफा, खाते में पहुंचे 2500 रुपये

बिभा संवाददाता

बोकारो। रांची स्थित नामकुम के खोजाटोली आर्मी ग्राउंड में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड प्रदेश की महिलाओं को ये सौगात दी है।प्रदेश की 56 लाख 61 हजार 791 महिला लाभुको के खाते में दिसंबर माह के 2.5 हजार रुपये ट्रांसफर किए गए हैं। इस कार्यक्रम में बोकारो विधानसभा क्षेत्र से विधायक श्वेता सिंह भी शामिल हुई। श्वेता सिंह ने कहा कि इंडिया गठबन्धन की सरकार ने वादे के मुताबिक आज हजारों करोड़ रुपयों की सम्मान राशि झारखंड की बहनों के खाते में पहुंचाई है, लेकिन आज के इस भौतिकवादी युग में यह अभी भी चिंता का विषय है कि देश की आजादी के बाद कई नियम-नीतियां बनीं लेकिन न गरीबी दूर हुई और ना ही महिलाओं का सशक्तिकरण ही हो पाया। श्रीमती सिंह ने कहा कि देश की आधी आबादी तो हमेशा पिछड़ा रहने को विवश हुईं है, एक तरफ हम भारत को विश्व गुरु बनाने और ऊंचाई पर ले जाने का संकल्प लेते हैं और दूसरी तरफ आधी आबादी को दरकिनार करते हैं। जब इस देश की आधी आबादी विकास से कोसों दूर हो तो देश और राज्य कैसे विकास कर सकता है? यह हमारी समझ से परे है। झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना (JMMSY) की आवाज आज देश में हर जगह गूंज रही है।मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना के सृजन के पीछे का उद्देश्य यह है कि वर्षों से झारखंड प्रदेश में महिलाएं कर्ज के तले दबी हुई थी लेकिन वर्तमान समय में इस योजना के लाभ से धीरे धीरे कर्ज की जंजीरें टूट रही है और महिलाएं सशक्त होने लगी हैं और उनकी वित्तीय स्वतंत्रता भी समाज में सुनिश्चित हुई है जिससे कि समाज सबल और सुदृढ़ बन रहा है।

सेल एससी – एसटी इम्प्लाईज फेडरेशन, बोकारो यूनिट का विभागीय बैठक

बीएसएल के औक्सिलरी शॉपस में फेडरेशन ने सुमन और शंखों पर जताया भरोसा : शम्भु कुमार

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट के मशीन शॉप कैंटीन के रेस्ट रूम में आयोजित किया गया। बैठक का अध्यक्षता नबाननदेश्वर हेमबरम सचिव और संचालन लिलु सोरेन संयुक्त महासचिव ने किया। बैठक में विभाग के कर्मियों से संबन्धित मुद्दो पर चर्चा किया गया एवं उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यो के प्रस्ताव पर फेडरेशन का औक्सिलरी शॉपस विभाग में विभागीय समिति का गठन किया गया। समिति में सर्वसम्मति से सुमन पासवान (इआरएस) अध्यक्ष, रामराज सोरेन (स्टील फाउन्ड्री) उपाध्यक्ष, शंखों टुडू (आरसीएल) सचिव, सलाही मांझी (आक्सिजन प्लांट) संयुक्त सचिव, के के दास (सीइडी) कोषाध्यक्ष, नेलसन लकडा (आईएमएफ) उपकोषाध्यक्ष, रामजीत राम (मशीन शॉप), नरेंद्र छत्रीय (इसीएस) राजेश कुमार (मशीन शॉप) कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किए गए।

शम्भु कुमार बोकारो यूनिट अध्यक्ष सह सदस्य केन्द्रीय कमिटी ने औक्सिलरी शॉपस में समिति के गठन के पश्चात सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी और केन्द्रीय कमिटी द्वारा बोकारो यूनिट को एफिलीऐशन व सेल कॉर्पोरेट ऑफिस नई दिल्ली द्वारा बोकारो यूनिट अध्यक्ष शम्भु कुमार एवं महासचिव करतार सामंत को केन्द्रीय कमिटी में शामिल किए जाने का लेटर दिखाया। मान्यता का लेटर देखकर फेडरेशन के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने खुशी जाहिर किया एवं संकल्प लिया कि पूर्व की तरह भविष्य में भी प्लांट एवं कर्मचारी हित में कार्य करते रहेंगे और फेडरेशन को नई शिखर तक ले जाएंगे। इस अवसर पर मुख्य रूप से राकेश कुमार, बी आर सामंता, देवेश टुडू, माणिकराम मुंडा, आनंद कुमार रजक, ललित उरॉव, पंकज दास, अनिल कुमार, सी के एस मुंडा, सिद्धार्थ सुमन, राजीव तमुड़िया, मंतोष पासवान, लक्ष्मण छोरा, अरुण पासवान, विजय राम, अरबिन्द कुमार,सनातन रजक, कमल किशोर, बिरेन्द्र कपरदार, सुशील उरॉव, रंजीत पात्रा, संजय उरॉव, चमनलाल रजवार, संजय कुमार, बीनय तिर्की, प्रेमनाथ, शिवबहादुर राम, ए के भास्कर, सुनील कुमार, ज्योति कृष्णा नायक, सुरेश रजक, रंजीत बा, एल के दस, प्रदीप मरांडी, बिमल पासवान, सरद दास, बनवत महेंद्र, आशीष टुडू, रणधीर रंजन, समीर टुडू, एच एल रमन, डी दास, एच एल दास, जीवन दास, अनांत प्रसाद, झारी रविदास, डी नायक, सिकंदर टोपपो, पीताम्बर बाग, साधन मांझी आदि मौजूद रहे।

गुरु गोविंद सिंह का धूमधाम से मनाया गया प्रकाश उत्सव

बिभा संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ में गुरु गोविंद सिंह का धूमधाम से मनाया गया प्रकाश उत्सव। सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह जी का 358 वां जन्मदिवस मनाया गया। सर्व प्रथम गुरुद्वारा साहिब में हेड ग्रंथी बाबा गुरजीत सिंह द्वारा पाठ किया गया। बता दे कि दो दिन पूर्व गुरुद्वारा साहिब में अखंड पाठ का आरम्भ किया गया था। आज सुबह अखंड पाठ की समाप्ति हुई। दिल्ली से आए प्रसिद्ध रागी इंद्रजीत सिंह ने सब्द कीर्तन किया। वही आज प्रभात फ्री गुरुद्वारा साहिब से झंडा चौक वैष्णो देवी गली होते हुए गुरुद्वारा साहिब आई। आज की प्रभात फेरी खालसा क्रिकेट क्लब द्वारा की गई। गुरुद्वारा साहिब में निशान साहब का चोला बडला गया जिसकी सेवा स्वर्गीय करनैल सिंह सैनी के परिवार द्वारा की गई।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सिख श्रद्धालु उपस्थित हुए। रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब के हेड ग्रंथी बाबा गुरजीत सिंह ने गुरु गोविंद सिंह के जीवनी पर प्रकाश डाला। इन्होंने बताया कि गुरुगोविंद सिंह ने किस तरह से अपने कॉम के लिए संघर्ष किए। गुरुगोविंद सिंह का जन्म स्थान पटना साहिब में है, जहां हर साल देश विदेश से श्रद्धालु शामिल होते है। रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब में कार्यक्रम के पश्चात गुरु का लंगर बांटा गया। मौके पर प्रधान परमदीप सिंह कालरा, अमरजीत सिंह सैनी,हैप्पी छाबड़ा डॉ नरेंद्र सिंह सोनी जोगेंद्र सिंह जग्गी नरेंद्र सिंह चमन, रघुवीर सिंह छाबड़ा रमिंदर सिंह गांधी मनदीप सिंह गुरदीप सिंह सैनी,कुलवंत सिंह मारवाह, तेजेंद्र सिंह सोनी, मशहूर गायक सुरजीत सिंह छाबड़ा इकबाल सिंह, बबल छाबड़ा दलजीत सिंह किंगरा यश छाबड़ा, रसप्रीत सिंह जग्गी, जिगर छाबड़ा, रौनक, कमल जैसल, रणजीत सिंह, हरजीत सिंह, जसमीत कौर सोनी, बबली सोनी, सोमा जस्सल शामिल हुए।

विश्व व्यापार संगठन हमारे देश में पूंजी तो देना चाहती है परंतु श्रमिक नहीं लेना चाहते : ओझा

बिभा संवाददाता

बोकारो। स्वदेशी वस्तु एक आरंभ है देश को महान बनाने का। स्वदेशी मेला अपने आप में यह विशिष्ट मिला है। जो राष्ट्र को प्रति लोगों में जागृति की भावना लाती है। उपरोक्त कहना है स्वदेशी जागरण मंच के पूर्व राष्ट्रीय संयोजक एवं अर्थ चिंतक अरुण ओझा का वह यहां के सेक्टर 4 स्थित मजदूर मैदान में मंच द्वारा आयोजित 10 दिवसीय स्वदेशी मेला के उद्घाटन में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि देशभर में सबसे ज्यादा प्रदेशों में मेला लगाए जा रहे हैं। जिसमें 50 प्रदेशों में मेला लग चुके है। श्री ओझा ने कहा कि ट्रंप के जीतने का मुख्य कारण उनका दिया हुआ नारा मेगा है। मेक अमेरिका ग्रेट अमेरिका के नारे ने ट्रंप को जिताया है। विश्व व्यापार संगठन हमारे देश में पूंजी लाना चाहते है परंतु श्रमिक नहीं लेना चाहते। वहीं मुख्य अतिथि बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक कार्मिक एवं प्रशासनिक श्रीमती राजश्री बनर्जी ने कहा कि इस मेले से पूरे भारत का दर्शन करने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि यह मेला स्वावलंबन व सशक्तिकरण का प्रतीक है। जबकि विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक वीरांची नारायण ने कहा कि यह स्वदेशी मेला नहीं वरन स्वदेशी क्रांति है। यह क्रांति का दिया जिस दिन बुझा उस दिन देश गर्त में चली जाएगी । उन्होंने कहा कि 2014 के बाद श्रर्देय ठेंगरी जी के प्रेरणा से स्वदेशी जागरण मंच ने चीनी वास्तु के बहिष्कार का जो आंदोलन चलाया वह आज साक्षात देखने को मिल रहा है। इसके पूर्व आगत अतिथियों ने सर्वप्रथम भारत माता की प्रतिमा पर पुष्पर्जन कर मेले का शुभारंभ हुआ। अतिथियों का स्वागत मंच के कार्यकर्ताओं ने अंग वस्त्र देकर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर संघचालक रंजीत बरनवाल ने किया संचालन अजय चौधरी ने किया । विषय प्रवेश मेला संयोजक ब्रिजेश कुमार सिंह ने किया। वही धन्यवाद ज्ञापन प्रमोद कुमार सिन्हा ने किया। वक्ता के रुप में क्षेत्रीय संयोजक अमरेंद्र कुमार सिंह मौजूद रहे।

बोकारो के पत्रकार दीपेंद्र प्रभंजन का निधन, पत्रकारिता जगत में शोक

बिभा संवाददाता

बोकारो। दैनिक अख़बार के बोकारो प्रभारी, दीपेंद्र प्रभंजन का सोमवार को 4:15 बजे बोकारो जनरल अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। परिजनों ने बताया की बताया पिछले कुछ दिनों से बीमार थे और अस्पताल के क्रिटिकल केयर यूनिट में इलाजरत थे। सोमवार को अचानक तबियत ज़्यादा बिगड़ गई और उनका निधन हो गया. बता दे की दीपेंद्र प्रभंजन अपने सरल स्वभाव और बेहतरीन पत्रकारिता के लिए जाने जाते थे। उनके निधन से पत्रकारिता जगत में शोक की लहर है। ख़बर सुनते ही बोकारो के पूर्व विधायक बिरंची नारायण, जेएलके एम के केंद्रीय प्रवक्ता विजय सिंह, प्रदेश महामंत्री मो. शमसुद्दीन सहित विभिन्न राजनीती दल के नेता पहुँचे साथ साथी पत्रकारों ने बीजीएच पहुंच कर परिजनों को ढाढ़स बंधया

पत्रकारों ने ईश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिवार को इस कठिन समय में धैर्य और सहनशक्ति दे।

शहर के पत्रकार शम्भू पाठक, अरविन्द सिंह, बी के पांडेय, धनंजय प्रताप, राममूर्ति, दिव्य खरे, अजय सिंह, सुरेंद्र कुमार, राणा रंजीत, मृतुन्जय शर्मा, चूमन कुमार, दिनेश पाण्डेय, अमरनाथ पोद्दार, बसंत मधुकर, मनीष सिंह,नितेश वर्मा,सजीव कुमार, कैलाश गोस्वामी, हेमंत विश्वकर्मा, कृष्णा चौधरी, मनोज शर्मा, अजीत कुमार,मुकेश झा, सुरेंद्र सावंत, दीपक कुमार, किनकर कृष्णा सहित अन्य कई पत्रकारो ने संवेदना व्यक्त की।

सरस्वती शिशु मंदिर उच्च विद्यालय बिजूपाड़ा के छात्र छात्राएं उडीसा के लिए रवाना

चान्हो। प्रखंड अंतर्गत सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बिजूपाड़ा के 30 भईया- बहन का दल सोमवार को शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना हुआ। विद्यालय के संयुक्त सचिव बबिता सिंह ने उन्हें रवाना किया। प्रधानाध्यापक नीरज कुमार तिवारी के नेतृत्व में विज्ञान शिक्षक के साथ प्राकृतिक व जैव विविधता का अध्ययन करने के उद्देश्य से शैक्षणिक भ्रमण के लिए सभी रवाना हुए। प्रधानाध्यापक ने बताया कि शैक्षणिक भ्रमण शिक्षा के सैद्धांतिक ज्ञान को प्रायोगिक रूप में साक्षात्कार करने का एक सर्वोत्तम तरीका है। यह शैक्षणिक पाठ्यक्रम का एक हिस्सा है। वे इस उद्देश्य के निहित उड़ीसा के विभिन्न स्थानो का भ्रमण करेंगे।

भारतीय वायु सेना ने अग्निवीर वायु पदों के भर्ती के लिए अधिसूचना जारी

बिभा संवाददाता

बोकारो। अग्निवीर वायु भर्ती के लिए उम्मीदवार 07 से 27 जनवरी तक भारतीय वायु सेना की वेबसाइट पर लॉग इन कर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। भारतीय वायु सेना में नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए खुशी की खबर है। अग्निपथ योजना के तहत भारतीय वायुसेना ने अग्निवीर वायु पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की है। इच्छुक उम्मीदवार 7 जनवरी 2025 से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए अभ्यर्थी भारतीय वायुसेना की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर फॉर्म भर सकते हैं।

आवेदन की प्रक्रिया 07 जनवरी 2025 से 27 जनवरी 2025 की रात 11 बजे तक जारी रहेगी।

कैसे करें आवेदन

- सबसे पहले उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट agnipathvayu.cdac.in पर जाएं।
- अब होमपेज पर आवेदन लिंक पर क्लिक करें।
- इसके बाद सभी आवश्यक विवरण भरें और आवेदन पत्र जमा कर दें।
- अंत में भविष्य के संदर्भ के लिए आवेदन पत्र का एक प्रिंट आउट ले लें।

इसके लिए वायु सेना ने आयु सीमा साढ़े 17 से 21 वर्ष तक रखी है।

12वीं पास युवक-युवती जिन्हें गणित, भौतिकी व अंग्रेजी में कुल औसत अंक 50 फीसदी और अंग्रेजी में 50 फीसदी अंक होगा। वे इसके लिए योग्य होंगे।

सलेक्शन लिखित परीक्षा और फिजिकल टेस्ट के आधार पर होगा। पहले चरण में लिखित परीक्षा 22 मार्च 2025 से ऑनलाइन मोड में आयोजित की जाएगी। परीक्षा की तारीख से 24-72 घंटे पहले अभ्यर्थियों को ईमेल के जरिए एडमिट कार्ड भेजा जाएगा। परीक्षा में निगेटिव मार्किंग भी होगी।

वहीं, दूसरे चरण में शारीरिक दक्षता और मेडिकल जांच की जाएगा। पुरुष अभ्यर्थियों को 1.6 किमी दौड़ 7 मिनट में पूरी करनी होगी। जबकि महिला अभ्यर्थियों को 1.6 किमी दौड़ 8 मिनट में पूरी करनी होगी।

बोकारो में डीसी का आदेश बेअसर, बिना हेलमेट के पेट्रोल नहीं देने का था निर्देश

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो मे डीसी का आदेश बेअसर है, डीसी ने बोकारो के सभी पेट्रोल पम्पो के संचालको को बिना हेलमेट वाले वाहन संचालको को पेट्रोल नहीं देने का आदेश दिया है, वतौर उनके आदेश को पंप पर लिखवा भी दिया गया है लेकिन यह आदेश केवल लिखवाने तक सिमटा है. बोकारो के उषा पेट्रोल पंप का जब हमारा संबाददाता ने खबर बनाना शुरू किया तो प्रबंधक भड़क गया तथा कुछ भी बताने से इंकार कर दिया. मालूम हो की डीसी ने सड़क दुर्घटनाओ मे हो रहे इजाफा, मृत्यु दर मे हो रही बढ़ोतरी के कारण यह कदम उठाया है. वर्तमान मे सड़क सुरक्षा सप्ताह चलाये जा रहे है, लाखों रूपये खर्च किये जा रहे है लेकिन आदेश का अनदेखी करने वालों के खिलाफ कोई करवाई नहीं होती है।

संक्षिप्त खबरें

भारतीय जनता पार्टी में बढ़ चढ़कर लोगों ने लिया भाग : मनीर उरांव

लोहरदगा/बिभा संवाददाता। सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के द्वारा जिले के कोर्ट कंपाउंड अधिवक्ता भवन में सदस्यता अभियान चलाया गया। सदस्यता अभियान मे बढ़ चढ़कर लोगों ने भाग लिया। मौजूद भाजपाइयों ने कहा कि सदस्यता अभियान एक महापर्व अभियान के तरह मनाया जा रहा है जिसमें लोगों से संपर्क कर भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता ग्रहण कराया जा रहा है। सदस्य बनने के लिए 8800002024 डायल करें। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष मनीर उरांव, भारतीय जनता पार्टी के लोहरदगा नगर अध्यक्ष सचिन कुमार साहू,भाजपा नेता रिपु सूदन, नगर प्रभारी नवीन कुमार टिंकू, अभियान सहसंयोजक अशोक कसकर, भाजपा नेता चंदन गोयल, प्रभ्रुद्ध प्रकोष्ठ के संयोजक अनिल पांडे, देवाशीष कर, तरुण देवघरिया सहित अन्य उपस्थित थे।

कड़ाके की ठंड में जरुरतमंदों के बीच किया गया कम्बल वितरण

लोहरदगा/बिभा संवाददाता। जिले के सदर प्रखण्ड अंतर्गत रघुटोली में कड़ाके की ठंड से निजात पाने के लिए गरीब, असहाय और जरूरतमंदों के बीच कम्बल का वितरण किया गया। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लोहरदगा के सचिव राजेश कुमार, हिंडाल्को सीएसआर प्रमुख के नीरज कुमार व हिंडाल्को लीगल विभाग के अनिल कुमार पाठक उपस्थित रहे। वहीं डालसा सचिव राजेश कुमार ने बताया कि शहरी क्षेत्र और विभिन्न पंचायतों में हिंडाल्को लिमिटिड कंपनी के माध्यम से प्राप्त 500 कंबल का वितरण जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लोहरदगा द्वारा किया जा रहा है। डालसा कार्यालय अंतर्गत विभिन्न थानों, ब्लॉकों, पंचायतों, सदर अस्पताल, जेजेबी, सीडब्ल्यूसी, सखी वन स्टॉप सेंटर में प्रतिनियुक्ति पीएलवी के माध्यम से लोगों के बीच कम्बल का वितरण किया जा रहा है। साथ ही न्यायिक पदाधिकारियों के द्वारा भी क्षेत्र भ्रमण कर लोगों को ठंड से बचने के लिए कंबल का वितरण किया जा रहा है। वहीं डालसा सचिव ने कहा कि ठंड काफी बढ़ गई है। ऐसे में आप अपना अच्छे से ख्याल रखें। ठंड से बचने का प्रयास करें। अनावश्यक घर के बाहर नहीं निकालें। मौके पर पीएलवी गौतम लेनिन, मंजू खाखा, रोहित कुमार, शाहिद हुसैन, अजहर अहमद सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बाईक ने ट्रक को पीछे से मारी टक्कर एक युवक की दर्दनाक मौत, एक घायल

खूँटी/बिभा संवाददाता। खूँटी राँची टाटा मार्ग तैमारा घाटी में टाटा से राँची जा रही ट्रक को एक तेज रफ़्तार दो बाईक सवार ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी की बाईक चालक युवक की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गयी और पीछे बैठा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान बिनोद मुण्डा, खूँटी जिला के अड़की के डोरेया गांव के निवासी के रूप में हुयी। वही घायल महेश्वर मुण्डा, तमाड़ के मुरलीडीह निवासी है। घायल को प्रशासन की मदद से एंबुलेंस से बुंडू ट्रामा सेंटर ईलाज के लिये भेजा। जहाँ घायल का ट्रामा सेंटर से प्राथमिक उपचार कर बेहतर उपचार के लिये रिम्स रांची रेफर किया गया। घटना के बाद चालक ट्रक को लेकर मौके से फरार हो गया। दशम फॉल थाना की पुलिस ने शव को क़ब्जे में लेटर शव का पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

तोरपा व सयको थाना प्रभारियों का एसपी ने किया स्थानांतरण

तोरपा/बिभा संवाददाता। 2018 बैच के पुलिस अवर निरीक्षक मुकेश कुमार हेंब्रोम को तोरपा थाना का नया थानेदार बनाया गया है। खूँटी एसपी अमन कुमार ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। तोरपा थाना के निवर्तमान थाना प्रभारी प्रभात रंजन पांडे को सयको थाना का प्रभारी बनाया गया। मुकेश कुमार इससे पूर्व सायको थाना के प्रभारी के पदस्थापित थे। थाना प्रभारी बनाए जाने के बाद तोरपा में मुकेश कुमार हेंब्रोम ने पत्रकारों को बताया कि थाना क्षेत्र के लोगों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्य करेंगे।क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना पहली प्राथमिकता है। थाना प्रभारी ने जनता को अपने कामों के लिए स्वयं मिलने का अपील किया है। साथ ही क्षेत्र में गैर कानूनी कार्य करने वालों ने लोगों पर विधिसम्मत् कार्रवाई करने की बात कही।

सड़क हादसे में बाइक सवार तीन लोग घायल

मांडर/बिभा संवाददाता। एन- एच 39 मुख्य पथ पर स्थित मांडर थाना के निकट सोमवार दोपहर लगभग 12:30 बजे हुई एक सड़क हादसे में बाइक पर सवार तीन लोग घायल हो गए। घायलों में रंजीत मुंडा 28 वर्ष, रीना देवी 34 वर्ष व कनिका देवी 22 वर्ष शामिल हैं। मिली जानकारी के अनुसार पिठोरिया के बाढ़ू बरवाटोली का रंजीत मुंडा बाइक में अपनी दो बहनों रीना देवी व कनिका देवी को लेकर चान्हो जा रहा था, इसी दौरान उक्त स्थान के निकट काफी तेज गति से उनके पीछे से आ रहे दूसरे बाइक सवार कठचांचो निवासी राहुल एक्का ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में सभी सड़क पर गिरकर घायल हो गये। प्रशासन की मदद से तीनों को मांडर रेफ़रल अस्पताल पहुँचाया गया जहाँ प्राथमिक इलाज के बाद तीनो को रिम्स रेफर कर दिया गया।

खूँटी : एक वर्ष में सड़क हादसों में 123 की मौत जबकि 53 लोगों ने की आत्महत्या

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिले में वर्ष 2024 में हुई सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों ने एक ओर जहाँ प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है, वहीं समाज के लिए भी ये आँकड़े डरावने लगने लगे हैं। 2024 में खूँटी जिले में 123 से अधिक लोगों ने वाहन दुर्घटना में अपनी जान गंवाई है। जिले में जितनी मौतें हार्ट अटैक, कैंसर जैसी घातक बीमारियों से नहीं होती, उससे कहीं अधिक मौतें सड़क हदसों में हो रही है। बढ़ती जा रही सड़क दुर्घटनाएँ अब चिंता का विषय बन गई हैं। सड़क दुर्घटना में ज़्यादातर बाइकर्स हैं। वहीं युवकों की संख्या ज्यादा है। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जिला स्तर पर सड़क सुरक्षा समिति का गठन भी किया गया है। हर बार बैठक में सड़क हादसों को रोकने के उपायों पर चर्चा होती है और कुंछ कार्य भी किये जाते हैं, पर हादसों का आँकड़ा घटने का नाम नहीं ले रहा है।

शराब का सेवन और बिना हेलमेट चलना सबसे बड़ा कारण

खूँटी जिले में सड़क हादसे में मरने वालों में सबसे अधिक संख्या दो पहिया वाहन सवार लोगों की है। समाज के अधिकतर लोगों का मानना है कि शराब का सेवन कर और बिना हेलमेट के दो पहिया वाहन और बिना सीट बेल्ट के चार पहिया वाहन चलाना हादसों में मौत का सबसे बड़ा कारण है। लोग अधिकतर शराब पीकर वहन चलाते है और नियंत्रण खो देते हैं।इसको लेकर पुलिस द्वारा समय-समय पर अभियान चलाया जाता है, लेकिन कोई प्रभाव दिखता नहीं। पुलिस द्वारा एंटी अल्कोहल जांच की जाती है, बेथ एनालाइजर से वाहन चालकों की जाँच की जाती है और शराब पीकर वाहन चलाते पकड़े जाने पर कार्रवाई भी की जाती है। इसके अलावा सड़कों पर बने बड़े-बड़े गड्ढे भी सड़क हादसों का दावत देते है।। अचानक ब्रेक लगाने के चक्कर में वाहन अनियंत्रित हो जाता है। साथ ही आधे-अधूरे सड़क निर्माण, यातायात नियमों का उल्लंघन, गलत पार्किंग, सार्वजकनक सुरक्षा के लिए चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। खूँटी विधायक राम सूर्या मुण्डा ने कहा कि शराब का सेवन कर अथवा नशे की हालत में वाहन परिचालन सड़क दुर्घटना का प्रमुख कारक है। वहीं रमेश मांझी ने बताया कि युवाओं में तेजगति परिचालन लोगों की जान ले ले रहा है। लोयला कॉलेज के प्रिंसिपल विमल मिंज ने कहा कि विद्यार्थियों को वाहन देकर स्कूल कॉलेज भेजते हैं इससे बचना चाहिए। इससे कई बच्चों की जान चली गयी है कई लोग घायल हो गये हैं। उन्होंने कहा कि अभिभावकों को भी इस ओर ध्यान देना चाहिए। भाजपा नेता संतोष जयसवाल ने कहा कि नशापान कर और बिना हेलमेट के वाहन चलानेवालों पर पुलिस कड़ाई करें, तो हादसों में काफी कमी आ सकती है।

कोरोना बाद से बढ़ते मामले समाज के लिए चिंताजनक

एक ओर जहाँ सड़क हादसों में 123 लोगों की मौत ने चिंता बढ़ा दी है, वहीं जिले में आत्महत्या के आँकड़े भी कम नहीं हैं। 2024 में जिले में 53 से अधिक लोगों ने आत्महत्या कर ली। इनमें सबसे अधिक संख्या युवाओं की है। जो कि खूँटी जिले के लोगों में तनाव और विक्षुब्धता के कारण लोग आत्महत्या कर जाते हैं । वहीं एक वर्ष में 53 लोगों की आत्महत्या के मामले आये हैं जो चिंताजनक हैं। इस आत्महत्या के पीछे कई जटिल कारण हैं। इनमें मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षणिक दबाव, सामाजिक और आर्थिक समस्याएँ, नशापान, घरेलू हिंसा आदि प्रमुख हैं। परीक्षा में सफलता का अधिक दबाव छात्र-छात्राओं के आत्महत्या की प्रवृत्ति को ढकेलते हैं। खूँटी के सिविल सर्जन डॉ नागेश्वर मांझी कहते हैं कि गरीबी, बेरोजगारी, सामाजिक भेदभाव पारिवारिक तनाव, परीक्षा का दबाव के अलावा युवाओं के बीच इंटरनेट के उपयोग में हो रही उल्लेखनीय वृद्धि भी है आत्महत्या के कारण बनता जा रहा है।

जिला स्तरीय कार्यशाला-सह-मत्स्य गोष्ठी का आयोजन

प्रत्येक पंचायत में मछली पालन को प्रोत्साहित करने के लिए ब्रांड एम्बेस्डर नियुक्त होंगे : निदेशक

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिले के मत्स्य कार्यालय के परिसर में सोमवार को जिला स्तरीय कार्यशाला-सह-मत्स्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। वहीं झारखंड के मत्स्य पालन निदेशक ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का उद्घाटन किया। मौके पर निदेशक ने किसानों को वैज्ञानिक तरीके से मछली पालन अपनाने के लिए प्रेरित किया और कहा कि प्रत्येक पंचायत में मछली पालन को प्रोत्साहित करने के लिए ब्रांड एम्बेस्डर नियुक्त किए जाएंगे। उन्होंने खूँटी जिले को मछली उत्पादन में अव्वल बनाने का लक्ष्य रखा और बताया कि जिले में 23 जलाशयों के 5000 हे. क्षेत्र में मछली पालन की अपार संभावनाएँ हैं।

निदेशक ने बताया कि जिले के लगभग 4500 मत्स्य पालकों का नेशनल फिशरीज डिजीटल प्लेटफॉर्म पर निबंधन करना आवश्यक है ताकि वे मत्स्य विभाग की योजनाओं का लाभ ले सकें। इसके लिए किसान निकटतम प्रज्ञा केन्द्र या सेंटर में निबंधन करा सकते हैं।

कार्यशाला में उप निदेशक मत्स्य, श्री अमरेन्द्र कुमार ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य मत्स्य बीज उत्पादन के लिए फीड बैंक की स्थापना करना और किसानों को योजनाओं में निबंधन के लिए प्रेरित करना है। नाबार्ड की जिला विकास प्रबंधक शिवानी कुमारी ने किसानों को ऋत प्राप्त करने और कार्यशील पूँजी जुटाने के बारे में जानकारी दी। सहायक मत्स्य निदेशक रेवती हाँसदा ने किसानों को अबंदोबस्त तालाबों का उपयोग मछली पालन हेतु करने का सुझाव दिया।

कार्यक्रम में जिला परियोजना समन्वयक संजय कुमार ने मछली पालन के साथ अन्य कृषि गतिविधियों में सहयोग की जानकारी दी। कार्यक्रम में कई किसानों ने अपने अनुभव साझा किए। विशाल परिधिया (ग्राम जरिया, कर्रा), अंजली कुमारी (तोरपा), गायश्री कुमारी (ग्राम गुटजोरा, रंगीन मछली पालन), लील मोहन बड़ाईक (ग्राम अलौंदी, मत्स्य बीज उत्पादक), अनिशा संगा (ग्राम डुमरगड़ी, कर्रा), प्रेमानंद मछुवा (ग्राम सिन्दरी, अड़की) समेत अन्य किसानों ने सरकारी तालाबों के जीर्णोद्धार और नए नर्सरी तालाबों के निर्माण के प्रस्ताव प्रस्तुत किए। उल्लेखनीय है कि जिले में 100 से अधिक केज स्थापित किए गए हैं, जिससे मछली उत्पादन में वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष जिले का कुल मछली उत्पादन 5700 मीट्रिक टन रहा। विभागीय योजनाओं के मार्गदर्शन में तालाब निर्माण और योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में 200 से अधिक किसान और जिला मत्स्य कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ढोल वादिका हेमली को मिला है कई अचीवमेंट, सरकार से है मदद की आस

बिभा संवाददाता

सिल्ली। राजधानी रांची से 67 किमी दूर सुदूर ग्रामीण क्षेत्र गेडेवीर सिल्ली में एक गरीब परिवार में जन्मी हेमली कुमारी पारंपरिक राष्ट्रीय ढोल वादिका झारखंड के कल्चरल का कई एक प्रोग्राम कर चुकी हूं। हेमली ने कला उत्सव के क्षेत्र में 2020-21 में पूरे भारत देश में पारंपरिक ढोल वादक के माध्यम से द्वितीय स्थान प्राप्त की है। अपने पारंपरिक ढोल एवं संगीत के माध्यम से जगन्नाथ महोत्सव प्रमाण पत्र 2024, सांसद सांस्कृतिक महोत्सव प्रथम पुरस्कार 2023 स्थान आर्यभट्ट सभागार रांची, झारखंड शिक्षा परियोजना रांची जिला स्तरीय कला उत्सव 2019 प्रथम स्थान, झारखंड शिक्षा परियोजना रांची राज्य स्तरीय अंतर विद्यालय कला उत्सव 2019 तृतीय स्थान, ग्रीनहब सेंट्रल इंडिया भोपाल 15 -16 जुलाई 2023 झारखंड कल्चरल रिप्रेजेंट, झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची राज्य स्तरीय अंतर विद्यालय कला उत्सव 2018 प्रथम पुरस्कार, प्रतिभा दर्शन महोत्सव लगाम सिल्ली रांची झारखंड 2023, कला उत्सव नेशनल सर्टिफिकेट द्वितीय स्थान 2021, राजकीय छऊ नृत्य कला केंद्र सरायकेला खरसावां झारखंड 2022 एवं स्वर्णरेखा महोत्सव में पार्टिसिपेट कर प्रशस्ति पत्र प्राप्त कर चुंकी है। हेमली का कहना है कला संस्कृति को जीवित रखना मेरे जीवन का एकमात्र उद्देश्य है जिसके लिए मैं दिन-रात प्रयास कर रही हूं परंतु आर्थिक स्थिति के वजह से मैं कमजोर हो जा रही हूं, हम जैसे कलाकारों के लिए सरकार आर्थिक रूप से कुछ सहयोग करती तो और बेहतर प्रदर्शन कर पाती।

राजकीय मध्य विद्यालय डहेकला के खेल मैदान को बेचने का ग्रामीणों ने किया विरोध

बिभा संवाददाता

खूँटी। कर्रा प्रखंड के डहकेला स्थित राजकीय मध्य विद्यालय के खेल मैदान को बेचे जाने का विद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और ग्रामीणों ने कड़ा विरोध किया है। खेल मैदान को बेचने के विरोध में सोमवार को ग्रामीणों की बैठक खेल मैदान में आयोजित की गई। बैठक में विद्यालय के प्रधानाध्यापक सहित कई शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि 1949 ईस्वी में जरियागढ़ के तत्कालीन राजा ठाकुर महेंद्र नाथ शाहदेव ने विद्यालय के नाम पर चार एकड़ 59 डिसमिल जमीन दान दे चुके हैं। जिसमें ही विद्यालय और खेल मैदान है। ग्रामीणों ने कहा कि स्कूल मैदान बचने के विरोध में आठ जनवरी को उसी स्थान पर ग्रामीणों की विशाल सभा आयोजित की जायेगी और मैदान को बचाने के लिए आगे की रणनीति बनाई जायेगी। मौके पर, प्रधानाध्यापक संजय एरियल कंडुलना ने बताया कि 1949 ई से खेल मैदान पर विद्यालय का ही कब्जा है। वहीं विद्यालय में होनेवाले किसी भी तरह का आयोजन उसी मैदान में किया जाता है। उन्होंने कहा कि 1990 के बंडा पर्चा में भी इसका जिक्र है। उन्होंने कहा कि 1949 से 1975 तक विद्यालय का संचालन आदिम जाति सेवा मंडल द्वारा किया जाता था। 1975 से इसका सरकारीकरण हुआ।

मान्हू गाँव में जलमीनार का हुआ आधा-अधूरा निर्माण, ग्रामीण परेशान

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिले में जलमीनार खराब होने से कई गाँव के लोग परेशान हैं। जिसमें ग्रामीणों का आरोप है कि जलमीनार तो खड़ा हो हुआ पर जनहित में ग्रामीणों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। इसी क्रम में बिरहु पंचायत के मान्हु गाँव का सोलर जलमीनार का 2022 ई. निर्माण तो हुआ पर संवेदक के द्वारा किया गया कार्य पूरा न तो पूरा हुआ और न ही अच्छी तरह से बन पाया। जिसके कारण लोगों को चापाकल व कुआं से पानी ले जाना पड़ता है। वहीं ग्रामीणों में नाराजगी है और लोग आक्रोशित भी हैं। उनका कहना है कि जलमीनार तो है लेकिन खराब क्वालिटी का टंकी नहीं लगाने से टंकी 1 साल भी नहीं टिक पाया और फट गया। वहीं ठेकेदार ने गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं किया जिसका परिणाम यह हुआ कि जलमीनार का सदुपयोग जनता नहीं कर पा रही है। मान्हु गाँव की ग्रामीण प्रतिमा संगा बतायी कि सोलर जलमीनार बनाने वाला ठेकेदार जब गाँव में आया था तब ही घर तक पाइप ले जाने के लिए बार-बार कहा गया लेकिन उसने आज तक पाइप और टेप नल नहीं लगाई। केवल आश्वासन देता रहा और वर्षों बीत गया। मगदली संगा ने कहा कि पहले किसी तरह थोड़ा थोड़ा हमारे घर में पानी जल मीनार से आता था पर अब एक भी पानी नहीं आता है। हमें चापाकल से पानी लाना पड़ता है अगर यह बन जाता तो दिक्कत नहीं होती। सानिया सांगा बतायी कि ना बरसात में पानी घर तक आता है ना गर्मी में। अगर सोलर प्लेट या कोई चीज खराब है तो बढ़िया वाला लगाना चाहिए। नहीं तो कोई उपाय करने की आवश्यकता है जो अभी कुछ ग्रामीण के लिए बेकार रह गया है।

सरिता देवी ने बतायी कि यह सोलर जलमीनार को ठेकेदार बहुत ही घटिया किस्म का बनाया है। जहाँ तहाँ पाइप इधर-उधर बिछाया और सोलर जलमीनार गाड़ने के लिए कह रहे थे। लेकिन अपनी मर्जी से यहाँ जलमीनार बना गया है। किसी-किसी के घर में पानी आ रहा है लेकिन बहुतायत घरों में पानी नहीं आ पा रहा है। जिसके कारण हम सभी को काफी परेशानी हो रही है। जिला परिषद सदस्य सह कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सुशील सांगा ने बताया कि सरकार योजना तो दी गयी, लेकिन ठेकेदारों व पदाधिकारी बंदरबाँट करके रख दिए हैं । केवल मान्हू गाँव ही नहीं बल्कि जिले के अनेक जल मीनार इसी प्रकार ठेकेदारों की मनमानी से बनाया गया है। और जैसे तैसे खराब क्वालिटी का सामान देकर बनाने से लगभग सारा सोलर जलमीनार खराब हो गया है। इस बात को बैठक में उठाये जाते हैं तो अभियंता केवल आश्वासन देकर टाइम पास करते हैं। कांग्रेस के जिला सचिव सयुम अंसारी ने कहा कि यहाँ योजनाओं का बंदरबाँट किया जा रहा है। केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना है सोलर जलमीनार से नल से घर तक जल पहुँचाना। लेकिन इसका समुचित लाभ लोगों को नहीं मिल पा रहा है।

मजदूरों को उनका हक दिलाना हमारा नैतिक जिम्मेदारी है : सुखदेव भगत

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। सोमवार को पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत हिंडालको द्वारा संचालित लोहरदगा अनलोडिंग परिसर में ट्रक अनलोडर मजदूर संघ का एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता अनिल उरांव ने किया ।इस कार्यक्रम में लोहरदगा लोकसभा के सांसद सह कोयला ,इस्पात एवं खनन मंत्रालय लोकसभा के स्थायी समिति के सदस्य सुखदेव भगत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे ।मौके पर मजदूरों ने अपनी समस्याओं से सांसद को अवगत कराते हुए उन्हें न्याय दिलाने एवं मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने की मांग किए। मौके पर उपस्थित मजदूरों को संबोधित करते हुए सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि वह मजदूरों के द्वारा आयोजित आंदोलन में वह उनके साथ हैं क्योंकि हिंडालको कंपनी ने दोहरे चरित्र को अपनाते हुए मजदूरों के ऊपर शोषण करने का काम किया है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा ।सांसद ने कहा कि सैकड़ो ट्रक अनलोडर मजदूर विगत 17 वर्षों से यहां काम करते आ रहे हैं और हिंडाल्को कंपनी बिन मजदूरों को सूचना दिए एवं रोजगार उपलब्ध कराए बगैर दो माह से अलोडिंग स्टेशन को बंद कर दिया है जिसके कारण हजारों मजदूर प्रभावित हुए हैं। मजदूरों के समझ भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है। मजदूर अपने बच्चों की फीस की राशि नहीं दे पा रहे हैं ।देश के निर्माण में मजदूरों का बहुत बड़ा योगदान होता हैऔर हिंडाल्को मजदूरों के साथ अन्याय कर रही है जो न्याय संगत नहीं है। कंपनी प्रदूषण को लेकर अगर ट्रकों का परिचालन बंद किया है तो रोपवे से भी प्रदूषण होगा ।हिंडाल्को के दोहरे नीति से हजारों मजदूरों का रोजगार समाप्त हो गया। कंपनी को हर हाल में मजदूर का वैकल्पिक व्यवस्था कर ही अनलोडिंग स्टेशन को बंद करना चाहिए था ।किसी भी कंपनी को रोजगार उपलब्ध कराना होता है ना कि रोजगार छिनना। सांसद ने कहा कि पीठ में लात मारोगे तो चलेगा लेकिन पेट में लात मारोगे तो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा ।सांसद ने मजदूरों को भरोसा दिलाया कि वे आपके आंदोलन एवं सुख-दुख में आपके साथ हैं और हिंडाल्को कंपनी से वे रोजगार दिलवाने का प्रयास करेंगे और अगर जरूरत पड़ा तो मुख्यमंत्री एवं श्रम मंत्री से भी वार्ता करेंगे ।सांसद मजदूरों के साथ रोपवे स्थल पर गए जहां 10 दिन पूर्व रोपवे का 22 ट्रॉली गिर गया था। सांसद ने रोपवे का निरीक्षण करते हुए कहा कि लोहरदगा जिलावासी सौभाग्यशाली रहे की हादसा में किसी का जान माल का नुकसान नहीं हुआ ।हिंडालको प्रशासन के लापरवाही से यह घटना घटी है क्योंकि इसे अब चलाने के लिए प्राइवेट कंपनी को दे दिया गया है ।इस घटना का दोषीवर हिंडालको कंपनी है और जिला प्रशासन का लापरवाही है जो इस मामला को संज्ञान में लेकर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं किया है। मौके पर प्रेमचंद महतो, मनोज सोन तिर्की ,विनोद उरांव, रवि महली, प्रदीप उरांव, बुद्धिमान टोप्पो, ननका अंसारी ,रूपा उरांव, फूलमनी उरांव सुधा उरांव ,बिमला उरांव धर्मदेव उरांव , आलोक कुमार साहू, शाहिद अहमद बेलू ,अनिल कुमार, साजिद अहमद ,कुणाल अभिषेक, रवि रोशन बेक राजू कुरैशी ,अनवर अंसारी रितेश सिंह सहित सैकड़ो की संख्या में मजदूर उपस्थित थे।

तार चोरी के आरोपी सनाउल्लाह को भेजा जेल

तोरपा। चोरी की विद्युत आपूर्ति के एल्युमिनियम तार के साथ गिरफ्तार एक आरोपी को जेल भेज दिया गया है। पकड़े गए आरोपी बसिया थाना क्षेत्र के किन्दिरकेला मोरेंग निवासी सनाउल्लह खान पिता लुकमान खान के रूप में है। इस संबंध में तोरपा पुलिस ने बताया तार चोरी कर भागने के दौरान कूल्डा जंगल से गिरफ्तार किया गया। साथ मे जंगल मे रखे कई बंडल चोरी के तार को भी बरमाद किया गया। एसआई अमरेंद्र मंडल ने बताया कि कामडारा व तोरपा कर्रा व रनिया के कई जगहों से तार चोरी किया हुआ था।

उर्मि से बरामद शव की हुई पुष्टि, की गई हत्या के विरुद्ध जाँच में जुटी पुलिस

बिभा संवाददाता

तोरपा। तोरपा थाना क्षेत्र के उर्मि गाँव के नजदीक सड़क के किनारे विगत 4 जनवरी शनिवार को बरामद अज्ञात युवक शव का पहचान कर ली गई है। युवक राँची जिला के नामकुम थाना क्षेत्र के ब्यागडीह गाँव निवासी पौधा मुंडा बताया गया। युवक का तस्वीर देखकर पहचान होने पर पौधा के परिजन तोरपा थाना पहुँचकर पुलिस से संपर्क किया। तोरपा पुलिस हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने को लेकर छापामारी अभियान चला रही है। साथ ही मृतक का मोबाइल का भी तलाश कर रही है।

संपादकीय

डिजिटली भुगतान : फायदे और जोखिम

देश में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का उदय परिवर्तनकारी रहा है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में यूपीआई लेनदेन 11.5 बिलियन (26.9 लाख करोड़) से अधिक हो गया। दो थर्ड पार्टी ऐप प्रोवाइडर्स फोन-पे और गूगल-पे के बीच बाजार का संकेन्द्रण यूपीआई लेनदेन के 80 फीसद से अधिक को नियंत्रित करता है।यह चिंता का विषय है। निश्चिततौर पर यूपीआई के चलन ने डिजिटली भुगतान में क्रांति ला दी है। अगस्त 2024 में यूपीआई के माध्यम से 20.60 लाख करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन हुआ। यह भारत के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में इसके व्यापक महत्व को दर्शाता है। इसकी खास बात यह है कि यूपीआई यूजर को इसके लिए कोई शुल्क नहीं देना पड़ा। यही बात इसके पक्ष में जाती है। यूपीआई का लागत मुक्त मॉडल ग्रामीण भारत तक पहुंच गया है। इसने छोटे विक्रेताओं, व्यवसायों और उद्यमियों को सशक्त बनाया है। स्ट्रीट वेंडर, छोटे व्यापारी और किराना स्टोर भी अब डिजिटली भुगतान स्वीकार करने के लिए यूपीआई का उपयोग करते हैं। यूपीआई ने पहले से बैंकिंग सेवाओं से वंचित आबादी को औपचारिक वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में प्रभावी रूप से लाकर वित्तीय समावेशन को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लाखों ग्रामीण और वंचित भारतीय यूपीआई के माध्यम से महत्वपूर्ण डिजिटली वित्तीय सेवाओं तक पहुंचने में सक्षम हुए हैं। यूपीआई ने सरकारी सेवाओं के साथ एकीकृत एक सुरक्षित, विश्वसनीय और सुविधाजनक प्लेटफार्म प्रदान करके निश्चिततौर पर महत्वपूर्ण काम किया है पर दो थर्ड पार्टी ऐप प्रदाताओं के बीच बाजार एकाग्रता महत्वपूर्ण जोखिम पैदा करती है। कुछ खिलाड़ियों की उच्च बाजार एकाग्रता महत्वपूर्ण प्रणालीगत जोखिम पैदा करती है।उदाहरण के लिए अगर फोन-पे या गूगल-पे में अचानक कोई तकनीकी खराबी आ जाती है तो इससे 80 फीसदी तक यूपीआई लेनदेन बाधित हो सकता है। इससे राष्ट्रीय स्तर पर व्यवधान और घबराहट पैदा हो सकती है।दो प्रमुख खिलाड़ियों के वर्चस्व वाला बाजार स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में बाधा डालता है। यह नवाचार भुगतान सेवाओं के विकास को हतोत्साहित करता है। फोन-पे और गूगल-पे की बाजार में जबरदस्त मौजूदगी ने पेटीएम के छक्के छुड़ा दिए हैं। विदेशी स्वामित्व वाले टीपीएपी का प्रभुत्व डेटा सुरक्षा, उपयोगकर्ता गोपनीयता और भारतीय नागरिकों की संवेदनशील वित्तीय जानकारी तक संभावित पिछले दरवाजे से पहुंच से संबंधित जोखिम पेश करता है।

कॉपी पेस्ट की जकड़न में आज की जेनरेशन

लेखक

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

> साालाना माड्यूलर सर्वेक्षण-2024 में यह सामने आया है कि युवा पीढ़ी डेटा, सूचना, दस्तावेजों आदि के लिए इंटरनेट की शरण में चले जाते हैं और वहां पर जो मिलता है उसी को कॉपी पेस्ट कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेते हैं। इस सर्वेक्षण के अनुसार देश में उत्तराखंड के युवा सबसे आगे हैं और उत्तराखंड के करीब 66 फीसदी युवा कॉपी पेस्ट के सहारे काम चला रहे हैं। बिहार दूसरे क्रम पर हैं। यहां के 60 प्रतिशत युवा कट पेस्ट के सहारे ही काम चला रहे हैं। उत्तर प्रदेश के 56 फीसदी युवा कट पेस्ट का सहारा ले रहे हैं।

आज की जेनरेशन शार्टकट और कॉपी पेस्ट से आगे नहीं निकल पा रही है। इंटरनेट, मोबाइल, कम्प्यूटर और सोशियल मीडिया ने नई जेनरेशन को सीमित दायरे में कैद करके रख दिया है। नई पीढ़ी में से अधिकांश युवा कुछ नया करने, नया सोचने, नई दिशा खोजने के स्थान पर गूगल गुरु या इसी तरह के खोजी ऐप के सहारे आगे बढ़ने लगे हैं। तकनीक का विकास इस तरह से सोच और समझ को सीमित दायरे में लाने का काम करेगा, यह तो सोचा ही नहीं था। आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस तो इससे भी एक कदम आगे है। इसमें कोई दोराय नहीं कि तकनीक सहायक की भूमिका में हो तो वह आगे बढ़ने में सहायक हो सकती है पर तकनीक का जिस तरह से उपयोग होने लगा है वह ज्ञान और समझ को भोथरा करने में ही सहायक सिद्ध हो रहा है। यही कारण है कि आज की पीढ़ी से कोई भी सवाल करो तो वह उसका उत्तर गूगल गुरु या इसी तरह के प्लेटफार्म पर तलाशती है। हालांकि सूचनाओं का संजाल जिस तरह से इंटरनेट पर उपलब्ध है निश्चित रूप से वह आगे बढ़ाने में सहायक है पर आज की पीढ़ी उसी तक सीमित रहने में विश्वास करने लगी है। जिस तरह से एक समय परीक्षाएं पास करने के लिए वन डे सीरीज और मॉडल पेपर का दौर चला था ठीक उसी तरह से किसी भी समस्या का हल, किसी भी जानकारी को प्राप्त करने के लिए इंटरनेट को खंगालना आम होता जा रहा है। चंद मिनटों में एक नहीं अनेक लिंक मिल जाते हैं और कई बार तो समस्या यहां तक हो जाती है कि इसमें कौन सा लिंक अधिक सटीक है, यह समझना मुश्किल हो जाता

है। दरअसल इस तरह की जानकारी से तर्क क्षमता के विकास या विश्लेषक की भूमिका नगण्य हो जाती है। युवा समझने लगता है कि नेट पर इतनी जानकारी है तो फिर किताबों के पन्ने पलटने से क्या लाभ? इसका एक दुष्परिणाम किताबों से दूरी को लेकर साफ-साफ देखा जा सकता है।

सालाना माड्यूलर सर्वेक्षण-2024 में यह सामने आया है कि युवा पीढ़ी डेटा, सूचना, दस्तावेजों आदि के लिए इंटरनेट की शरण में चले जाते हैं और वहां पर जो मिलता है उसी को कॉपी पेस्ट कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेते हैं। इस सर्वेक्षण के अनुसार देश में उत्तराखंड के युवा सबसे आगे हैं और उत्तराखंड के करीब 66 फीसदी युवा कॉपी पेस्ट के सहारे काम चला रहे हैं। बिहार दूसरे क्रम पर हैं। यहां के 60 प्रतिशत युवा कट पेस्ट के सहारे ही काम चला रहे हैं। उत्तर प्रदेश के 56 फीसदी युवा कट पेस्ट का सहारा ले रहे हैं। यह समझने की जरूरत है कि बौद्धिक विकास या तार्किकता की पहली शर्त अध्ययन होती है।

सबसे बड़ी समस्या यही है कि आज का युवा पढ़ने-पढ़ाने से दूर होता जा रहा है। उससे लिए गूगल गुरु ही पूजनीय है। ऐसे में युवाओं के समग्र बौद्धिक विकास की बात करना बेमानी है। सोशल मीडिया में भी शार्टकट मैसेज का चलन इस कदर बढ़ गया है कि कई बार तो शार्टकट मैसेज को डिकोड करने में ही पसीने आ जाते हैं। इस समय सोशल मीडिया पर डब्ल्यूटीएफ का चलन जोरों से पर है। डब्ल्यूटीएफ का सीधा अर्थ है क्या मजाक है। इसका प्रयोग चीन से आ रही डरावनी बीमारी की खबरों में किया जा रहा है। आने वाली पीढ़ी को गंभीर और चिंतनशील बनाना है तो उसे कट पेस्ट के दुनिया से बाहर लाना होगा। कट पेस्ट से नहीं अध्ययन-मनन से व्यक्तित्व निखरता है।

सांस्कृतिक परम्पराओं के बीच भारत का मजबूत होता अर्थतंत्र

लेखक

प्रहलाद सबनानी

आर्थिक क्षेत्र में प्रगति की दृष्टि से भारत की अपनी विशेषताएं हैं, जो अन्य देशों में नहीं दिखाई देती हैं। उदाहरण के लिए भारत में आयोजित होने वाले धार्मिक आयोजनों एवं मेलों आदि में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं द्वारा न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से इन मेलों/कार्यक्रमों में भाग लिया जाता है बल्कि इन श्रद्धालुओं द्वारा इन स्थानों पर किये जाने वाले खर्च से स्थानीय स्तर पर व्यापार को बढ़ावा देने एवं रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित करने में भी अपना योगदान दिया जाता है। इसी प्रकार, धार्मिक पर्यटन भी केवल भारत की विशेषता है। प्रतिवर्ष करोड़ों परिवार धार्मिक स्थलों पर, विशेष मुहूर्तों पर, पूजा अर्चना करने के लिए इकट्ठा होते हैं। जम्मू में माता वैष्णोदेवी मंदिर, वाराणसी में भगवान भोलेनाथ मंदिर, अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर, उज्जैन में बाबा महाकाल मंदिर, दक्षिण में तिरुपति बालाजी मंदिर आदि ऐसे श्रद्धास्थल है जहां पूरे वर्ष भर ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है।

प्रत्येक तीन वर्षों के अंतराल पर आयोजित होने वाले कुम्भ के मेले में भी करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु ईश्वर की पूजा-अर्चना हेतु प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक एवं उज्जैन में पहुंचते हैं। शीघ्र ही 14 जनवरी से लेकर 26 फरवरी तक प्रयागराज में महाकुम्भ मेले का आयोजन किया जा रहा है। महाकुम्भ की 44 दिनों की इस इस पूरी अवधि में प्रतिदिन एक करोड़ श्रद्धालुओं के भारत एवं अन्य देशों से प्रयागराज पहुंचने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है, इस प्रकार, कुल मिलाकर लगभग 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालुगण उक्त 44 दिनों की अवधि में प्रयागराज पहुंचेंगे। करोड़ों की संख्या में पहुंचने वाले इन श्रद्धालुगणों द्वारा इन तीर्थस्थलों पर अच्छी खासी मात्रा में खर्च भी किया जाता है। इससे विशेष रूप से स्थानीय अर्थव्यवस्था को तो बल मिलता ही है, साथ ही करोड़ों की संख्या में देश में रोजगार के नए अवसर भी निर्मित होते हैं एवं होटल उद्योग, यातायात उद्योग, पर्यटन से जुड़े व्यवसाय, स्थानीय स्तर के छोटे छोटे उद्योग एवं विभिन्न उत्पादों के क्षेत्र में कार्य कर रहे व्यापारियों के व्यवसाय में भी अतुलनीय वृद्धि होती दिखाई देती है।

इसी प्रकार, भारत में विवाहों के मौसम में सम्पन्न होने वाले विवाहों पर किए जाने वाले भारी भरकम खर्च से भी भारतीय अर्थव्यवस्था को बल मिलता है। वर्ष 2024 के मध्य नवम्बर से मध्य दिसम्बर के बीच भारत में 50 लाख विवाह सम्पन्न हुए हैं। उक्त एक माह की अवधि के दौरान सम्पन्न हुए इन विवाहों पर भारतीय परिवारों द्वारा 7,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि का खर्च किया गया है। जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में सम्पन्न हुए विवाहों पर 5,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि का खर्च किया गया था। उक्त वर्णित 50 लाख विवाहों पर औसतन प्रति विवाह 14,000 डॉलर, अर्थात लगभग 13 लाख रुपये की राशि खर्च की गयी है एवं 50,000 विवाहों पर तो एक करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च की गयी है। भारत में प्रति विवाह होने

वाला औसत खर्च, परिवार की औसत प्रतिवर्ष की कुल आय का तीन गुना एवं देश में औसत प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के 5 गुना के बराबर रहता है।

भारत में विवाहों पर पूरे वर्ष में कुल 13,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का खर्च किया जाता है जो चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। चीन में प्रतिवर्ष विवाहों पर 17,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर का खर्च किया जाता है। ऐसी उम्मीद की जा रही है कि आगामी वर्ष में भारत, विवाहों पर किए जाने वाले खर्च की दृष्टि से चीन को पीछे छोड़कर पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ जाएगा। भारत में प्रति वर्ष एक करोड़ विवाह सम्पन्न होते हैं। भारत में सर्दियों के मौसम को विवाहों का मौसम कहा जाय तो कोई अतिशयोक्ति नहीं हैं क्योंकि पूरे वर्ष भर में सम्पन्न होने वाले विवाहों में से लगभग 50 प्रतिशत विवाह सर्दियों के मौसम में ही सम्पन्न होते हैं। भारत में विवाहों पर होने वाले भारी भरकम राशि के कुल खर्च में से प्रीवेडिंग फोटोग्राफी, वेडिंग फोटोग्राफी, पोस्टवेडिंग फोटोग्राफी पर लगभग 10 प्रतिशत की राशि का खर्च किया जाता है। विवाह के स्थान के चयन एवं साज सज्जा पर वर्ष 2023 में 18 प्रतिशत की राशि का खर्च किया गया था, जो वर्ष 2024 में बढ़कर 26 प्रतिशत हो गया है क्योंकि भारतीय परिवारों द्वारा विवाह अब अन्य शहरों यथा गोवा, पुष्कर, उदयपुर एवं केरला जैसे स्थानों पर सम्पन्न किया जा रहे हैं। खानपान आदि पर कुल खर्च का लगभग 10 प्रतिशत भाग खर्च किया जा रहा है। म्यूजिक आदि पर लगभग 6 प्रतिशत की राशि का खर्च किया जा रहा है। इसी प्रकार, ज्वेलरी, ऑटो बाजार एवं सोशल मीडिया आदि पर भी अच्छी खासी राशि का खर्च किया जाता है। इससे, उक्त समस्त क्षेत्रों में रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित होते हैं। अतः भारत में विवाहों के मौसम में होने वाले भारी भरकम राशि के खर्च से देश के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर को तेज करने में सहायता मिलती है।

हाल ही में सम्पन्न हुए विवाहों के मौसम में भारतीय परिवारों द्वारा किए गए खर्च के चलते अब ऐसी उम्मीद की जा रही है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 की तृतीय तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर को गति मिलेगी जो द्वितीय तिमाही में गिरकर 5.2 प्रतिशत के स्तर पर आ गई थी। विनिर्माण क्षेत्र एवं सेवा क्षेत्र में विकास दर अधिक रहने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। बंग्लादेश में राजनैतिक अस्थिरता के चलते रेडीमेड गार्मेंट्स के क्षेत्र में विनिर्माण इकाईयां बंद हो रही हैं एवं वैश्विक स्तर पर रेडीमेड गर्मेंट्स के क्षेत्र में कार्यरत सप्लाई चैन की इकाइयां बांग्लादेश के स्थान पर अब भारत से निर्यात को प्रोत्साहित कर रही हैं। जिससे भारत में रेडीमेड गर्मेंट्स एवं फूटवीयर उद्योग में कार्यरत इकाईयों को इन उत्पादों को अन्य देशों को निर्यात करने के ऑर्डर लगातार बढ़ रहे हैं।

उक्त कारकों के चलते भारत में परचेसिंग मैन्युफैक्चरिंग इंडेक्स नवम्बर 2024 माह के 58.6 से बढ़कर वर्तमान में 60.7 हो गया है। इस इंडेक्स के ऊपर जाने का आश्य यह है कि विनिर्माण के क्षेत्र में गतिविधियों में गति आ रही है। इसके साथ ही उपभोक्ता मूल्य सूचकांक भी 6.21 प्रतिशत से घटकर 5.48 प्रतिशत पर नीचे आ गया है, अर्थात, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रा स्फीति की दर भी नियंत्रण में आ रही है, जिससे आगे आने वाले समय में नागरिकों की खर्च करने की क्षमता में वृद्धि होगी। हाल ही के वर्षों में विनिर्माण उद्योग, सेवा क्षेत्र एवं गिग अर्थव्यवस्था में रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित हुए हैं और वर्ष 2005 के बाद से इस वर्ष विभिन्न कम्पनियों द्वारा सबसे अधिक नई भर्तियां, रिकार्ड स्तर पर, की गई हैं। इस सबके साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा फरवरी 2025 माह में मोनेटरी पॉलिसी में रेपो दर में कमी किए जाने की प्रबल सम्भावना बनती दिखाई दे रही है क्योंकि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रा स्फीति की दर अब नियंत्रण में आ रही है। इस वर्ष भारत में मानसून का मौसम भी बहुत अच्छा रहा है एवं विभिन्न फसलों की बुआई रिकार्ड स्तर पर हुई है जिससे इन फसलों की पैदावार भी रिकार्ड स्तर पर होने की सम्भावना है।

राशिफल

मेष – जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी।

वृष – श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं।

मिथुन – समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा।

कर्क – परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं।

सिंह – जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें।

कन्या – व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा।

तुला – पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी।

वृश्चिक – महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें।

धनु – स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे।

मकर – अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा।

कुंभ – कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी।

मीन – शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है। अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा।

आकाशवाणी : सांस्कृतिक जागरण का विश्वसनीय माध्यम

लेखक

रमेश शर्मा

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं।)

> संपूर्ण विश्व भारत के सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों की ओर आकर्षित हो रहा है । परंपराओं के प्रति अपनत्व का भाव जाग्रत करने में आकाशवाणी की भूमिका महत्वपूर्ण रही है । अंग्रेजीराज में आकाशवाणी ने भारत की क्षेत्रीय और आँचलिक विविधता पर जो कार्यक्रम प्रसारित किए, सतही तौर पर तो वे केवल मनोरंजन के लगते थे लेकिन उन प्रसारणों से भारतीय समाज जीवन में अपनी परंपराओं के प्रति आत्मविश्वास जागा और वही अब स्वत्व चेतना का आधार बना।

निसंदेह आधुनिक भारत में आज सोशल और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की व्यापकता से आकाशवाणी का आकर्षण प्रभावित हुआ है। लेकिन जन सामान्य के बीच आकाशवाणी का महत्व कम नहीं हुआ है। आकाशवाणी ने भारत की साँस्कृतिक विशेषताओं और विविधता को प्राथमिकता तब भी दी थी जब भारत स्वतंत्र नहीं था । इस विशेषता को जानकर ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी ₹मन की बात₹ के लिए आकाशवाणी को प्राथमिकता दी और आधुनिकता के कुछ नए आयाम जोड़े। स्वतंत्रता के बाद भारत ने अपनी आधुनिक यात्रा आरंभ की । नए भारत के निर्माण में उन संस्थाओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है जिन्होंने स्वतंत्रता के पूर्व भी जन सामान्य के बीच भारत की साँस्कृतिक महत्ता जीवन्त रखी। इनमें आकाशवाणी की भूमिका महत्वपूर्ण है । आकाशवाणी ने भविष्य की दीवार पर उभरते चित्रों को देखकर साँस्कृतिक जागरण का कार्य आरंभ कर दिया था। आकाशवाणी ने भारत की सांस्कृतिक विविधता और विशेषता जो कार्यक्रम प्रसारित किए उससे सामाज में अपनी संस्कृति और परंपराओं के प्रति आत्मविश्वास का जागरण हुआ। यही जाग्रति पहले स्वतंत्रता संग्राम में जन भागीदारी और अब भारत राष्ट्र के स्वत्व जागरण का माध्यम है। यह भारतीय समाज जीवन में स्वत्व और सांस्कृतिक चेतना की जाग्रति ही तो है कि आज भारत पुनः अपने खोए हुए परम वैभव को प्राप्त करने की ओर बढ़ रहा है। संपूर्ण विश्व भारत के सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों की ओर

आकर्षित हो रहा है । परंपराओं के प्रति अपनत्व का भाव जाग्रत करने में आकाशवाणी की भूमिका महत्वपूर्ण रही है । अंग्रेजीराज में आकाशवाणी ने भारत की क्षेत्रीय और आँचलिक विविधता पर जो कार्यक्रम प्रसारित किए, सतही तौर पर तो वे केवल मनोरंजन के लगते थे लेकिन उन प्रसारणों से भारतीय समाज जीवन में अपनी परंपराओं के प्रति आत्मविश्वास जागा और वही अब स्वत्व चेतना का आधार बना। आकाशवाणी ने समय के साथ अपने के प्रसारणों की विविधता में निरंतर वृद्धि की। भारत का कोई क्षेत्र, कोई भाषा और कोई स्थानीय बोली ऐसी नहीं जिसमें आकाशवाणी के कार्यक्रम प्रसारित न होते हों। आज 23 भाषाओं और 146 बोलियों में आकाशवाणी के कार्यक्रम प्रसारित होते हैं। राष्ट्र, समाज और जीवन का ऐसा कोई विषय नहीं जिसे आकाशवाणी ने अपने प्रसारण में शामिल न किया हो । प्रत्येक विषय को व्यापक बनाया । साहित्य में गीत, कविता, कवि गोष्ठी, लघुकथा, व्यंग, कहानी, एकांकी आदि सब प्रसारित हुए । भारत के प्रमुख साहित्कारों की जीवनी, लेखन शैली तथा कृतियों से परिचित कराया । बदलते मौसम की विशेषता और उसका स्वास्थ्य पर पड़ने वाला प्रभाव, बीमारियां और बीमारी से बचने के उपाय विशेषज्ञों की वार्ताओं के माध्यम से समझाये, इसमें केवल मनुष्य ही नहीं पालतू पशु पक्षि संरक्षण के कार्यक्रम भी प्रसारित होते हैं। किस मौसम में कौनसी फसल, फल सब्जी, उपज बढ़ाने के तरीके, यदि कीट पतंगों से फसलों के नुक्सान की आशंका हो तो किसानों को सलाह भी दी गई। छात्र, युवा, महिला, किसान आदि सभी वर्ग समूह केलिये कार्यक्रम और समय निर्धारित किए। आज भले समाज जीवन में सोशल मीडिया व्यापक हो रहा है, रोज नए न्यूज चैनल सामने आ रहे हैं। इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया की इस व्यापकता से आकाशवाणी का विषय जनचर्चा में तो कम हुआ है लेकिन उसकी विश्वसनीयता और गुणवत्ता में कोई अंतर नहीं आया है। विश्व में सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र होने की स्पर्धा में अग्रणी भारत के साठ प्रतिशत से अधिक लोगों के जीवन में आज भी आकाशवाणी ही उपयोगी है । सुदूर ठेट ग्रामीण क्षेत्रों, कस्बों और पर्वतीय अँचल में बसी बस्तियों में सूचना या समाचार ही नहीं मनोरंजन और स्थानीय समस्याओं के समाधान के उपाय जानने का माध्यम आकाशवाणी ही है। आकाशवाणी केवल मनोरंजन या सनसनी फैलाने वाले समाचारों से ₹टीआरपी₹ बढ़ाने की जुगत में नहीं रहती। वह भारत की संस्कृति और स्थानीय एवं क्षेत्रीय विशेषताओं से पूरे भारत को परिचित कराने की महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है । प्रधानमंत्री मोदी ने आकाशवाणी के इस महत्व को समझा। इसीलिए उन्होंने अपनी ₹मन की बात₹ के प्रसारण के लिये आकाशवाणी को माध्यम बनाया। प्रधानमंत्री मोदी भारत को संसार के विकसित राष्ट्रों की पंक्ति में अग्रणी बनाने का संकल्प लेकर कार्य कर रहे हैं। उनका चिंतन व्यापक और बहुआयामी है । उनकी प्राथमिकताओं से यदि चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भारतीय यान पहुंचा है, आधुनिक आयुध निर्माण में आत्मनिर्भर होने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। संसार के आधुनिकीकरण की इस स्पर्धा के साथ संसंद सीढ़ियों को दंडवत, नए संसद भवन में संगोल की स्थापना साँस्कृतिक परंपराओं का सशक्तिकरण है । मोदी उन परंपराओं और विधाओं का संरक्षण भी कर रहे हैं जिनसे भारत की पहचान है । उनकी इन्ही प्राथमिकताओं में से एक आकाशवाणी भी है । अब देश के बीस राज्यों के 91 स्थानों पर 100 वाट की क्षमता के लो पॉवर एफएम ट्रांसमीटर स्थापित हो गए हैं। इससे आकाशावाणी के ट्रांसमीटरों के नेटवर्क की संख्या 524 से बढ़कर 615 हो गई है। विषय कोई भी हो वह मनोरंजन का हो या शिक्षा, साहित्य, स्वास्थ्य, कृषि, युवा, महिला, लोक संस्कृति, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के किसी सामयिक विषय या घटनाओं का हो । इससे संबंधित संगोष्ठियों और अपने प्रसारण के अन्य स्वरूप में आकाशवाणी सदैव क्षेत्रीय भाषा और स्थानीय बोली का ही समावेश करती है । इससे स्थानीय एवं विषय से संबंधित जन मानस अपनी आत्मीयता अनुभव करता है । देश के सुदूर पर्वतीय और वन क्षेत्र की बस्तियों में केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा लिए गए निर्णयों की जन सामान्य तक जानकारी पहुंचाने का भी आकाशवाणी महत्वपूर्ण साधन है । इसको प्रधानमंत्री र मोदी की "मन की बात" के प्रसारण से समझा जा सकता है । आकाशवाणी के माध्यम से ही प्रधानमंत्री की मन की बात जन जन तक पहुंची।परिणामस्वरूप इससे संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन में कीर्तिमान बना । स्वतंत्रता के बाद जन कल्याण की अनेक योजनाएं बनीं। लेकिन क्रियान्वयन का जो कीर्तिमान मोदी के स्वच्छता अभियान, हर घर नल, हर घर शौचालय, आयुष्मान कार्ड, उज्ज्वला योजना आदि का बना वैसा इससे पहले किसी का नहीं। इसका कारण मोदीजी द्वारा ₹मन की बात₹ में बार बार इन योजनाओं को दोहराना है । आकाशवाणी ने केवल मन की बात के ₹सीधे₹ प्रसारण के बाद अपना कर्तव्य पूरा नहीं कर लिया । अपितु उनमें वर्णित योजनाओं एवं बिन्दुओं पर विशेषज्ञों के साथ विमर्श भी किया । यही कारण है कि इन योजनाओं का क्रियान्वयन उन क्षेत्रों में भी देखने को मिला जहां समाचारपत्र अथवा टेलीविजन की पहुंच नहीं है।

बच्चों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के ये हैं बेस्ट तरीके

हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं।

क्रिएटिविटी एक ऐसी चीज है, जो आपको जीवन में और बेहतर बनाता है। हालांकि यह एक गलत धारणा है कि रचनात्मकता एक जन्मजात प्रतिभा है। इसमें आप खूब सारे आइडियाज और इमेजिनेशन का यूज करते हैं और कुछ शानदार आर्ट के साथ आते हैं। हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं। अपने बच्चों को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए कैसे प्रोत्साहित करें यह हर मां-बाप सोचता है।

सीनियर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट कहती हैं, 'बच्चों को नई चीजों को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्हें उन चीजों के बारे में बताएं और वो चीजें करने के लिए प्रेरित करें, जो उनकी स्कूल करिकुलम का हिस्सा न हों। उनके साथ डॉक्यूमेंट्री देखें और उनसे डॉक्यूमेंट्री के बारे में पूछें।' आइए एक्सपर्ट से जानें कि बच्चों को और किन तरीकों से प्रेरित किया जा सकता है।

बच्चों को सवाल पूछना सिखाएं

बच्चों में रचनात्मक सोच विकसित करने का एक मेन तरीका यह है कि उन्हें हमेशा सवाल करते रहने के लिए प्रेरित करें। जब भी आप उनके साथ समय बिता रहे हों तो उनसे सवाल पूछें। जैसे आप उनसे छोटे-छोटे सवाल कर सकते हैं। ऐसे में उनके मन में जिज्ञासा बनेगी और वह नई चीजों के बारे में समझने की कोशिश करेंगे। इससे उनके कल्पनाशील कौशल में वृद्धि होगी और समस्या को सुलझाने की क्षमता विकसित होगी।

अच्छी डॉक्यूमेंट्रीज दिखाएं

एक शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री स्टोरी स्टूडेंट्स की लिटरेसी को सोर्स, स्वयं से और दुनिया से जुड़ाव के साथ बढ़ाने में मदद करती है। यह न केवल दुनिया को समझने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि हमारे आसपास कई चीजों को समझने का भी एक अच्छा तरीका है। अपने बच्चों के साथ कोई भी डॉक्यूमेंट्रीज देखें तो उसकी चर्चा करें। उन्होंने इससे क्या सीखा और क्या समझा जानने की कोशिश करें।

उनके साथ क्विज और पजल खेलें

क्विज और पजल जैसे गेम बच्चों के दिमागी विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पजल आपके बच्चे की समस्या-समाधान और क्रिटिकल थिंकिंग स्किल को विकसित करती हैं, जो बाद में जीवन में अन्य स्किल की महारत के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। पजल्स बच्चों को पैटर्न रिकग्निशन, मेमोरी और ग्रॉस और फाइन मोटर स्किल दोनों में मदद कर सकती हैं। इसलिए उनके साथ पजल खेलें।

आउटडोर गेम खिलाएं

अपने बच्चों को घर में रहने के लिए ही न कहें। उन्हें बाहर निकालें और कई फन एक्टिविटीज में उन्हें शामिल होने के लिए कहें। बच्चों के साथ आउटडोर गेम्स खेलें। ऐसे में उनकी एक्सरसाइज भी होगी और वे कुछ नया भी सीखेंगे। आप उन्हें तैराकी करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। किसी गेम में जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि जैसे खेलों में शामिल होने के लिए कह सकते हैं।

सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाएं

अपने बच्चों सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाना भी बहुत जरूरी है। उन्हें पशु आश्रयों और वृद्धाश्रमों जैसी जगहों पर ले जाएं और स्वयं सेवा का महत्व सिखाएं। जब बच्चे ऐसा करेंगे तो वह औरों के प्रति भी सेंसेटिव अप्रोच रखने में सक्षम होंगे। ऐसी जगहों पर वे महत्वपूर्ण सामाजिक और भावनात्मक कौशल सीख सकेंगे और साथ ही समाज में भी योगदान दे सकेंगे।

नींद में न करें लापरवाही

इन सबके बाद सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपका बच्चा पूरी और अच्छी नींद ले। अच्छी नींद का मतलब है कि उसके दिमाग को बेहतर आइडियाज उत्पन्न करने के लिए और नई चीजों पर काम करने के लिए समय मिलेगा। इनोवेटिव आइडियाज तभी आएंगे जब उसके दिमाग को शांति मिलेगी। बाकी एक्टिविटी के साथ उसकी नींद का भी पूरा ध्यान दें।

घर में लगाएं ये फूल तनाव होगा दूर, भीनी-भीनी खुशबू से आएंगी जीवन में खुशियां

आजकल के भागदौड़ भरे जीवन में सुकुन के दो पल चुराना बेहद मुश्किल हो गया है। बिजी लाइफ स्टाइल की वजह से लोग अक्सर तनाव में रहते हैं। ऐसे में इस तनाव को दूर करने के लिए अधिकतर लोग शहर से दूर बाहर किसी हिल स्टेशन पर जाना पसंद करते हैं। लेकिन हर कोई टेंशन कम करने के लिए हिल स्टेशन नहीं जा सकते हैं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप तनाव में रहें।

आप जीवन की टेंशन को घर में ही कम कर सकते हैं। आपके दिमाग में भी यहीं सवाल आया होगा कि कैसे टेंशन कम होगी? घबराइए मत हम आपकी सारी उलझन को दूर कर देंगे। इस लेख में हम आपको कुछ फूल के बारे में बताएंगे, जो आपके घर में खुशियां लेकर आएंगे। साथ ही यह फूल घर के साथ-साथ जीवन को भी महका देंगे।

चमेली

फूल न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाते हैं बल्कि घर का वातावरण भी शुद्ध होता है। ऐसे में आप अपने घर में चमेली के फूल का पौधा लगा सकते हैं। चमेली का फूल अक्सर हर घर में मिल जाता है। इस फूल से पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके घर को खुशनुमा माहौल देगी। कहा जाता है कि चमेली का पौधा लगाने से घर में खुशियां आती हैं।

कमल

हिंदू धर्म में कमल का फूल बेहद खास माना जाता है। यह फूल मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय है। कहा जाता है कि इस फूल को लगाने से घर में लक्ष्मी और सुख-समृद्धि आती है। घर में इस पौधे को लगाना बेहद शुभ माना जाता है।

मोगरा का फूल

ऐसा कहा जाता है कि घर में मोगरा पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा कम हो जाती है। मोगरे के फूल गर्मियों के मौसम में खिलता है। इस फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके तनाव को कम कर देंगे। मोगरा के फूल की खुशबू से घर आपके मन को तरोताजा कर देगी।

गुलाब

गुलाब का फूल न केवल दिखने में खूबसूरत है बल्कि यह फूल औषधीय गुण से भरपूर है। गुलाब की खुशबू तनाव को दूर करने में मदद करती है, साथ ही इससे रिश्ते की मिठास बनी रहती हैं।

चम्पा

चम्पा फूल को लगाने से घर का वातावरण शुद्ध होता है। हल्के पीले और सफेद रंग के ये चम्पा के फूल बहुत ही खूबसूरत होते हैं। इस फूल को लगाने से घर में सौभाग्य आता है।

गुड़हल का फूल

गुड़हल के फूल का उपयोग पूजा-पाठ में किया जाता है। भगवान गणेश को लाल गुड़हल के फूल बेहद पसंद है। ऐसा माना जाता है कि इस फूल को घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। लाल गुड़हल के फूल को आप भगवान बजरंगबली को भी अर्पित कर सकते हैं।

पारिजात

ऐसा माना जाता है कि पारिजात का फूल लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। यह फूल रात के समय में खिलते हैं सुबह पेड़ से टूटकर गिर जाते हैं। इस फूल की खुशबू से पूरा घर महक जाता है। सुबह-सुबह घर में भीनी-भीनी खुशबू से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती हैं। पारिजात के फूल को हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। इस फूल की खुशबू से तनाव कम हो जाता है।

फर्नीचर हर घर की जरूरत है। आमतौर पर, लोग अपने घर के लिए ऐसे फर्नीचर खरीदना पसंद करते हैं, जो देखने में आकर्षक भी हों और बेहद अफोर्डे बल भी हों। इस लिहाज से प्लास्टिक के फर्नीचर का चयन करना एक अच्छा ऑप्शन माना जाता है। इनमें आपको डिजाइन से लेकर साइज व कलर आदि में एक बिग वैरायटी देखने को मिलेगी।

घर में प्लास्टिक फर्नीचर रखते समय वास्तु के इन टिप्स का रखें ध्यान

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल करने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन अगर आप प्लास्टिक के फर्नीचर को घर में जगह दे रही हैं, तो आपको वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखना चाहिए। दरअसल, प्लास्टिक के फर्नीचर को अगर घर में सही तरह से ना रखा जाए तो यह कभी-कभी नकारात्मकता भी पैदा कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में आपको वास्तुशास्त्री डॉ. आनंद भारद्वाज बता रहे हैं कि घर में प्लास्टिक के फर्नीचर रखते समय किन वास्तु टिप्स का ख्याल रखा जाना चाहिए

कलर का रखें ख्याल

जब आप प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल कर रही हैं, तो आपको इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि उस फर्नीचर का कलर कैसा है। आमतौर पर, प्लास्टिक के फर्नीचर के लिए क्रीम, व्हाइट, येलो और लाइट कलर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। कभी भी ब्लैक कलर के प्लास्टिक फर्नीचर को घर में नहीं रखना चाहिए। वहीं, आजकल ऐसे प्लास्टिक फर्नीचर भी अवेलेबल हैं, जिसमें एक साथ कई कलर मिक्स होते हैं, बेहतर होगा कि आप उसे भी अवॉयड करें।

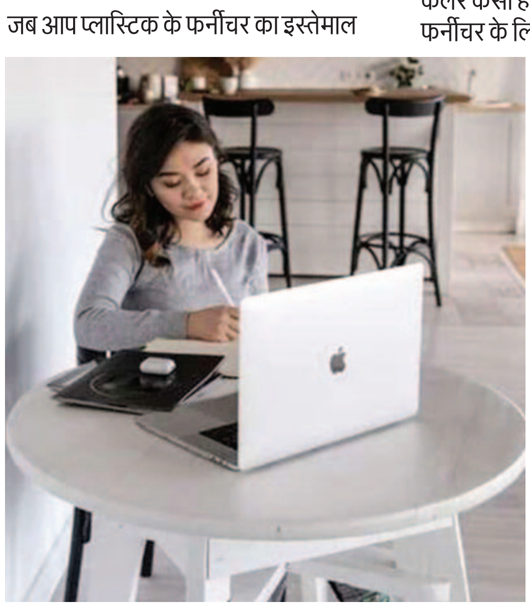

जब करें स्टडी

आजकल बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की मिलती हैं, जिन्हें लोग खरीदना काफी पसंद करते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की नहीं होनी चाहिए। इससे बच्चे को पढ़ाई में ध्यान लगाने में समस्या पैदा हो सकती है। बेहतर होगा कि आप उनके लिए लकड़ी से बने फर्नीचर को प्राथमिकता दें। हालांकि, आप किसी कारणवश प्लास्टिक फर्नीचर का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उस पर कोई कपड़ा बिछा दें।

जब करें पूजा

ऐसे कई लोग होते हैं, जिन्हें घुटनों की समस्या होती है तो वह कुर्सी पर बैठकर पूजा करते हैं। कोशिश करें कि आप जिस कुर्सी का इस्तेमाल पूजा स्थान में कर रहे हैं,, वह प्लास्टिक की ना हो। लेकिन फिर भी अगर आप ऐसा कर रहे हैं, तो कुर्सी पर कोई कपड़ा अवश्य बिछाएं। आपको यह विशेष रूप से ध्यान रखना है कि पूजा करते समय आप प्लास्टिक के डायरेक्ट संपर्क में ना रहें।

लॉन में करें इस्तेमाल

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर को लोग घर के किसी भी हिस्से में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आमतौर पर इस तरह के फर्नीचर को ऐसी जगह रखने की सलाह दी जाती है, जहां पर आप फुर्सत के पल बिताते हों और कोई बहुत आवश्यक या सेंसेटिव काम ना करते हों। इस लिहाज से प्लास्टिक फर्नीचर को घर के पीछे लॉन या फिर सामने खुले आंगन, व छत आदि पर रखना अधिक अच्छा माना जाता है।

प्लास्टिक का ना हो बेड

कुछ समय पहले तक बेड बनाते समय केवल लकड़ी का ही इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब मार्केट में प्लास्टिक के बेड भी मिलने लगे हैं। हालांकि, कभी भी घर में प्लास्टिक के बेड का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बेड एक ऐसा फर्नीचर है, जिस पर आप एक लंबा समय बिताते हैं। ऐसे में प्लास्टिक की एनर्जी आपकी बॉडी की एनर्जी में नकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। बेड के लिए हमेशा लकड़ी के इस्तेमाल को ही प्राथमिकता दें।

1 नहीं बल्कि 3 तरीकों से उगाया जा सकता है फ्रेश हरा धनिया

भारतीय घरों में खाने का जायका बढ़ाने के लिए हरा धनिया का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए हर रसोई में खाने में स्वाद और फ्लेवर के लिए फ्रेश धनिया गार्निश के लिए डाला जाता है। हालांकि, हर वक्त फ्रेश धनिया लाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि आप घर में ही फ्रेश धनिया उगा सकती हैं और वो भी 3 तरीकों से। जी हां, आपने सही पढ़ क्योंकि आज आप इस लेख में जानने वाले हैं घर पर आसानी से हरा धनिया कैसे उगाया जा सकता है

सीड्स से उगाएं हरा धनिया

आप अपने गार्डन में हरा धनिया बीज की सहायता से लगा सकती हैं। (सेहत के लिए वरदान है हरा धनिया, डाइट में जरूर करें शामिल) आपको किसी भी प्लांट की शॉप से बीज आसानी से मिल जाएंगे, जिसे आप किसी गमले, कंटेनर या फिर प्लास्टिक की बोतल में मिट्टी की मदद से पौधा लगा सकती हैं। हालांकि, पौधे की ग्रोथ तभी होगी जब आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखेंगी जैसे- आप मिट्टी की नमी पर ध्यान दें, पौधे में नियमित रूप से पानी डालें।

कटिंग से उगाएं हरा धनिया

आप अपने किचन में भी हरा धनिया का पौधा लगा सकती हैं। इसके लिए, आपको बस धनिये के पत्ते की जरूरत होगी। हालांकि, इसके पौधे को सही तरीके से लगाने के लिए आपको मिट्टी सही तरीके से तैयार करनी होगी। साथ ही, आपको बाजार से गमला खरीदकर लाना होगा और इसमें मिट्टी और खाद की मदद से कटिंग लगानी होगी।

हरा धनिया की जड़ का करें इस्तेमाल

बहुत-सी महिलाएं हरा धनिये की जड़ को बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि आप इसकी जड़ की सहायता से फ्रेश हरा धनिया भी उगा सकती हैं। कहा जाता है कि जड़ से उगाया गया पौधा बीज से ज्यादा अच्छा होता है। साथ ही, इसकी ग्रोथ भी अच्छी होती हैं। इसके लिए बस आपको मिट्टी में जड़ को बोना है और नियमित तौर पर पानी डालना है।

धनिया उगाने का आसान तरीका

आवश्यक सामग्री- कंटेनर/गमला/ प्लास्टिक की बोतल, मिट्टी और खाद, कटिंग/बीज, पानी

विधि - पौधा लगाने के लिए सबसे पहले आपको गमले का चुनाव करना होगा। आप छोटा गमला सेलेक्ट कर सकती हैं। गमले का चुनाव करने के बाद आप इसमें मिट्टी डालें और अच्छी तरह से मिला लें। आप पौधे की मिट्टी तैयार करते समय 50% कोको-पीट और 50% वर्मीकम्पोस्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं।

मिट्टी तैयार करने के बाद आप इसमें पौधे की कटिंग, बीज को अच्छी तरह से लगा दें। कटिंग या बीज को लगाने के बाद आप पौधे में पानी डालें।

बस आपका पौधा पूरी तरह से तैयार है। आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखें और फ्रेश हरा धनिया आने का इंतजार करें।

निकिता पर एफआईआर खारिज करने से कर्नाटक हाईकोर्ट का इंकार

बेंगलुरु। अतुल सुभाष आत्महत्या के मामले में कथित आरोपी पत्नी निकिता सिंघानिया द्वारा अपने खिलाफ लगे आरोपों को पलटने की याचिका पर सुनवाई करते हुए, कर्नाटक हाई कोर्ट ने इस स्तर पर एफआईआर को खारिज करने से इंकार किया। एकल पीठ ने पाया कि प्रथम दृष्टया साक्ष्य चल रही जांच का समर्थन करते हैं, और डेथ नोट और आत्महत्या वीडियो जैसे प्रमुख साक्ष्य एकत्र करने में प्रगति की कमी पर सवाल उठाया। अदालत ने निर्देश दिया कि जांच के दौरान एकत्र किए गए सभी दस्तावेज जमा किए जाएं और सरकार से अपनी आपत्तियां दर्ज करने को कहा। मामले को दो हफ्ते के लिए टाला गया है। निकिता, उनकी मां और भाई को बेंगलुरु की एक अदालत ने मामले में जमानत दे दी थी। आईटी पेशेवर अतुल से अलग रह रही पत्नी ने मामले में अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने के लिए उच्च न्यायालय का रुख किया। निकिता ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देकर दावा किया था कि यह अवैध है और इसमें औचित्य का अभाव है। उसके वकील ने सुप्रीम कोर्ट में अपना बचाव तैयार करने की अनुमति देने के लिए अंतरिम जमानत के लिए तर्क दिया। 9 दिसंबर, 2024 को आत्महत्या करके मरने वाले सुभाष ने अपने सुसाइड नोट में अपनी पत्नी और ससुराल वालों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया।

संभल के बाद फिरोजाबाद में मिला करीब 30 सालों से बंद एक पुराना मंदिर, प्रशासन ने खुलवाया

फिरोजाबाद । संभल के बाद यूपी के कई शहरों में सालों से बंद मंदिर मिल रहे हैं। इनकी साफ-सफाई और अन्य व्यवस्था करने के बाद पूजा-पाठ शुरू किया जा रहा है। फिरोजाबाद के मुस्लिम बहुल इलाके में भी करीब 30 सालों से बंद एक पुराना मंदिर मिला है, जिसका ताला प्रशासन ने खोला। हिंदूवादी संगठन बजरंग दल की शिकायत के बाद जिला प्रशासन ने कार्रवाई की। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। फिरोजाबाद के शहीद चौक के सामने बेहद तंग गली में मुस्लिम बहुल इलाका है, जहां गली के कोने पर एक मंदिर में सालों से ताला पड़ा हुआ था। बजरंग दल को जब इसकी जानकारी मिली कि यह शिव मंदिर काफी समय से बंद है, तब भारी फोर्स की तैनाती के बाद जिला प्रशासन ने मंदिर का ताला खुलवाया। हालांकि इस मंदिर का ताला खुलने का विरोध किसी ने नहीं किया। कई दशक पहले यहां हिंदू परिवार का घर था, उसमें ही गली के बाहर ये मंदिर था। वह परिवार गली को छोड़कर चला गया और मंदिर में ताला लगा हुआ है। मंदिर के अंदर की दीवारों पर धार्मिक शब्द लिखे हुए हैं और यहां खंडित मूर्तियां रखी हुई हैं। फिरोजाबाद के सिटी मजिस्ट्रेट राजेंद्र सिंह ने बताया कि इस मंदिर का निर्माण संवत 2020 (साल 1963) में हुआ था और लंबे समय से बंद पड़ा था। करीब 60 साल पुराना मंदिर है। मंदिर के खुलने से स्थानीय समुदाय को उनके धार्मिक अधिकार वापस मिले हैं। वहां का मुस्लिम समुदाय ने भी इस पहल का स्वागत किया। उनका कहना है कि मंदिर खोलने में उन्हें कोई आपत्ति नहीं है और यहां कोई विवाद नहीं है।

तमिलनाडु विधानसभा में संविधान और राष्ट्रगान का अपमान, नाराज राज्यपाल सदन से बाहर आए

चेन्नई । तमिलनाडु विधानसभा में राज्यपाल आर.एन रवि राष्ट्रगान और संविधान का तिरस्कार करने पर आपत्ति दर्ज कर बाहर चले गए। इस बारे में राज्यपाल कार्यालय ने पोस्ट में जानकारी दी। राज्यपाल के आधिकारिक एक्स हैंडल पर कहा गया कि तमिलनाडु विधानसभा में आज एक बार फिर संविधान और राष्ट्रगान का अपमान किया गया। विधानसभा में राज्यपाल के आने पर केवल तमिल थाई वाज्थु गाया गया, जबकि संविधान में राष्ट्रगान का सम्मान करना हर नागरिक का कर्तव्य दहै। राज्यपाल ने इस पर आपत्ति जताकर सदन को उसके संवैधानिक कर्तव्य की याद दिलाई और मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष से राष्ट्रगान गाने का अनुरोध किया। लेकिन, उनके आग्रह को नजरअंदाज कर राज्य सरकार ने राष्ट्रगान गाने से इंकार कर दिया। इस अपमानजनक घटना के कारण राज्यपाल ने गहरी नाराजगी जताकर सदन को छोड़ दिया। वहीं राज्यपाल के विधानसभा भवन के बाहर जाने के बाद अन्ना विश्वविद्यालय के मामले को लेकर एआईएडीएमके के सदस्यों ने हाथों में पोस्टर लेकर विरोध प्रदर्शन किया। पोस्टर में लिखा हुआ था कि आखिर मामले में आरोपी कौन है? भाजपा विधायकों का कहना है कि अन्ना विश्वविद्यालय मामले में अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है, इसलिए वे विधानसभा से बाहर चले गए। कांग्रेस के विधायक मामले में अपना रोष प्रकट करने के लिए हाथों में बैज पहनकर आए थे। पिछले कुछ वर्षों में तमिलनाडु विधानसभा में राष्ट्रगान के बजाय राज्यगीत गाने के मामले सामने आ रहे हैं।

बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले में 4,590 पन्नों की चार्जशीट दाखिल, सलमान से करीब होना बनी हत्या की वजह

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई क्राइम ब्रांच ने एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले में महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) कोर्ट में 4,590 पन्नों की चार्जशीट दाखिल कर दी है। चार्जशीट में सिद्दीकी के मर्डर केस मामले में 26 आरोपियों को नामजद किया है। इसके अलावा इसमें तीन आरोपियों जीशान अख्तर, शुभम लोनकर, अनमोल बिश्नोई को फरार बताया गया है। चार्जशीट में कई लोगों के बयान भी पुलिस ने दर्ज किए हैं। क्राइम ब्रांच की जांच के मुताबिक, सिद्दीकी हत्या के तीन प्रमुख कारण हैं। पहला सलमान खान से करीबी, अनुज थप्पन की आत्महत्या का बदला या बिश्नोई गैंग का मुंबई में वर्चस्व स्थापित करना और अपना खौफ पैदा करना। क्राइम ब्रांच हत्या की इन तीन वजहों को स्थापित करने के लिए आरोपी लोनकर की सोशल मीडिया की पोस्ट को भी आधार बनाया है। चार्जशीट में 210 लोगों के बयान भी दर्ज हैं।

लोगों ने समस्याएं बताईं तो भड़के अजित पवार बोले- मुझे खेतिहार मजदूर समझ रहे हैं क्या?

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी मुख्यमंत्री अजित पवार आजकल काफी गुस्से में नजर आने लगे हैं। सियासी समस्याएं जो भी हों पर जनता अपनी समस्याएं तो बताएगी ही। बारामती के दौरे पर पहुंचे अजित पवार एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान वह अपना आपा खो बैठे। दौरे के दौरान नागरिकों ने उन्हें विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। कुछ नागरिकों ने विकास कार्यों में देरी को लेकर शिकायत की, जिस पर अजित पवार भड़क गए। उन्होंने कहा, आपने मुझे वोट दिया है, इसका मतलब यह नहीं कि आप मेरे मालिक बन गए। क्या आपने मुझे खेतिहर मजदूर बना दिया है?

उनके इस बयान ने राजनीतिक और सामाजिक हलकों में हलचल मचा दी है।

इस मौके पर अजित पवार ने एमआईडीसी (महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम) के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि बारामती में किसी भी भूखंड का दर्जा आवासीय से व्यावसायिक में उनकी अनुमति के बिना न बदला जाए। उन्होंने कहा, हमने कुछ भूखंडों को व्यावसायिक बनाया ताकि उद्योग स्थापित हों और स्थानीय लोगों को रोजगार मिल सके। लेकिन एमआईडीसी अधिकारी भूखंडों का दर्जा बदलने की होड़ में न लगें। मेरी जानकारी के बिना एक भी भूखंड का दर्जा नहीं बदला जाएगा।

अजित पवार ने बारामती तालुका क्रय-विक्रय संघ परिसर में एक पेट्रोल पंप का उद्घाटन किया। इस दौरान मौजूद नागरिकों और कार्यकर्ताओं ने लंबित कामों को लेकर सवाल उठाए। एक कार्यकर्ता ने कहा कि क्षेत्र में कई विकास कार्य अब तक पूरे नहीं हुए हैं। इसे लेकर नागरिकों ने पवार से जवाब मांगा। इस पर डिप्टी सीएम ने पहले अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्य जल्द शुरू किए जाएं। लेकिन नागरिकों की बढ़ती शिकायतों पर वह नाराज हो गए और तीखी प्रतिक्रिया दी।

डिप्टी सीएम की नाराजगी पर लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रिया सामने आई है। कुछ इसे जनप्रतिनिधि का अहंकार मान रहे हैं, जबकि अन्य का कहना है कि मतदाताओं को भी अपना व्यवहार संतुलित रखना चाहिए। अजित पवार के बयान ने सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में एक नई बहस छेड़ दी है।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री शिंदे को धमकी देने वाले पर एफआईआर दर्ज, तलाश जारी

ठाणे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति पर एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने कहा कि उसे आरोपी के खिलाफ कुछ सबूत मिले हैं, जिसके बाद मामला दर्ज किया गया है। वरिष्ठ इंस्पेक्टर गुलजारीलाल फड़तारे ने बताया कि ठाणे शहर के वरली पाड़ा निवासी हितेश धेंदे नाम से आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था और उन्हें जान से मारने की धमकी दी थी। गलत पोस्ट करने पर यह मामला दर्ज हुआ है। शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के एक कार्यकर्ता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने रविवार को कई धाराओं के तहत आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

मुंबई में ताज होटल के सामने एक ही नंबर प्लेट वाली 2 कारें, पुलिस अलर्ट

मुंबई। मुंबई के ताज होटल के सामने एक ही नंबर प्लेट वाली दो गाड़ियां खड़ी होने से हड़कंप मचा है। मूल वाहन चालक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। मौके पर पहुंची पुलिस दोनों गाड़ियों को कोलाबा पुलिस थाना ले गई और एफआईआर दर्ज की। इनमें से किस कार पर फर्जी नंबर प्लेट है? इसके पीछे उसका उद्देश्य क्या है? इन सभी सवालों का पता लगाया जा रहा है। दो गाड़ियों पर नंबर एमएच-01-ईई-2388 लगा है, नंबर प्लेट पीली है। मिली जानकारी के मुताबिक, एक ही नंबर प्लेट वाली दोनों गाड़ियां सोमवार दोपहर करीब 1 बजे मुंबई के ताज होटल के सामने खड़ी थी। इसके बाद असली नंबर के ड्राइवर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामले पर संज्ञान लेते हुए दोनों गाड़ियों को कोलाबा पुलिस स्टेशन ले जाया गया। इसके बाद पुलिस ताज होटल के सामने दूसरी कार की पहचान कर गहनता से जांच कर रही है। ज्ञात हो कि 26/11 के आतंकवादी हमले के दौरान ताज होटल को निशाना बनाया गया था। इसलिए इस इलाके में हमेशा पुलिस बल तैनात रहता है। मुंबई पुलिस के पास सुरक्षा के साथ-साथ ताज होटल की अपनी सुरक्षा भी है। हालांकि, दोपहर के करीब एक ही समय पर एक ही नंबर प्लेट वाली दो गाड़ियां आ गईं, जिससे हड़कंप मच गया। इन दोनों कारों का नंबर एमएच-01-ईई-2388 है और दोनों चार पहिया वाहनों का रंग भी सफेद है। जांच के समय पता चला कि दोनों कारों की नंबर प्लेट एक जैसी थी। इससे साफ है कि दोनों कारों में से एक की नंबर प्लेट फर्जी है। कोलाबा पुलिस ने दोनों कारों के ड्राइवरों की जांच शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है। आखिर फर्जी नंबर प्लेट का इस्तेमाल क्यों किया गया, इसके पीछे क्या मकसद था? ऐसे कई सवालों के जवाब पुलिस तलाश रही है।

विरोधियों को गिरिराज सिंह की दो टूक, जब इस्लाम की पैदाइश नहीं हुई थी, तब से कुंभ मेला लग रहा

*महाकुंभ का आयोजन वक्फ की जमीन पर करने का किया था दावा

पटना (एजेंसी)। महाकुंभ का आयोजन वक्फ की जमीन पर करने का दावा करने वाले बयान पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि कुछ कट्टरपंथी मुसलमान देश के अंदर माहौल को बिगाड़ना चाहते हैं। उन्होंने नाराज होते हुए कहा जब इस्लाम की पैदाइश नहीं हुई थी, तब से कुंभ मेला लग रहा है। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि कुछ लोग देश में माहौल बिगाड़ना चाहते हैं। उन्होंने पूछा, क्या कांग्रेस ने उन्हें ऐसा करने को कहा था, क्या कांग्रेस माहौल बिगाड़ रही है कि भारत में बांग्लादेश वाली स्थिति पैदा की जाए, जिस समय इस्लाम की पैदाइश नहीं हुई थी तब से कुंभ मेला का आयोजन हो रहा है। इसतरह के बयान देकर बेवजह हिंदुओं को उकसाना, हिंदुओं से झगड़ा करने का माहौल तैयार करना है। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि कुंभ मेला पर इस तरह का बयान देना कहीं से सही नहीं है। उन्होंने पूछा कि इस बयान पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी, उद्धव ठाकरे, लालू यादव, अखिलेश यादव की जुबान बंद क्यों है? सबकी मुंह में बर्फ क्यों जम गया?

इसके पहले ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि कुंभा का मेला जहां लग रहा हैं वहां जमीन वक्फ की है। मुसलमान बड़े दिल वाले हैं, अखाड़ा परिषद उनके प्रवेश पर पाबंदी लगा रहे हैं। मौलाना शहाबुद्दीन ने कहा कि प्रयागराज के निवासी ने दावा किया है कि कुंभ के मेले की जहां तैयारियां हो रही हैं, वहां जमीन वक्फ की संपत्ति है। ये जमीन करीब 54 बीघा है। मुसलमानों ने बड़ा दिल दिखाकर कोई आपत्ति नहीं की है। कुंभ मेले के सारे इंतजाम इसी वक्फ की जमीन पर हो रहे हैं। मगर, दूसरी तरफ अखाड़ा परिषद और दूसरे बाबा लोग मुसलमानों के प्रवेश पर पाबंदी लगा रहे हैं।

दिल्ली से बांग्लादेशी होंगे बाहर, दस्तावेजों की हो रही जांच, हजारों की हुई पहचान

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली में अवैध तरीके से रह रहे बांग्लादेशियों की पहचान की जा रही है। उनके दस्तावेजों की जांच हो रही है। प्रशासन से जुड़े अधिकारियों को कहना है कि फर्जी तरीके से दस्तावेज तैयार किए गए हैं। इनके पास बंगाल, असम, बिहार, झारखंड, दिल्ली, यूपी व हरियाणा के आधार व वोटर कार्ड मिले हैं। 16 हजार लोगों की सूची तैयार की गई है। दिल्ली के सभी 15 जिलों की झुग्गियों में वर्षों से अपना ठिकाना बनाकर अवैध रूप से रहने वाले लाखों बांग्लादेशी नागरिकों को वापस अपने देश लौटना होगा। गृह मंत्रालय व उपराज्यपाल के निर्देश पर दिल्ली पुलिस ने इनकी पहचान कर वापस बांग्लादेश भेजने की कवायद तेज कर दी है।

एक माह के दौरान 15 जिले की पुलिस ने 16,000 संदिग्ध बांग्लादेशियों की सूची तैयार की है। इनसे चरणबद्ध तरीके से पूछताछ व उनके दस्तावेज की जांच की जा रही हैं। इनमें 750 संदिग्धों के बारे में पुलिस को पूरा शक है कि ये बांग्लादेशी हो सकते हैं। इनके पास बंगाल, असम, बिहार, झारखंड, दिल्ली, यूपी व हरियाणा के आधार व वोटर कार्ड मिले हैं। इनमें कुछ के पास नए व कुछ के पास वर्षों पुराने दस्तावेज पाए गए। इन 750 संदिग्धों के आधार कार्ड के बारे में दिल्ली पुलिस ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण से जानकारी मांगी है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण से यह बताने को कहा गया है कि आधार कार्ड बनवाने के लिए इन्होंने क्या दस्तावेज जमा किए थे। अवैध रूप से आधार कार्ड व अन्य भारतीय दस्तावेज बनवाने वाले संदिग्ध बांग्लादेशियों के सभी दस्तावेज जब्त कर पुलिस संबंधित विभागों के सहयोग से जुटी हुई है। फर्जी तरीके से आधार व अन्य भारतीय दस्तावेज बनवाने की पुष्टि होते ही उनके उक्त दस्तावेज रद कर दिए जाएंगे और उन्हें पकड़ कर वापस बांग्लादेश भेज दिया जाएगा।

75 बांग्लादेशियों को वापस भेजा

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा भी संबंधित लोगों को जवाब तलब किया जाएगा। दिल्ली पुलिस मुख्यालय सूत्रों के मुताबिक एक माह के दौरान अब तक 75 बांग्लादेशियों को वापस बांग्लादेश भेज दिए गए हैं। इनकी सूची विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) को भी भेज दी गई है। सबसे अधिक बांग्लादेशी दक्षिण, दक्षिण-पूर्वी व दक्षिण-पश्चिम जिले में पकड़े गए हैं। इन तीन जिले में बड़ी संख्या में झुग्गी बस्ती हैं, जिनमें लाखों की संख्या में बांग्लादेशी रहते हैं। इनमें अधिकतर भारतीय दस्तावेज बनवा रखे हैं। पुलिस अधिकारी का कहना है कि अब बांग्लादेश से टूरिस्ट व बिजनेस वीजा पर दिल्ली आने वाले बांग्लादेशियों के बारे में भी पता लगा उनके बारे में जांच शुरू कर दी गई हैं।

फर्जी दस्तावेज बनवाने वाला गिरोह सक्रिय

दक्षिण जिला पुलिस ने हाल ही में दो ऐसे गिरोह का भी भंडाफोड़ किया है जो बांग्लादेशी नागरिकों के आधार कार्ड बनवा रहे थे। गिरोह के तार बांग्लादेशी एजेंटों से भी जुड़े थे जो बांग्लादेशी नागरिकों को सीमा पार कराने, ट्रांसपोर्टेशन के लिए तत्काल फर्जी भारतीय पहचान पत्र मुहैया कराने, दिल्ली लाने व यहां उन्हें जगह मुहैया करवाने के बाद उनके असली आधार कार्ड बनवा रहे थे।

पहाड़ों पर बर्फबारी से उत्तर प्रदेश में बढ़ा सर्दी का असर, लोग ठंड से बचने के लिए ले रहे आग का सहारा, प्रयागराज में अलाव व्यवस्था की मांग

इलाहाबाद । उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में लगातार हो रही बर्फबारी के कारण मौसम में बड़ी ठंडक छाई हुई है। नवाबादा, प्रयागराज, लखनऊ जैसे स्थानों में लोगों को थंड से बचाव के लिए आग का सहारा लेना पड़ रहा है। चौंकाने वाली बात है कि यहां की सर्दी लगभग लेह, लद्दाख जैसी ठंडी जगहों के स्तर को पहुंच गई है। सर्दी का मौसम अभी और भी ख़तरनाक होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में भी ठंड का सितम जारी रहेगा। अब तक तबाही मचाने वाली सर्द ने प्रदेशवासियों की नींद उड़ा दी है और दिन-रात की जिंदगी में बड़ी ख़लल डाल रही है। प्रयागराज में लोगों को सूर्य के दर्शन नाम मात्र ही हो रहे हैं, जबकि घने कोहरे के कारण सड़कों पर वाहनों की रफ्तार भी धीमी हो गई है। आम नागरिक लकड़ी जलाने से ठंड से बचने का प्रयास कर रहे हैं। नगर निगम की ओर से अलाव की व्यवस्था हो रही है, लेकिन कुछ अविकसित क्षेत्रों में लोगों को सर्दी का सामना करना पड़ रहा है। इस पर एक नागरिक ने अपील की है कि सभी जगह अलाव की व्यवस्था की जाए ताकि सर्दी से बचने के लिए लोगों को आग का सहारा मिल सके। इसी संदर्भ में एक और व्यक्ति ने बताया कि सर्दी का मौसम बढ़ रहा है और अविकसित क्षेत्रों में लकड़ी की कमी ने लोगों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यहां लोग प्रकार-प्रकार की लकड़ी जला कर ठंड से बचने का प्रयास कर रहे हैं। भविष्य में भी सर्दी की स्थिति और गंभीर होने की संभावना है और इससे बचने के लिए अलाव की व्यवस्था की जानी चाहिए।

इंडिया गेट का नाम बदलकर भारत माता द्वार करने की उठी मांग, पीएम मोदी को लिखा गया पत्र

*अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने लिखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने इंडिया गेट का नाम बदलकर भारत माता द्वार करने की मांग की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित पत्र में सिद्दीकी ने बताया कि यह बदलाव भारत के शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्दीकी ने कहा कि प्रतिष्ठित संरचना का नाम बदलकर भारत माता द्वार रखना राष्ट्र की भावना को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करेगा और देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वालों के बलिदान का सम्मान करेगा।

दरअसल कर्तव्य पथ के पास स्थित इंडिया गेट, भारतीय सेना के करीब 75,000 सैनिकों के बलिदान का सम्मान करते हुए एक गंभीर युद्ध स्मारक के रूप में खड़ा है। इन सैनिकों ने प्रथम विश्व युद्ध (1914-1921) के दौरान फ्रांस, फ्लैंडर्स, मेसोपोटामिया, फारस, पूर्वी अफ्रीका, गैलीपोली और निकट और सुदूर पूर्व के अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ तीसरे एंग्लो के दौरान अपने जीवन का बलिदान दिया। सर एडविन लुटियंस द्वारा डिजाइन किया गया, इंडिया गेट की स्थापत्य शैली रोम में कॉन्स्टेंटाइन के आर्क जैसे प्राचीन रोमन विजयी मेहराबों से प्रेरणा लेती है।

इंडिया गेट की तुलना पेरिस में आर्क डी ट्रायम्फ और मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया जैसी प्रतिष्ठित संरचनाओं से भी की जाती है। भारत के सबसे बड़े युद्ध स्मारकों में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त, इंडिया गेट राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में कार्य करता है। गणतंत्र दिवस पर, प्रधानमंत्री अमर जवान ज्योति पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए स्मारक पर जाते हैं, जिसके बाद गणतंत्र दिवस परेड शुरू होती है, जो इसे भारत की औपचारिक परंपराओं में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बनाती है। पिछले साल जुलाई में, राष्ट्रपति भवन के प्रतिष्ठित दरबार हॉल और अशोक हॉल का नाम बदलकर क्रमशः गणतंत्र मंडप और अशोक मंडप कर दिया गया था।

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री राव ने कहा, एचएमपीवी मामले देश के पहले केस नहीं

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने स्पष्ट किया कि बेंगलुरु में तीन और आठ महीने की उम्र के दो शिशुओं में मिले ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के दो मामले भारत में पहले नहीं हैं। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा, हम इन मामलों को देश का पहला मामला नहीं कह सकते। यह वायरस देश में पहले से ही मौजूद है। हो सकता है कि व्यक्ति का इस विशिष्ट वायरस के लिए परीक्षण किया गया हो और इसका पता चला हो। कर्नाटक सरकार में मंत्री राव ने बताया, यह साबित नहीं हुआ है कि बेंगलुरु में पाया गया मामला भारत का पहला मामला है। यह दावा सच नहीं है। यह एक मौजूदा वायरस है और एक निश्चित प्रतिशत लोग इससे प्रभावित हैं। यह कोई नई बात नहीं है।

वहीं मंत्री राव ने स्पष्ट किया कि वायरस से संक्रमित बच्चे का कोई विदेशी यात्रा इतिहास नहीं है और वह स्थानीय परिवार से हैं। राव ने कहा, उनमें से किसी ने भी चीन, मलेशिया या किसी अन्य देश की यात्रा नहीं की है। चीन में प्रकोप एचएमपीवी के एक नए प्रकार से जुड़ा हुआ है। हमारे पास अभी तक पूरी जानकारी नहीं है, और सरकार अभी भी जानकारी जुटा रही है। उन्होंने कहा, यह एचएमपीवी का एक नया वेरिएंट हो सकता है। हालांकि, एचएमपीवी एक ऐसा वायरस है जो भारत में पहले से ही लंबे समय से मौजूद है। यह सर्दी, फ्लू और खांसी जैसे सामान्य लक्षण पैदा करता है, जो आमतौर पर कुछ समय बाद कम हो जाते हैं। मुझे नहीं लगता कि हमें मामले को पहला केस कहना चाहिए। उन्होंने लोगों से कहा है कि वह बिल्कुल भी न घबराएं। यह एक मौजूदा वायरस है जो आता है और चला जाता है। चीन में स्थिति अलग है और इस पर सरकार बारीकी से नजर रखे हुए है। इस दौरान मंत्री ने कुछ नई जानकारी जुटाने और अगले कदमों पर निर्णय लेने के लिए आपातकालीन बैठक आयोजित करने की जानकारी दी। राव ने कहा, समय से पहले निर्णय नहीं लिया जा सकता है। पीसीआर जांच हमेशा से उपलब्ध रही है, लेकिन हमें यह निर्धारित करने की आवश्यकता है कि क्या यह आवश्यक है। हमें यह आकलन करना चाहिए कि क्या यह एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता है। सिर्फ इसलिए कि एक मामला पाया गया है, हम पैनिक मोड में नहीं जा सकते। यदि हम सर्दी के लक्षणों वाले सभी लोगों की जांच करते हैं, तो कोई न कोई वायरस मिलने की संभावना है।

किसान नेता डल्लेवाल के शरीर पर मांस नहीं बचा, क्या मोदी सरकार डल्लेवाल को यूं ही मरने देगी?

*खनौरी बॉर्डर पर बढ़ती जा रही आंदोलनकारियों की संख्या

चंडीगढ़ (एजेंसी)। खनौरी बॉर्डर पर 42 दिनों से अनशन कर रहे भारतीय किसान यूनियन (सिद्धूपुर) के नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की हालत नाजुक होती जा रही है। किसान नेता डल्लेवाल लगातार उल्टियां कर रहे हैं। डॉक्टरों की ओर से बताया गया कि उनके शरीर पर अब मांस नहीं बचा है। लीवर, किडनी और फेफड़ों में खराबी आ गई है। अब हालत यह है कि अगर डल्लेवाल का अनशन खत्म कर देते हैं, तब भी रिकवरी मुश्किल है। हालांकि केंद्र की ओर से अभी तक अनशन खत्म कराने की कोई सुगबुगाहट नहीं दिख रही है। अब सवाल यह है कि क्या मोदी सरकार डल्लेवाल को यूं ही मरने देगी?

लोकतंत्र में आमरण अनशन विरोध का सबसे अहिंसक तरीका है। किसान नेता डल्लेवाल भी एमएसपी को लेकर कानून बनाने की मांग पर अड़े हैं। वे पिछले 26 नवंबर से खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन कर रहे हैं। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित कमेटी ने आंदोलनकारी किसान से बातचीत करने की पेशकश की, इस मांग को किसान नेताओं ने खारिज कर दिया। डल्लेवाल का स्वास्थ्य हर दिन खराब हो रहा है। 70 साल के किसान नेता कैंसर के मरीज हैं और दवाइयां भी नहीं ले रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद पंजाब सरकार ने धरनास्थल पर मेडिकल टीम, एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट सिस्टम और एंबुलेंस को तैनात किया, मगर डल्लेवाल ने मेडिकल सपोर्ट लेने से मना कर दिया है। उनकी हालत गंभीर होती दिख रही है।

वहीं खनौरी बॉर्डर पर आंदोलनकारियों की भीड़ बढ़ती जा रही है, मगर केंद्र हालात को नजर अंदाज कर रही है। हर मंगलवार को किसानों से मिलने वाले कृषि मंत्री ने बयान दिया था कि मामले को सुप्रीम कोर्ट देख रहा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन होगा। यह रवैया मोदी सरकार की मुश्किलें बढ़ा सकता है, क्योंकि आंदोलनकारियों के बीच मीडिया में छपी कई कहानियां तैरने लगी हैं। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि 2020 के आंदोलन के दौरान किसान संगठनों ने 11 दौर की बातचीत के बाद अड़ियल रवैया अपनाया था और वार्ता फेल हो गई। 8 दिसंबर 2020 को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बातचीत करने पूसा पहुंचे थे, मगर किसानों ने बातचीत से इंकार किया था। किसानों के इस रुख से मोदी सरकार की काफी किरकिरी हुई थी। चार साल पुराने अनुभव के कारण केंद्र सरकार सीधे तौर से बातचीत की पहल नहीं कर रही है।

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा गया कि केंद्र सरकार बयान क्यों नहीं दे रही है कि वह वास्तविक मांगों पर विचार करेगी और हम किसानों से चर्चा के लिए तैयार हैं। इसके जवाब में मेहता ने बताया था कि शायद कोर्ट को इससे जुड़े फैक्टर्स की जानकारी नहीं है। केंद्र हर किसान को लेकर चिंतित है। किसान संगठनों का कहना है कि 2020 के किसान आंदोलन के दौरान केंद्र सरकार ने एमएसपी की कानूनी गारंटी, लोन माफी, स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने जैसी मांगों पर विचार करने का लिखित आश्वासन दिया था। दल्लेवाल भी वादे को लागू करने की मांग कर रहे हैं, मगर कोई केंद्र सरकार इस मुद्दे पर बातचीत नहीं करना चाहती है।

डल्लेवाल का आमरण अनशन विख्यात पर्यावरणविद स्वामी ज्ञान स्वरूप सानंद उर्फ प्रोफेसर जीडी अग्रवाल की याद दिला रहा है। जी डी अग्रवाल ने भी गंगा की सफाई को लेकर 112 दिनों तक आमरण अनशन करते हुए प्राण त्यागे थे। उन्होंने गंगा में गिरते प्रदूषित नालों और पवित्र नदी की सफाई के नाम पर खर्च हुए अरबों रुपये पर सवाल खड़े किए थे। उन्होंने भी अनशन से पहले प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखी थी, मगर जवाब नहीं मिला। 2018 में जी डी अग्रवाल ने एम्स ऋषिकेश में अंतिम सांस ली और उनके साथ ही एक बड़ा आंदोलन खत्म हो गया।

भारतीय खिलौना उद्योग का निर्यात बढ़ा

- निर्यात बढ़ने में सरकार के प्रयास और नीतियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा

नई दिल्ली ।

भारतीय खिलौना उद्योग ने हाल ही में एक उल्लेखनीय मोड़ लिया है जो उसके विकास की कहानी को दर्शाता है। एक नए अध्ययन के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 में, इस उद्योग ने आयात में 52 फीसदी की गिरावट और निर्यात में 239 फीसदी की वृद्धि देखी है। इसका मामूली संकेतन यह है कि भारतीय खिलौना उद्योग अब एक महत्वपूर्ण खिलौना निर्यातक बन गया है। इस प्रगति के पीछे सरकार के प्रयास और नीतियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र की अच्छी बनावट ने इस उद्योग को विकसित किया है। साथ ही, सरकार के सहयोग की मात्रा बढ़ी है जिससे विनिर्माण इकाइयों की संख्या में वृद्धि हुई और निर्भरता कम हुई। भारतीय खिलौना उद्योग को भविष्य में और भी सशक्त बनाने के लिए सुझाव दिए गए हैं। विकास में प्रौद्योगिकी का महत्वपूर्ण योगदान है जिससे क्षेत्र में और भी नए उत्पाद विकसित हो सकें। ई-कॉमर्स के माध्यम से संयोजन बढ़ाए जा सकते हैं और निर्यात को संवर्धित किया जा सकता है। इसके साथ ही, सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देने के लिए कई अवसर हैं जिन्हें

उद्योग को लाभ देना चाहिए। इस समय उद्योग और सरकार का एक होकर काम करना जरूरी है ताकि भारत ग्लोबल खिलौना मार्केट में भाग ले सके। गति और योगदान में एकीकृत उद्योग और सरकार के संयोजन से, भारतीय खिलौना उद्योग ने एक नई पहचान बनाई है। इसे आगे बढ़ाने के लिए उद्योग को और भी सक्रिय रूप से काम करना होगा और सरकार को भी इसमें सहयोग प्रदान करना होगा।

रुपये में गिरावट: भारतीय दवा निर्यातकों को फायदा या हानि?

- दवाओं की कीमतों में भी आ सकता है बदलाव

नई दिल्ली।

डॉलर के मुकाबले रुपये में हालिया गिरावट ने भारतीय दवा निर्यातकों के लिए हलचल मचा दी है। कुछ लोग मानते हैं कि रुपया में गिरावट से निर्यात पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि निर्यात के लिए मुद्रा के उतार-चढ़ाव से बचाव पहले से ही किया जाता है। हालांकि, कुछ कह रहे हैं कि इससे दवाओं की कीमतों में भी बदलाव आ सकता है। इस बारे में इंडियन फार्मास्युटिकल अलायंस (आईपीए) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि इस तरह की उठापटक से बचने के लिए सालाना सौदों में इंतजाम किया जाता है। दवा निर्यात में 80 फीसदी योगदान करने वाली शोध केंद्रित देसी औषधि कंपनियों का संगठन आईपीए ने इस मामले पर जोर दिया है। वर्ष 2023-24 में भारत ने अमेरिका को 8.73 अरब डॉलर की दवाएं निर्यात की थीं, जो देश के कुल दवा निर्यात का 31 फीसदी था। भारतीय दवा कंपनियों के लिए अमेरिका एक महत्वपूर्ण बाजार बना रहेगा, क्योंकि वहां किफायती जेनेरिक दवाएं प्रचलित हैं। इसी संदर्भ में बायोकॉन ऐंड बायोकॉन बायोलॉजिक्स की चेयरपर्सन ने बताया कि रुपये में कमजोरी से भारतीय दवा निर्यातकों को फायदा हो सकता है। उनकी आशा है कि कंपनियाँ रुपये में हुई कमजोरी का इस्तेमाल अपने मुनाफे को बढ़ाने के लिए करेंगी। इस सबके बावजूद, आगे क्या होगा यह समय ही बताएगा। एक ओर खरीदार को अधिक लाभ देने के लिए दवाओं कीमतें बढ़ा सकती हैं, वहीं दूसरी ओर निर्यातकों को मार्जिन समेत मुनाफा कम हो सकता है। फिर भी, भारतीय दवा उद्योग का अमेरिकी बाजार में दबदबा बिगड़ सकता है।

ओयो ने लागू की पार्टनर होटलों के लिए नई चेक-इन नीति

नई दिल्ली ।

प्रमुख कंपनी ओयो ने अपने पार्टनर होटलों के लिए नई चेक-इन नीति लागू की है। इस नीति के तहत अब अविवाहित जोड़ों को ओयो होटलों में चेक-इन करने की अनुमति नहीं होगी। यह बदलाव कंपनी ने मेरठ शहर से शुरू किया है और इसका उद्देश्य स्थानीय समाज की सामाजिक संवेदनशीलताओं को ध्यान में रखते हुए एक सुरक्षित और जिम्मेदार आतिथ्य अनुभव प्रदान करना है। नई नीति के अनुसार, जोड़ों को अब होटल में चेक-इन करते समय अपने रिश्ते का वैध प्रमाण प्रस्तुत करना होगा, जिसमें ऑनलाइन बुकिंग भी शामिल है। ओयो ने यह निर्णय अपने पार्टनर होटलों को विवेक के आधार पर जोड़ों की बुकिंग अस्वीकार करने का अधिकार प्रदान करके लिया है। यह बदलाव मुख्य रूप से मेरठ में लागू किया गया है, लेकिन कंपनी का कहना है कि यदि भविष्य में आवश्यकता पाई जाती है तो इसे अन्य शहरों में भी लागू किया जा सकता है। कंपनी ने कहा कि इस नीति का उद्देश्य ओयो ब्रांड को एक सुरक्षित, जिम्मेदार और सम्मानजनक आतिथ्य अनुभव प्रदान करने वाला ब्रांड बनाना है। ओयो के अनुसार, यह कदम नागरिक समाज समूहों के दबाव में उठाया गया है, जिन्होंने अविवाहित जोड़ों को होटलों में चेक-इन करने की अनुमति देने पर विरोध जताया था।

ओयो का मानना है कि इस कदम से परिवारों, छात्रों, व्यवसायियों और धार्मिक यात्रियों के लिए एक सुरक्षित और परेशानी मुक्त अनुभव प्रदान किया जा सकेगा। इसके अलावा, ओयो ने घोषणा की है कि वह समय-समय पर इस नीति का मूल्यांकन करेगी और यदि जरूरत पड़ी तो इसे अन्य शहरों में भी लागू कर सकती है। कंपनी ने अपने पार्टनर होटलों और पुलिस के साथ मिलकर सुरक्षित आतिथ्य प्रथाओं पर सेमिनार आयोजित करने की योजना बनाई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य अनैतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले होटलों को ब्लैकलिस्ट करना और ओयो ब्रांड को बेहतर और सुरक्षित बनाने के लिए कदम उठाना है।

अब विल्मर अपने हाई-मार्जिन वाले एफएमसीजी बिजनेस को बढ़ाएगी

विल्मर भारतीय बाजार में पेश कर सकती है वैश्विक एफएमसीजी ब्रांड

नई दिल्ली ।

भारत की सबसे बड़ी खाद्य तेल कंपनी अडाणी विल्मर लिमिटेड (एडब्लयूएल) से अडाणी समूह के बाहर निकलने के बाद विल्मर अपने हाई-मार्जिन वाले एफएमसीजी बिजनेस को बढ़ाने पर विचार करेगी। सूत्रों के अनुसार विल्मर आईटीसी के समान रणनीति अपनाते हुए अपने मुख्य व्यवसाय और व्यापक वितरण नेटवर्क का लाभ उठाने की तैयारी कर रही है। आईटीसी ने एफएमसीजी में विस्तार करने के लिए अपने मजबूत सिगरेट व्यवसाय का इस्तेमाल किया, उसी तरह एडब्लूएल अपने प्रमुख खाद्य तेल व्यवसाय का उपयोग एफएमसीजी वृद्धि के लिए आधार के रूप में करने के लिए तैयार है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने कहा कि अदाणी समूह के बाहर निकलने के बाद, विल्मर भारतीय बाजार में अधिक वैश्विक एफएमसीजी ब्रांडों को पेश कर सकती है। दिसंबर तिमाही में एडब्ल्यूएल के एफएमसीजी व्यवसाय ने मात्रा के लिहाज से सालाना आधार पर 24 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। कुल बिक्री की मात्रा में खाद्य और एफएमसीजी की हिस्सेदारी बढ़कर 20 प्रतिशत हो गई। इस खंड की कुल राजस्व में हिस्सेदारी बढ़कर नौ प्रतिशत हो गई। इससे पहले अडाणी एंटरप्राइजेज ने बताया था कि वह अडानी विल्मर लिमिटेड में 13 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी। रिपोर्ट के मुताबिक अडाणी एंटरप्राइजेज अडाणी विल्मर से बाहर निकलकर 2 अरब डॉलर (करीब 17000 करोड़ रुपये) से ज्यादा जुटाएगी।

दिसंबर 2024 में कारों की बिक्री में जबर्दस्त उछाल

नई दिल्ली । मारुति सुजुकी इंडिया ने दिसंबर 2024 में बिक्री में 30 प्रतिशत का उछाल दर्ज करते हुए 1,78,248 यूनिट का आंकड़ा पार किया। मारुति सुजुकी की प्रतिद्वंद्वी कंपनी हुंडई, एसयूवी निर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा और किआ मोटर्स ने भी कारें खूब बेचीं। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि दिसंबर में मारुति सुजुकी की कुल घरेलू बिक्री, जिसमें हल्के कमर्शियल वाहन और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर को आपूर्ति शामिल है, 1,32,523 यूनिट रही यानि 24.44 प्रतिशत रहा। पिछले साल इसी महीने में यह आंकड़ा 1,06,492 यूनिट था। दिसंबर 2024 में कुल घरेलू यात्री वाहन (पीवी) की बिक्री 1,30,117 यूनिट रही, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 1,04,778 यूनिट थी, जो 24.18 प्रतिशत अधिक है। मिनी कारों ऑल्टो और एस-प्रेसो की बिक्री इस महीने में बढ़कर 7,418 यूनिट हो गई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 2,557 यूनिट थी। इसी तरह, बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट और वैगनआर जैसी कॉम्पैक्ट कारों की बिक्री दिसंबर 2023 में 45,741 यूनिट से बढ़कर 54,906 यूनिट हो गई। कंपनी ने कहा कि ब्रेजा, एर्टिगा, फ्रोंक्स, ग्रैंड विटारा, इनविक्टो, जिम्नी और एक्सएल6 सहित कंपनी की एसयूवी ने दिसंबर 2024 में 55,651 यूनिट की बिक्री दर्ज की, जो पिछले साल इसी महीने में 45,957 यूनिट थी। एमएसआई ने कहा कि दिसंबर में उसका निर्यात 37,419 यूनिट रहा, जबकि एक साल पहले इसी महीने में 26,884 यूनिट का निर्यात हुआ था। इसी तरह, ऑटोमेकर किआ इंडिया ने बताया कि पिछले साल की तुलना में 2024 में कुल बिक्री में 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 2,55,038 यूनिट रही, जो अब तक की सबसे अधिक वार्षिक बिक्री है। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ने कहा कि कंपनी ने 2024 में 6,05,433 यूनिट की अब तक की सबसे अधिक वार्षिक घरेलू बिक्री दर्ज की है। कंपनी ने पिछले साल कुल 7,64,119 यूनिट (घरेलू और निर्यात सहित) की बिक्री हासिल की। दिसंबर के महीने में, एचएमआईएल ने 55,078 यूनिट (घरेलू 42,208 यूनिट घरेलू और 12,870 यूनिट निर्यात) की कुल मासिक बिक्री की जानकारी दी। एचएमआईएल के पूर्णकालिक निदेशक और मुख्य परिचालन अधिकारी तरुण गर्ग के अनुसार, उद्योग को बड़े पैमाने पर चुनौतियों का सामना करना पड़ा बावजूद इसके कंपनी 2024 में बिक्री की गति को बनाए

कंपनी ने अपने खुदरा कारोबार का विस्तार करने का लिया निर्णय

बेंगलुरु । रिवर भारत की जानी-मानी खुदरा कंपनी ने इस साल मार्च तक देशभर में 25 नए स्टोर्स खोलने की योजना घोषित की है। इस योजना के अंतर्गत कंपनी ने अपने खुदरा कारोबार का विस्तार करने का निर्णय लिया है। पहला स्टोर कोयंबटूर में कोठारी लेआउट पर खोला गया है, जो तमिलनाडु में इस प्रकार की दूसरी सुविधा है। रिवर के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने इस संबंध में कहा` कि चेन्नई में हमारे प्रथम स्टोर की सफलता के बाद हम अब पूरे तमिलनाडु में विस्तार के लिए तैयार हैं। हम अन्य राज्यों में भी अपनी सुविधाओं को पहुंचाने के उद्देश्य में कार्रवाई कर रहे हैं। कंपनी का लक्ष्य वार्षिक आय को दोगुना करना है, और इसके लिए वह कई उद्यानिकरण कार्यक्रम चला रही है। अल फुतैम ग्रुप, यामाहा मोटर सहित मित्सुई एंड कंपनी लिमिटेड जैसे बड़े निवेशकों का समर्थन कंपनी को मिल रहा है। रिवर वर्तमान में अपने लोकप्रिय स्कूटर इंडी की खुदरा कीमत 1,42,999 रुपये पर बेच रही है और इसके साथ ही नए स्टोर्स में ई-मोबिलिटी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। रिवर की यह पहल बाजार में बड़ी संभावनाएं बनाती है और उसे एक विशेष स्थान देती है।

कस्टम ड्यूटी कटौती के बाद सोने का आयात बढ़ा, सरकार ने शुरु की समीक्षा

नई दिल्ली । सरकार ने सोने समेत करीब दो दर्जन वस्तुओं पर कस्टम ड्यूटी की समीक्षा शुरू कर दी है। इसके पीछे का मुख्य कारण है सोने की खपत में वृद्धि तथा आयात की बढ़ती संख्या। सोने के आयात में 2024 में भारी वृद्धि का मामला एक बड़ी चिंता का विषय बन गया है। इसके विपरीत रत्न और आभूषण का निर्यात घटा है। सरकार ने पहले ही सोने और चांदी की छड़ों पर कस्टम ड्यूटी कम करके घरेलू स्तर पर वैल्यू एडिशन को बढ़ावा देने का प्रयास किया था। हालांकि, इसके बावजूद सोने के आयात में भारी वृद्धि होने के कारण तैयारियाँ चल रही हैं कि क्या ड्यूटी में वृद्धि का निर्णय लिया जाए। दिसंबर 2024 में सरकार को इस समस्या पर गहन विचार करने के निर्णय का स्पष्ट रूप से उठाना होगा क्योंकि 'मेक इन इंडिया' और निर्यात की राह पर भी दिक्कत हो सकती है। इसलिए उचित नीतियों को बनाने के लिए सभी पक्षों के सुझाव और आंकड़ों का विश्लेषण करना महत्वपूर्ण है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की नजर में एक सही निर्णय के लिए इस समस्या को समझना और उसका समाधान ढूंढना महत्वपूर्ण है। जल्द ही इस मुद्दे पर सरकार का उत्तर आएगा।

क्रूड में तेजी से कई शहरों में पेट्रोल-डीजल हुआ महंगा!

- ब्रेंट क्रूड का भाव चढ़कर 76.44 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ने लगी है। ब्रेंट क्रूड का भाव तो 77 डॉलर तक हो गया है जिसका असर सोमवार सुबह देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर भी दिखा। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी ताजा भाव में सोमवार को कई शहरों में तेल के खुदरा दाम बढ़े हुए दिख रहे हैं. हालांकि, देश के चारों महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं दिख रहा है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 10 पैसे सस्ता होकर 94.77 रुपये लीटर बिक रहा है। डीजल भी 12 पैसे गिरा और 87.89 रुपये लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 20 पैसे महंगा होकर 94.70 रुपये लीटर तो डीजल 23 पैसे बढ़कर 87.67 रुपये लीटर बिक रहा है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 17 पैसे सस्ता होकर 105.41 रुपये लीटर तो डीजल 16 पैसे टूटकर 92.26 रुपये लीटर बिक रहा है।कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में बढ़त दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव चढ़कर 76.44 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई का भाव भी बढ़त के साथ 73.95 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है। गाजियाबाद में पेट्रोल 94.70 रुपये और डीजल 87.81 रुपये प्रति लीटर हो गया है। नोएडा में पेट्रोल 94.77 रुपये और डीजल 87.89 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 105.41 रुपये और डीजल 92.26 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद, सेंसेक्स 1258 अंक गिरा

निफ़्टी 24 हजार से नीचे आया, निवेशकों को 6 लाख करोड़ का नुकसान

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के मामले आने से भी बाजार टूटने लगा।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1258 अंक करीब 1.59 फीसदी नीचे आकर 77,964.99 पर बंद हुआ। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भारी बिकवाली बिकवाली के बाद 388.70 अंक तकरीबन 1.62 फीसदी की बड़ी गिरावट के साथ ही 23,616.05 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से सनफार्मा और टाइटन को छोड़कर सभी शेयर गिरे हैं। टाटा स्टील का शेयर सबसे ज्यादा 4 फीसदी से ज्यादा नीचे आया। इसके अलावा कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स समेत सभी अन्य शेयरों में भी गिरावट रही।

कर्नाटक में एचएमपीवी संक्रमण के दो मामले सामने आए हैं। इससे भी बाजार में भय का माहौल आया।

टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफ़सी बैंक, कोटक बैंक, टाटा मोटर्स और आईटीसी जैसे हैवी वेटेज वाले शेयरों में बिकवाली से भी बाजार नीचे आया है। वहीं अन्य बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी लाभ में रहा, जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग तथा जापान का निक्की गिरावट पर रहे जबकि अमेरिकी बाजार शुक्रवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स और निफ्टी सप्ताह के पहले कारोबारी` दिन सोमवार को तेजी के साथ खुले थे। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 50 से ज्यादा अंक चढ़कर 79,281.65 पर खुला। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी सुबह शुरुआत में यह 13.30 अंक की मामूली गिरावट लेकर 23,991.45 पर कारोबार कर रहा था।

आईईएक्स ने दिसंबर में 11,132 एमयू का सर्वाधिक मासिक बिजली कारोबार किया

16.62 लाख नवीनीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्रों का कारोबार किया

नई दिल्ली। भारतीय ऊर्जा एक्सचेंज (आईईएक्स) ने दिसंबर में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है, जिसमें उन्होंने सालाना आधार पर 29 प्रतिशत अधिक 1113.2 करोड़ यूनिट (एमयू) की अब तक की सबसे अधिक मासिक बिजली कारोबार` किया है। इसके साथ ही आईईएक्स ने 16.62 लाख नवीनीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्रों का कारोबार किया, जो सालाना आधार पर 58 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। आईईएक्स ने वित्त वर्ष 2024-25 के नौ महीनों में सालाना आधार पर 8898.1 करोड़ यूनिट का बिजली कारोबार किया, जिसमें 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाई गई। यह वृद्धि कीमतों को नियंत्रित करने में मदद करती है।` दिसंबर 2024 के महीने के लिए डे अहेड मार्केट (डीएएम) के मार्केट क्लियरिंग प्राइस ने 3.89 रुपये प्रति यूनिट की गिरावट दर्शाई। इस वृद्धि के साथ आईईएक्स ने ऊर्जा सेवाओं में भारतीय उपभोक्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है और ऊर्जा संयंत्रों की लोकप्रियता को बढ़ाने में मदद की है। आईईएक्स के सफलता के साथ भारतीय ऊर्जा बाजार में नए उत्साह की भावना फैल रही है और ऊर्जा संयंत्रों के संचय और वितरण में सुधार लाने के लिए नए अवसर उपलब्ध हो सकते हैं।

मैक्रोटेक डेवलपर्स की बिक्री बुकिंग 32 प्रतिशत बढ़कर 4,510 करोड़ पहुंची

- 2023 में बिक्री बुकिंग 3,410 करोड़ रुपये रही थी

नई दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी मैक्रोटेक डेवलपर्स लिमिटेड की बिक्री बुकिंग में तेजी देखी जा रही है। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी ने सालाना आधार पर 32 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हुए 4,510 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग दर्ज की। इससे पहले, 2023 में यही तिमाही में बिक्री बुकिंग 3,410 करोड़ रुपये रही थी। मैक्रोटेक डेवलपर्स का वित्त वर्ष 2024-25 के पहले नौ महीनों का कारोबार भी कर रहा है। उन्होंने इस वित्त वर्ष के दौरान बिक्री बुकिंग में 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जो पिछले वर्ष की समयावधि में 10,300 करोड़ रुपये से बढ़कर 12,820 करोड़ रुपये हो गई है। मैक्रोटेक डेवलपर्स की लोढ़ा ब्रांड के तहत संपत्तियां बेचने वाली यह कंपनी देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपरों में से एक है। उनकी मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) और पुणे आवासीय संपत्ति बाजार में मजबूत उपस्थिति है, जिसके अलावा उन्होंने बेंगलुरु आवास बाजार में भी अपनी अच्छी पहचान बनाई है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उनकी सर्वश्रेष्ठ तिमाही बिक्री बुकिंग दर्ज करने पर उन्हें गर्व महसूस हो रहा है, और वे हर साल के मुकाबले नए ऊंचाईयों की ओर बढ़ रहे हैं।

भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की मांग में वृद्धि का अनुमान: रिपोर्ट

- यह वृद्धि मुख्य रूप से उपभोक्ता, औद्योगिक और बुनियादी ढांचे की बढ़ती मांग के कारण होगी

नई दिल्ली ।

फिच रेटिंग्स ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें 2025 में समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष में भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की मांग में 3 से 4 फीसदी तक की वृद्धि का अनुमान जताया गया है। इसके आधार पर, फिच ने दर्शाया है कि यह वृद्धि मुख्य रूप से उपभोक्ता, औद्योगिक और बुनियादी ढांचे की बढ़ती मांग के कारण होगी। रिपोर्ट के अनुसार, इस वृद्धि से भारत की जीडीपी में 6.4 फीसदी तक का इजाफा हो सकता है। डीजल और पेट्रोल की मांग के कारण, जो भारतीय पेट्रोलियम उत्पादों का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, पेट्रोलियम उत्पादों की खपत में यह वृद्धि होने का अनुमान है। फिच ने बताया कि वित्त वर्ष 25 के पहले सात महीनों में पेट्रोलियम उत्पादों की खपत में 3 फीसदी की वृद्धि हुई है, जबकि वित्त वर्ष 24 में यह वृद्धि 5 फीसदी रही थी। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारतीय तेल विपणन कंपनियां वित्तीय वर्ष 2025 में रिफाइनिंग मार्जिन पर दबाव का सामना कर सकती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, रिफाइनिंग मार्जिन मध्य-चक्र स्तर से नीचे गिर सकते हैं, जो क्षेत्रीय स्तर पर अति आपूर्ति, कम उत्पाद दरों और कच्चे तेल की किस्मों के बीच मूल्य अंतर के कारण हो सकता है। अगले वर्ष में सुधार की संभावना है, जो क्षेत्रीय ओवरसप्लाई में कमी और ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के साथ आ सकता है। फिच रेटिंग्स के अनुसार, भारतीय तेल विपणन कंपनियों को रिफाइनिंग और विपणन के बीच संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन लंबी अवधि में स्थिति में सुधार के संकेत भी मिल रहे हैं। एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड जैसी शुद्ध रिफाइनर कंपनियों को अपनी मार्केटिंग ऑपरेशंस की कमी के कारण अधिक लाभप्रदता की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। फिच की रिपोर्ट में पेट्रोलियम सेक्टर में भारत की वित्तीय मजबूती के संकेत छुपे हैं, जो आसपासी और अंतरराष्ट्रीय दौरों में एक गंभीर विषय है। अगले सालों में रिफाइनिंग मार्जिन में सुधार के साथ, उत्पादों की मांग और मुद्रा निर्भरता पर भारत की आर्थिक स्थिति पर व्यापक प्रभाव हो सकता है।

पिछले वर्ष नए कार्यालय स्थल में आपूर्ति में छह प्रतिशत की गिरावट

कार्यालय स्थल की मांग 2024 में 885.2 लाख वर्ग फुट हुई, जो 2023 में 745.6 लाख वर्गफुट थी

नई दिल्ली । देश के आठ प्रमुख शहरों में 2024 में नए कार्यालय स्थल की आपूर्ति में सालाना आधार पर छह प्रतिशत की गिरावट आई है। इस दौरान मांग अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई है। इस जानकारी की पुष्टि करते हुए एक रियल एस्टेट सलाहकार ने रिपोर्ट जारी की है। यह रिपोर्ट दर्शाती है कि देश के आठ प्रमुख शहरों में 2024 के दौरान कार्यस्थल की नई आपूर्ति में गिरावट आई है। कुल कार्यालय स्थल की मांग 2024 में 885.2 लाख वर्ग फुट हो गई है, जो 2023 में 745.6 लाख वर्गफुट थी। इस गिरावट के बीच, दिल्ली-एनसीआर, पुणे, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता और अहमदाबाद में नई आपूर्ति में गिरावट आई है, जबकि मुंबई में इसमें उछाल आया है। विभिन्न शहरों में, नई आपूर्ति की संख्या और जानकारी इस प्रकार है- - मुंबई- 83.2 लाख वर्ग फुट, बेंगलुरु- 133.4 लाख वर्ग फुट, दिल्ली-एनसीआर- 46.8 लाख वर्ग फुट, चेन्नई- 21.7 लाख वर्ग फुट, पुणे- 42.2 लाख वर्ग फुट, हैदराबाद- 102.1 लाख वर्ग फुट, कोलकाता- 13.2 लाख वर्ग फुट, अहमदाबाद- 22.1 लाख वर्ग फुट। इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि वैश्विक और घरेलू कंपनियों की मांग के बावजूद, नए कार्यालय स्थल की आपूर्ति में गिरावट आई है।

अब छह माह बाद जून में ही टेस्ट सीरीज खेलेगी भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम का ऑस्ट्रेलिया दौरा समाप्त हो गया है। अपने दो माह के इस दौरे में भारतीय टीम को अंत में 3-1 से सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। इसके साथ ही पिछले एक दशक से उसके पास रही बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी भी हाथ से निकल गयी है। इस सीरीज में दोनो ही टीमें बड़े स्कोर नहीं बना पायीं। भारतीय टीम की बल्लेबाजी पूरी तरह से संघर्ष करती दिखी। अब भारतीय टीम करीब छह महीने के बाद जून में टेस्ट खेलेगी और उसका लक्ष्य इस ऑस्ट्रेलिया दौरे की गलतियों को सुधारना रहेगा। भारतीय क्रिकेट टीम अब जून में टेस्ट सीरीज खेलने उतरेगी। ये टेस्ट सीरीज इंग्लैंड में होगी। टीम इंडिया इंग्लैंड के दौरे में 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इस सीरीज का पहला टेस्ट मैच 20 जून से हेडिंग्ले में खेला जाएगा जबकि दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से बर्मिंघम में। वहीं तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से लॉडर्स में ओर

चौथा 23 जुलाई से मैनचेस्टर में होगा। पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच 31 जुलाई से द ओवल में खेला जाएगा। सीरीज के पांचों टेस्ट मैच भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 3ः30 बजे से खेले जाएंगे। भारतीय टीम इसी महीने जनवारी में इंग्लैंड की मेजबानी करेगी, इस सीरीज में टेस्ट मैच नहीं खेले जाएंगे। भारतीय टीम इस घरेलू सीरीज में 3 एकदिवसीय और 5 टी20 मैच खेलेगी। इस सीरीज की शुरुआत 22 जनवरी से होगी. दोनों टीमें पहले टी20 में कोलकाता में आमना-सामना करेंगी जबकि सीरीज का दूसरा टी20 मैच 25 को चेन्नई में वहीं तीसरा टी20 मैच 28 को राजकोट में खेला जाएगा। चौथा टी20 मैच 31 जनवरी को पुणे में जबकि पांचवां और आखिरी टी20 दो फरवरी को मुंबई में खेला जाएगा।टी20 सीरीज के बाद भारतीय टीम इंग्लैंड से 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज में भी मुकाबला करेगी। वनडे सीरीज की शुरुआत 6 फरवरी से नागपुर में होगी जबकि दूसरा एकदिवसीय 9 फरवरी को कटक में जबकि तीसरा और आखिरी एकदिवसीय 12 फरवरी को अहमदाबाद में खेला जाएगा। इसके बाद भारतीय टीम फरवरी में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के लिए यूएई जाएगी।

लीजेंड 90 लीग में दिल्ली रॉयल्स की कप्तानी करेंगे धवन

-सिंटस टेलर सहित कई पूर्व क्रिकेटर खेलते दिखेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले माह होने वाले लीजेंड 90 लीग में भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन दिल्ली रॉयल्स की कप्तानी करते नजर आयेंगे। इस टीम में न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर रोस टेलर, वेस्टइंडीज के पूर्व सलामी बल्लेबाज लेंडल सिमंस, श्रीलंका के एंजेलो परेरा, भारतीय ऑलराउंडर बिपुल शर्मा और वेस्टइंडीज के रयाद एमरिट भी शामिल रहेंगे। लीग में 7 फ्रेंचाइजी हिस्सा लेंगी और कई कई पूर्व क्रिकेटर भी नजर आयेंगे। मन्नत समूह के स्वामित्व वाली दिल्ली रॉयल्स की टीम राष्ट्रीय राजधानी की भावना और गौरव का प्रतीक है। टीम के मालिकों ने कहा कि अनुभव और कौशल से भरपूर उनकी टीम बेहतर प्रदर्शन करेंगी। मन्नत ग्रुप के चेयरमैन देवेंदर कादयान ने कहा कि, हमें पूरा विश्वास है कि धवन और टेलर जैसे खिलाड़ियों के रहते दिल्ली रॉयल्स लीजेंड 90 लीग में एक बेंचमार्क स्थापित करेगी। हमने ऐसी टीम तैयार करने की कोशिश की है जो, मैदान के अंदर और बाहर दोनों ही जगह मजबूती से एक दूसरे के साथ खड़ी रहे।

वहीं ग्रुप के प्रतिनिधि मंदीप मलिक ने कहा कि, हम काफी भाग्यशाली हैं, जो टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए हमें इतने बेहतरीन खिलाड़ी मिल पाए हैं। शिखर धवन, रॉस टेलर, लेंडल सिमंस जैसे कई दिग्गजों से सजी हमारी टीम अनुभव और प्रतिभा से भरी हुई है। हमें पूरी उम्मीद है कि दिल्ली रॉयल्स लीजेंड 90 लीग में जबरदस्त प्रदर्शन करेगी।÷ पिछले सप्ताह एक समारोह के दौरान दिल्ली रॉयल्स ने अपने आधिकारिक लोगो का अनावरण किया था। कवच और ढाल से सजा या यह लोगो टीम की लड़ने की क्षमता, उत्कृष्टता, ताकत, लचीलेपन और वीरता का प्रतीक है।लीजेंड 90 लीग सिर्फ एक क्रिकेट टूर्नामेंट है जिसके जरिये कई पूर्व क्रिकेटरों को एक बार फिर एक मंच पर लाया जा रहा है। इससे उन्हें उसी प्रदर्शन को दोहराने का अवसर दिया जा रहा है जो वह कभी करते थे।

डब्ल्यूटीसी सीरीज में 200 विकेट लेने वाले एकमात्र गेंदबाज हैं कमिंस

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान और तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर पैट कमिंस विश्व टेस्ट चैम्पियनशित (डब्लयूटीसी) सीरीज में 200 विकेट लेने वाले विश्व के एकमात्र गेंदबाज हैं। कमिंस ने भारतीय टीम के खिलाफ सिडनी में ये अहम उपलब्धि हासिल की है। कमिंस की कप्तानी में ही ऑस्ट्रेलिया ने गत वर्ष डब्ल्यूटीसी खिताब जीता था। तब उसने द ओवल में हुए फाइनल में भारतीय टीम को हराया था। कमिंस ने भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज के पांचवें टेस्ट मैच के तीसरे दिन वॉशिंगटन सुंदर को दूसरी पारी में आउट कर अपने विकेटों का दोहरा शतक लगाया है। कमिंस से पहले किसी गेंदबाज ने इतने विकेट नहीं लिए थे।

सुंदर ने सिडनी टेस्ट मैच में 43 गेंदों पर 13 रन बनाए और उन्हें कमिंस ने भारतीय पारी के 43वें ओवर की चौथी गेंद पर साफ बोल्ड किया। डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में तीन ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज है। इस सूची में कमिंस के बाद ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर नाथन लॉयन हैं। लॉयन ने 48 टेस्ट में 196 विकेट लिए हैं। वहीं भारत के दिग्गज स्पिनर आर अश्विन 195 विकेट के साथ तीसरे नंबर पर हैं। अश्विन ने 41 मैचों में यह ये विकेट लिए

हैं वहीं ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क 43 मैचों में 165 विकेट के साथ चौथे जबकि भारत के जसप्रीत बुमराह 35 मैचों में 156 विकेट के साथ पांचवें नंबर पर हैं। कमिंस ने सबसे तेज 200 विकेट का आंकड़ा लिया है।

भारत क खिलाफ पांच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में कमिंस ने सबसे ज्यादा 25 विकेट लिए। उन्होंने 2023-25 डब्ल्यूटीसी सत्र में भारत के खिलाफ 17 टेस्ट में 73 विकेट लिए हैं। डब्ल्यूटीसी के एक सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में कमिंस तीसरे नंबर पर हैं. इस सूची में शीर पर लायन 88 विकेट लेकर पहले जबकि बुमराह 77 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं जबकि कमिंस तीसरे नंबर पर हैं। कमिंस ने सिडनी टेस्ट मैच की पहली पारी में वॉशिंगटन सुंदर और जसप्रीत बुमराह को आउट किया था जबकि दूसरी पारी में उन्होंने विकेटकीपर ऋषभ पंत को आउट किया था।

गौतम गंभीर का सीनियर खिलाड़ियों से घरेलू क्रिकेट खेलने का आग्रह

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम के खराब प्रदर्शन को सीनियर खिलाड़ियों से भी घरेलू क्रिकेट खेलने को कहा है। गंभीर ने कहा कि अगर आप घरेलू क्रिकेट नहीं खेलते तो बेहतर टेस्ट खिलाड़ी भी नहीं बन सकते। इससे पहले भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने भी कहा था कि सभी खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिये और जो खिलाड़ी ऐसा नहीं करते उन्हें टीम में जगह नहीं मिलनी चाहिये। वहीं मुख्य कोच गौतम गंभीर ने खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित शर्मा और विराट कोहली के टीम में रहने को लेकर कहा कि इस बारे में ये दोनो स्वयं ही तय करेंगे। इनमें अब भी शीर्ष स्तर के प्रदर्शन की ललक है। साथ ही कहा कि सभी सीनियर खिलाड़ियों से घरेलू क्रिकेट खेलकर टेस्ट क्रिकेट के लिए अपनी प्रतिबद्धता साबित करनी चाहिये। गंभीर ने ये नहीं बताया कि रोहित और कोहली भविष्य में टेस्ट टीम का हिस्सा होंगे या नहीं। उन्होंने कहा कि अगली टेस्ट सीरीज होने में अभी छह माह का समय है।

गंभीर ने कहा, अभी इस पर बात करने का समय नहीं है कि छह महीने बाद हम कहां होंगे। खेल में बहुत कुछ बदलता है। फॉर्म के साथ ही लोग भी बदल जाते हैं। उन्होंने कहा, इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई में होने वाली सीरीज के समय देखेंगे कि क्या होता है। लेकिन जो भी होगा, वह भारतीय क्रिकेट के हित में होगा। कप्तान रोहित शर्मा अपने खराब फॉर्म के कारण अंतिम टेस्ट में नहीं

उतरे थे। इस सीरीज में वह पांच पारियों में केवल 31 रन बना पाये थे, वहीं विराट ने नौ पारियों में 190 रन बनाए थे। कोहली आठ बार स्लिप में कैच होकर आउट हुए थे।

गंभीर ने यह भी कहा कि वह चाहते हैं कि सीनियर खिलाड़ी 23 जनवरी से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी में कम से कम एक दौर खेलें। उन्होंने कहा, मैं हमेशा चाहता हूं कि सभी घरेलू क्रिकेट खेलें। घरेलू क्रिकेट को महत्व मिलना चाहिए। साथ ही कहा कि अगर वे उपलब्ध हैं और टेस्ट क्रिकेट के लिए प्रतिबद्ध हैं, तो हर किसी को घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए। अगर आप घरेलू क्रिकेट को महत्व नहीं देते तो टेस्ट क्रिकेट की जरुरत के अनुसार खिलाड़ी नहीं निकलेंगे। वहीं रोहित और कोहली के भविष्य के बारे में अटकलों पर गंभीर ने कहा कि वे दोनों तय करेंगे कि भारतीय क्रिकेट के लिए क्या सबसे अच्छा है। मैं किसी खिलाड़ी के भविष्य के बारे में बात नहीं कर सकता, यह उन्हें तय करना है, लेकिन मैं इतना कह सकता हूं कि उनमें अभी भी भूख और जुनून है। वे दृढ इंसान हैं और उम्मीद है कि भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाते रहेंगे।

हरभजन ने बुमराह की प्रशंसा करते हुए कहा, वह नहीं होते तो भारतीय टीम 5–0 से हारती

मुम्बई । भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम के खराब प्रदर्शन पर निराश जतायी है। हरभजन ने हालांकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर सराहना की है। हरभजन के अनुसार अगर बुमराह बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में नहीं होते तो भारतीय टीम 5–0 से सीरीज हारती। केवल बुमराह ही एकमात्र ऐसे भारतीय थे जो मेजबान टीम को परेशान किये हुए थे। बुमराह ने अपने प्रदर्शन से इस सीरीज में कई उपलब्धियों को भी हासिल किया। पर्थ में सीरीज के पहले मैच में भारत की रिकॉर्ड–तोड़ 295 रन की जीत में उनकी गेंदबाजी की अहम भूमिका थी। बुमराह ने इसके बाद के मैचों में भी कसी हुई गेंदबाजी कर मेजबानों को परेशान करना जारी रखा। वह सीरीज के अंत में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में सामने आये। इस कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब दिया गया। भारत की सीरीज हार के बावजूद बुमराह के प्रदर्शन की सभी ने सराहना की। हरभजन ने बुमराह की प्रशंसा की करते हुए कहा कि उन्हें भारतीय टीक को करारी हार से बचाया। अगर वह सीरीज में नहीं होते तो भारत 5–0 या 4–0 से हार जाता।

बल्लेबाजी शैली में बदलाव के कारण विफल रहे शुभमन : पोंटिंग

मेलबर्न । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल अपने इस ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रन बनाने में विफल रहे हैं। इसी को लेकर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि शुभमन ने अपनी बल्लेबाजी शैली में पिछले कुछ समय में बदलाव किये हैं, इसलिए लिए वह विदेश दौरों पर असफल हो रहे हैं। उन्हें इससे उबरने अपना आत्मविश्वास बनाये रखना होगा इसके अलावा अपनी रक्षात्मक तकनीक को भी बेहतर करना होगा। गिल अंगूठे की चोट के कारण बॉर्डर गावस्कर

ट्रॉफी में पहला टेस्ट नहीं खेल सके थे। वहीं एडीलेड में दूसरे टेस्ट में वह अच्छी शुरूआत को बड़ी पारियों में नहीं बदल सके। ब्रिसबेन में तीसरे टेस्ट में भी वह पहली पारी में रन नहीं बना पाये। मेलबर्न में उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। इसके बाद सिडनी में उन्हें शामिल किया गया पर वह वहां भी असफल रहे। पोंटिंग ने कहा, 'मुझे उसे खेलते देखना पसंद है। जब आप उसे अच्छी बल्लेबाजी करते देखें तो उसका कोई जवाब नहीं है पर विदेश में उसका प्रदर्शन वैसा नहीं रहा है। पोंटिंग ने कहा कि एडीलेड में दूसरे टेस्ट में उन्होंने इस युवा बल्लेबाज की तकनीक में काफी बदलाव देखे जिससे उनसे रन नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैने एडीलेड में उसे बल्लेबाजी करते देखा और लगा कि उसने काफी बदलाव कर लिया है। स्कॉट बोलैंड गेंदबाजी कर रहा था और उसने ऑफ स्टम्प पर पड़ती गेंद पर फ्रंट पैड आगे कर विकेट गंवा दिया। पोंटिंग ने कहा कि शैली में बदलाव करने की जगह शुभमन को अपने आप पर भरोसा करके बल्लेबाजी में सुधार करना चाहिए था। उन्होंने कहा, 'उसे अपनी रक्षात्मक तकनीक को और बेहतर करना होगा जिससे वह रन बना सके। उसने अपने देश में या दुनिया में हर जगह आक्रामक होकर रन बनाए हैं। वह आउट होने के बारे में नहीं बल्कि रन बनाने के बारे में ही सोचता आया है। उसे उसी मानसिकता के साथ खेलना चाहिये।

रणजी ट्रॉफी खेलकर तकनीकी गलतियों को ठीक करें भारतीय टीम के खिलाड़ी : गावस्कर

-नहीं खेलने वालों के प्रति सख्त रवैयार अपनायें कोच गंभीर

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टीम के सभी खिलाड़ियों से रणजी ट्रॉफी में खेलने को कहा है। गावस्कर ने कहा कि रणजी खेलकर खिलाड़ी अपनी तकनीकी कमियों को दूर कर सकते हैं। उनका मानना है कि इससे न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने बल्लेबाजी में जो गलतियां की थी वह ठीक होंगी। गावस्कर ने कहा कि न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में भारतीय बल्लेबाज अपनी गलतियों के कारण विफल रहे थे। भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी ही धरती पर 0-3 से हार का सामना करना पड़ा जबकि ऑस्ट्रेलिया में टीम को 1-3 से हार झेलनी पड़ी।

गावस्कर ने कहा, 23 जनवरी से रणजी ट्रॉफी का अगला दौर है। उसमें सभी फिट

खिलाड़ियों को खेलना चाहिये। उसमें नहीं खेलने के लिए जो भी बहाना बनाये उसे भारतीय टीम में जगह नहीं दें। उनका मानना था कि अगर खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी नहीं खेलते हैं, तो कोच गौतम गंभीर को उनके खिलाफ सख्त रवैया अपनाना चाहिये। उन खिलाड़ियों के खिलाफ सख्त फैसले लेने ही होंगे। उन्होंने कहा, गंभीर को कहना चाहिए कि तुम्हारे पास वह प्रतिबद्धता नहीं है। हमें प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। तुम खेल नहीं रहे हो, तुम जो करना चाहते हो करो पर तुम्हें टेस्ट टीम में जगह नहीं मिलेगी।

गावस्कर ने यह भी कहा कि भारतीय बल्लेबाजों के रवैये में जो खामियां आई हैं वे घरेलू क्रिकेट के जरिये ही ठीक की जा सकती हैं। मैंने जो देखा वह तकनीकी कमियां थीं। यदि आप समान गलतियां कर रहे हैं, तो आपको इन्हें सुधारने की जरूरत है। यह सिर्फ इस सीरीज की बात नहीं है, बल्कि न्यूजीलैंड सीरीज के दौरान भी यही हुआ था। साथ ही कहा कि आगामी 2025-2027 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र को देखते हुए घरेलू क्रिकेट के महत्व को स्वीकार कतरे हुए भारत को अब युवा क्रिकेटरों जैसे यशस्वी जायसवाल और नितीश कुमार रेड्डी पर अधिक ध्यान देना चाहिए।गावस्कर ने कहा, वे देश और टीम के लिए नाम कमाने के लिए भूखे हैं। ऐसे खिलाड़ियों की ही हमें जरूरत है। अब देखते है कि कितने खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट खेलते हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बुमराह का बाहर रहना तय, पीठ में जकड़न से हैं पीड़ित

सिडनी । तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ में जकड़न के कारण इंग्लैंड के टी20 सीरीज से बाहर रहेंगे हालांकि वह एकदिवसीय सीरीज का एकाध मैच खेल सकते हैं। भारतीय टीम प्रबंधन अगले माह होने वाली आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी को देखते हुए उसे इन मैचों से आराम दे सकता है। बुमराह ने बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे अधिक 32 विकेट लिए थे। वह पीठ की जकड़न के कारण ही ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर पाये थे। उन्होंने पांच मैचों की इस श्रृंखला में 150 से ज्यादा ओवर फेंके। माना जा रहा है कि बुमराह अत्यधिक कार्यभार के कारण ही चोटिल हुए है और ऐसे में अब बीसीसीआई उनकी फिटनेस को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहती है। चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम का प्रदर्शन बुमराह पर ही आधारित रहेगा। इस प्रतियोगिता में भारत का प्रदर्शन काफी हद तक बुमराह की मौजूदगी पर निर्भर करेगा।

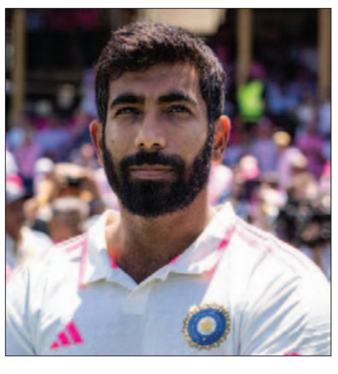

बुमराह की पीठ की जकड़न कितनी अधिक है अभी ये पता हीं चला है। भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को दुबई में बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज से करेगी। बुमराह की चोट अगर ग्रेड एक श्रेणी की रहेगी तो अन्हें कम से कम तीन सप्ताह तक रिहैबिलिटेशन में रहना होगा। ग्रेड दो की चोट से उबरने में छह सप्ताह लग सकते हैं जबकि गंभीर माने जाने वाले ग्रेड तीन के लिए कम से कम तीन महीने के आराम और रिहैब की जरुरतत होती है। चैम्पियंस ट्रॉफी को देखते हुए इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय में उनके तीन में से कम दो मैच खेलने का अनुमान था पर अब ये सब उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा।

दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच 11 जून से होगा डब्ल्यूटीसी फाइनल

लॉर्ड्स । आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल 11 जून से इंग्लैंड के लॉर्ड्स स्टेडियम में खेला जाएगा। इसमें दक्षिण अफ़्रीका और ऑस्ट्रेलिया की टीमों के बीच खिताब के लिए टक्कर होगी। दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान जबकि ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी में भारत को हराकर फाइनल में जगह बनायी है। यह मुक़ाबला 11 से 15 जून के बीच लॉर्ड्स में खेला जाएगा। दक्षिण अफ़्रीका फ़ाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी थी। उन्होंने वेस्टइंडीज़, बांग्लादेश 2008 के बाद एशिया में पहली सीरीज़ जीत और श्रीलंका के ख़िलाफ़ सीरीज़ जीती, जबकि भारत के ख़िलाफ़ घरेलू सीरीज़ ड्रॉ रही और न्यूज़ीलैंड में उन्हें हार का सामना करना पड़ा, जहां उन्होंने कमज़ोर टीम के साथ दौरा किया था। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फ़ाइनल में जगह बनाना दक्षिण अफ़्रीका के लिए सपनों की तरह रहा, जो इस साल की शुरुआत में पुरुष और महिला टी20 वर्ल्ड कप में उपविजेता भी रहे थे। दक्षिण अफ़्रीका के कप्तान तेम्बा बवुमा ने पिछले हफ़्ते फ़ाइनल में क्वालिफ़ाई करने के बाद कहा, यह सभी के लिए एक बड़ी मेहनत का परिणाम है, और ऐसा लगता है कि पिछले 12 महीनों की कड़ी मेहनत रंग लाई है। अलग–अलग मौक़ों पर अलग–अलग खिलाड़ियों ने अहम योगदान दिया है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के कप्तान कमिंस ने कहा, हमारे लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की बहुत अहमियत हैं। यह एक ऐसी ट्रॉफ़ी है, जिसे हम गर्व से देखते हैं। साथ ही इस ख़िताब की रक्षा करने के लिए हम बहुत उत्साहित हैं। मुझे लगता है कि यह एक बेहतरीन टूर्नामेंट है क्योंकि इसमें लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होता है और अलग–अलग हालातों में अलग–अलग टीमों के ख़िलाफ़ खेलना होता है। हम फ़ाइनल खेलने के लिए काफ़ी उत्साहित हैं।

राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप : वरुण ने एयर पिस्टल स्पर्धा में डबल्स खिताब जीता

नई दिल्ली । वरुण तोमर ने डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में खेले जा रहे 67वें राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप (एनएससीसी) में सीनियर और जूनियर पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं में डबल्स खिताब जीता है। वरुण पिछले साल पेरिस ओलंपिक की टीम में जगह नहीं बना पाये थे। वरुण ने सीनियर फाइनल में धीमी शुरुआत से उबरते हुए अपने साथी प्रद्युम्न सिंह को हराकर पहला राष्ट्रीय खिताब अपने नाम किया है। वहीं राजस्थान के आकाश भारद्वाज ने कांस्य पदक अपने नाम किया। मौजूदा एशियाई चैंपियन और कई बार आईएसएसएफ पदक जीतने वाले वरुण की जूनियर फाइनल में भी धीमी शुरुआत रही पर उन्होंने जल्दी ही बढ़त बना ली। वरुण का सीनियर फाइनल में स्कोर 238 था, जबकि जूनियर फाइनल में उनका स्कोर 246.2 रहा। वहीं प्रद्युम्न ने जूनियर पुरुष एयर पिस्टल में कांस्य पदक हासिल किया। युवा फाइनल में यूपी 1–2 से आगे रहा, जब चिराग शर्मा ने 24 शॉट के बाद 14 वर्षीय देव प्रताप को 1.3 के अंतर से हराया। चिराग ने 241.8 का स्कोर किया। वहीं राजस्थान के मयंक चौधरी ने तीसरा स्थान हासिल करते हुए कांस्य पदक जीता।

60 प्लस के पति-पत्नी ने रोशन किया देश का नाम, वेट लिफ्टिंग वर्ल्ड कप में हासिल किया पहला स्थान

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी) । पंजाब के पठानकोट स्थित गुलशन शर्मा और उनकी पत्नी नीना शर्मा ने रूस की राजधानी मास्को में वेट लिफ्टिंग वर्ल्ड कप की अलग-अलग कैटेगरी में पहला स्थान प्राप्त कर मिसाल कायम की है। 67 साल की उम्र में गुलशन और 62 की उम्र में नीना ने यह उपलब्धि हासिल की है।

अमेरिकन आईपीएल फेडरेशन ने मास्को स्टेडियम में 20, 21 और 22 दिसंबर को वर्ल्ड कप आईपीएल 2024 का आयोजन किया था जिसमें फिटनेश को समर्पित दुनियाभर से लोग पहुंचे या प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए भारत से 16 लोगों ने हिस्सा लिया था। इसके लिए अंबेसी में स्पांसरशिप के जरिए उन्हें वीजा मिला था और वे मास्को गए। गुलशन ने आईपीएल बैंच प्रेस रा एज मास्टर्स (65-69 ग्रुप और वेट क्लास 75 किलो) में पहला मेडल जीता है। वहीं नीना ने आईपीएल बैंच प्रेस रा एज मास्टर्स (60-64 ग्रुप और वेट क्लास 75.5 किलो) में पहला पुरस्कार जीता है। दोनों ने भारतीय झंडा फहराकर वर्ल्ड कप का पहला अवॉर्ड हासिल किया। 26 जनवरी को दोनों को जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

पार्टियों में जाना छोड़ा, रनिंग और जिम कर रहे

गुलशन और नीना ने एक समाचार पत्र को बताया कि फिट रहने के लिए वह रनिंग, वेट लिफ्टिंग और एक्सरसाइज करते हैं। कोविड में जिम बंद होने के बाद भी कसरत नहीं छोड़ी और अपना जिम खोला लिया। कड़ाके की सर्दी में जिम के अंदर ही निर्धारित तापमान पर रनिंग और एक्सरसाइज करते हैं। रोज 6 बजे जिम पहुंच जाते हैं। तड़के उठने में बाधा आती थी तो कई साल से क्लबों और देर रात पार्टियों में हिस्सा लेना छोड़ दिया है। गुलशन ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर देखना चाहते थे कि दुनिया में लोग किस उम्र तक फिटनेस पर जोर देते हैं। नीना कहती हैं कि मास्को में सर्दी बहुत थी, पर उन्होंने सभी को पीछे छोड़कर अवॉर्ड जीता है।

संक्षिप्त खबरें

जिला मारवाड़ी सम्मेलन की शाखा नारी शक्ति ने किया पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन

हजारीबाग/बिभा संवाददाता। हजारीबाग जिला मारवाड़ी सम्मेलन की नारी शक्ति शाखा द्वारा सोमवार को स्थानीय स्तर पर भव्य मारवाड़ी पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन किया गया आपको बताते चले कि इस आयोजन में जैन, अग्रवाल, खंडेलवाल, माहेश्वरी, ब्राह्मण, शर्मा परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग

लिया यह कार्यक्रम समाज में आपसी सहयोग, एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ पारिवारिक परिचय सत्र भी हुआ। जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष सुमेर जैन सेठी ने कहा कि यह समारोह लगातार दूसरी बार आयोजित किया गया है, जिससे समाज में पारस्परिक भाईचारा और सामुदायिक भावना को बल मिला है। उन्होंने सभी परिवारों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसे आयोजन किए जाएंगे समारोह के दौरान बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए अलग-अलग मनोरंजक गतिविधियां और प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें सभी ने उत्साह से भाग लिया।

मुनि श्री 108 प्रज्ञान सागर जी महाराज एवं सागर जी महाराज का भव्य मंगल प्रवेश

हजारीबाग/बिभा संवाददाता। परम पूज्य वाक्केशरी आचार्य 108 श्री विनिश्चय सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री 108 प्रज्ञान सागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 प्रसिद्ध सागर जी महाराज का आज भव्य मंगल प्रवेश हजारीबाग नगर में हुआ। नीलांबर पीतांबर चौक से गाजे बाजे के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया

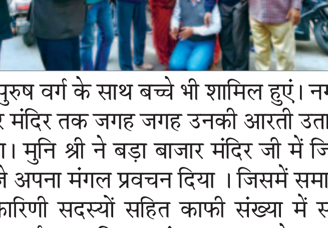

जिसमें समाज के स्त्री और पुरुष वर्ग के साथ बच्चे भी शामिल हुएं। नगर प्रवेश के क्रम में बड़ा बाजार मंदिर तक जगह जगह उनकी आरती उतारी गई पाद प्रक्षालन किया गया। मुनि श्री ने बड़ा बाजार मंदिर जी में जिन दर्शन के उपरांत प्रातः 9 बजे अपना मंगल प्रवचन दिया । जिसमें समाज के अध्यक्ष महामंत्री कार्यकारिणी सदस्यों सहित काफी संख्या में स्त्री और पुरुष वर्ग के लोगों ने धर्म लाभ लिया ।मंगल प्रवचन के पहले समाज के पदाधिकारी गण तथा उपस्थित श्रद्धालुगण द्वारा दोनों मुनिराजों के चरणों में श्रीफल अर्पित कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया गया । बाहर से पधारें परम मुनिभक्त अंकित जैन, नैनागिरी जिनका मुनि श्री के विहार कार्यक्रम में महत्वपूर्ण योगदान रहा को दिगंबर जैन पंचायत द्वारा सम्मानित किया गया। अपने मंगल प्रवचन में मुनि श्री ने कहा की देव शास्त्र गुरु का समागम बहुत ही पुण्यशाली लोगों को ही प्राप्त होता है और जो इसका लाभ ले पाता है वह निश्चित ही बहुत ही पुण्यवान व्यक्ति है। प्रवचन के पश्चात आहारचर्या का कार्यक्रम हुआ। मंगलाचरण अंकित जैन, नैनागिरी द्वारा तथा कार्यक्रम का संचालन विजय लुहाड़िया द्वारा किया गया। बताते चले कि प्रतिदिन प्रातः 8:30 से मंगल प्रवचन, 9:45 से आहारचर्या, दोपहर 3:00 बजे से धार्मिक कक्षा स्वाध्याय,संध्या 6:30 बजे से आनंद यात्रा, शंका समाधान तथा प्रश्न मंच , रात्रि 9:00 बजे से वैय्या वृति का कार्यक्रम होगा। मुनिश्री दर्शन हेतु पारस भवन बड़ा बाजार में विराजमान है। उपर्युक्त सभी जानकारी मीडिया प्रभारी राजेश लुहाड़िया द्वारा प्राप्त हुई।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, कुम्हारटोली में गुरु गोविंद सिंह जयंती संपन्न

हजारीबाग/बिभा संवाददाता। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, कुम्हार टोली, हजारीबाग में गुरु गोविंद सिंह जयंती पूरे ओज एवं उत्साह के साथ मनाई गई। मौके पर विद्यालय के सचिव,डॉ जयप्रकाश रविदास ने गुरु गोविंद सिंह के छायाचित्र परदीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन किया। इस अवसर पर सचिव महोदय ने कहा

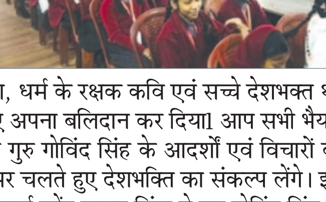

गुरु गोविंद सिंह महान योद्धा, धर्म के रक्षक कवि एवं सच्चे देशभक्त थे। उन्होंने धर्म की रक्षा के लिए अपना बलिदान कर दिया1 आप सभी भैया-बहन आज संकल्प लेने की गुरु गोविंद सिंह के आदर्शों एवं विचारों को अपनाकर उनके पद चिंहों पर चलते हुए देशभक्ति का संकल्प लेंगे। इस अवसर पर विद्यालय के आचार्य नरेंद्र कुमार सिंहा ने गुरु गोविंद सिंह के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए गुरु गोविंद सिंह मुगलों को अपनी वीरता एवं पराक्रम का लोहा मनवाया कहा। धर्म की रक्षा के लिए गुरु गोविंद सिंह ने 14 बार मुगलों से युद्ध किया। गुरु गोविंद सिंह सनातन संस्कृति के रक्षक थे। इस अवसर पर विद्यालय के आचार्य तारकेश्वर राय ने कहा गुरु गोविंद सिंह भारत के वीर सपूत थे उनके पद चोन पर चलकर भैया- बहन आप सभी भारत को फिर से विश्व गुरु बनाएंगे। मौके पर विद्यालय के प्रभारी अनिल कुमार सिंह ने गुरु गोविंद सिंह को महान योद्धा एवं सच्चा देशभक्त बताया। मंच संचालन एवं अतिथियों का परिचय प्रभारी अनिल कुमार ने करवाया। धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य दिनेश कुमार शर्मा ने किया1 मौके पर विद्यालय के आचार्य मुकेश कुमार शर्मा, संदीप कुमार, राहुल पासवान, आचार्य - बंधु भगिनी एवं भैया- बहन मौजूद थे ।

भारत शुभम प्रतिष्ठान ने मनाई रजत जयंती, हजारीबाग यूथ विंग ने दी बधाई

हजारीबाग/बिभा संवाददाता। भारत शुभम प्रतिष्ठान ने अपनी स्थापना की 25वीं वर्षगांठ बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई। इस अवसर पर प्रतिष्ठान ने सामाजिक विकास और सेवा के क्षेत्र में अपने योगदान को रेखांकित किया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोग उपस्थित रहे और प्रतिष्ठान की उपलब्धियों की सराहना की। इस खास मौके पर हजारीबाग यूथ विंग ने प्रतिष्ठान को रजत जयंती पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। यूथ विंग के सदस्यों ने कहा कि भारत शुभम प्रतिष्ठान ने पिछले 25 वर्षों में समाज के उत्थान के लिए जो कार्य किए हैं, वे प्रेरणादायक हैं।

सोनडीहा चैनपुर रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज निर्माण का शिलान्यास

सांसद मनीष जायसवाल की पहल, अपने चुनावी वादे को उतारा धरातल पर

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल मनीष जायसवाल संपूर्ण हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की जन समस्याओं को लेकर सजग हैं। सांसद चुने जाने के बाद लोकसभा के पटल पर मुखरता से उन्होंने क्षेत्रहित और जनहित की जालंत मुद्दों को पुरजोर तरीके से उठाया है। लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान और चुनाव जीतने के बाद लगातार क्षेत्र भ्रमण कर जनसमस्याओं से रूबरू होते हुए तत्काल समस्याओं के निराकरण के लिए प्रयासरत भी रहते है ।सांसद मनीष जायसवाल ने अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की एक अत्यंत ज्वलंत और गंभीर समस्या को करीब से देखा और उसके दर्द से रूबरू हुए। अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान उन्होंने 17 मार्च 2024 को इस संबंध में अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट कर लिखा कि जनसंपर्क अभियान के क्रम में

रेलवे क्रॉसिंग पर जाम की समस्या की ओर ध्यान आकर्षित हुआ। क्रॉसिंग में जरूरी वहां को भी रुकना पड़ जाता है। ऐसे में अगर मौका मिला तो इस समस्या को पुरजोर तरीके से उठाऊंगा। क्रॉसिंग के जगह पर अंडरपास या ओवरब्रिज बनाने की दिशा में सकारात्मक प्रयास कर लोगों को इस समस्या से निजात दिलाऊंगा। चुनाव प्रचार के दौरान रामगढ़ क्षेत्र के कई गांवों का यह चुनावी मुद्दा भी रहा ।इस समस्याओं के निराकरण के लिए सांसद मनीष जायसवाल ने सकारात्मक पहल किया और सोमवार को हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के मांडू विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत धनबाद डिविजन के चंद्रपुरा- बरकाकाना मार्ग के बीच एल./सी. संख्या 26 पर सोनडीहा, चैनपुर एवं उसके आसपास के गांव के लोगों के चिर प्रतीक्षित मांग सोनडीहा- चैनपुर रेलवे ओवरब्रिज का विधिवत् शिलान्यास बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने करके इस क्षेत्र के लोगों का दिल जीत लिया। मौके पर मांडू विधायक निर्मल महतो उर्फ़ तिवारी महतो सहित उक्त क्षेत्र के कई गणमान्य लोग मौजूद रहें। सभी ने सांसद मनीष जायसवाल की पहल की स्वतंत्र कंठ से खूब सराहना की। मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि इस रेलवे ओवरब्रिज के बन जाने से रामगढ़ और हजारीबाग जिले के लाखों लोगों का जीवन सुगम होगा वहीं क्षेत्र में विकास को गति मिलेगी। सोनडीहा- चैनपुर रेलवे क्रॉसिंग इस क्षेत्र के लोगों के लिए रेल आवागमन के कारण रोज़ाना लगने वाला जाम के कारण एक गंभीर समस्या और मुद्दा रहा है। अब यहां रेलवे ओवरब्रिज बन जाने से लोगों को इस विकट समस्या से राहत मिलेगी। सांसद मनीष जायसवाल ने यह भी कहा कि क्षेत्र के अन्य कई रेलवे क्रॉसिंग पर भी अंडरपास या ओवरब्रिज बनवाने की दिशा में प्रयास जारी है और जल्द इसका सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र वासियों की हर जरूरी समस्या के निवारण की दिशा में हमारा प्रयास लगातार जारी है।

संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं का समर्पण ही भाजपा की सफलता का आधार : प्रदीप प्रसाद

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। भारतीय जनता पार्टी, झारखंड प्रदेश द्वारा हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद को कटकमदाग प्रखंड के प्रवास कार्यक्रम के तहत भेजा गया। इस दौरान प्रखंड के सिरसी में भारतीय जनता पार्टी, हजारीबाग द्वारा एक भव्य बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विधायक प्रदीप प्रसाद ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सदस्यता अभियान को बढ़ावा देना और पार्टी की विचारधारा व संगठनात्मक कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में चर्चा करना था ।विधायक प्रदीप प्रसाद ने अपने संबोधन में कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा की भारतीय जनता पार्टी की सफलता संगठन की शक्ति और कार्यकर्ताओं के समर्पण पर आधारित है। हमें पार्टी के मूलभूत सिद्धांतों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र को प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाना होगा बैठक के दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए अपने सुझाव दिए। विधायक ने इन सुझावों को गंभीरता से सुनते हुए उनके क्रियान्वयन का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में सदस्यता अभियान को लेकर विशेष चर्चा हुई, जहां पार्टी ने नए सदस्य जोड़ने और युवा वर्ग को संगठन से जोड़ने पर विशेष बल दिया। पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया गया कि वे घर-घर जाकर भाजपा की नीतियों और उपलब्धियों को जनसामान्य तक पहुंचाएं। बैठक में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, सम्मानित अतिथिगण उपस्थित रहे। सभी ने भाजपा के प्रति अपने विश्वास और समर्पण को व्यक्त किया।

कुख्यात मोटरसाइकिल चोर गिरोह का भंडाफोड़, छह अभियुक्त गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। दिनांक 23/12/24 को वादी पंकज कुमार गुप्ता, निवासी श्याम भवन, मंगल बाजार, थाना-सदर, जिला-हजारीबाग द्वारा बुलेट मोटरसाइकिल चोरी की सूचना पर सदर थाना कांड संख्या-467/24, धारा-303 (2), भारतीय न्याय संहिता-2023 के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया था।अनुसंधान के क्रम में कल दिनांक 05/01/25 को गुप्त सूचना मिली कि शहर का कुख्यात मोटरसाइकिल चोर मो० कैफ अपने साथियों के साथ चोरी का एक बुलेट मोटरसाइकिल बेचने के फिराक में वेल्स ग्राउंड के पीछे रुका हुआ है।सूचना के आधार पर सदर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके से छह अभियुक्तों को चोरी की मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया। इनकी निशानदेही पर आज दिनांक 06/01/25 को संत कोलंबस कॉलेज मैदान के पीछे झाड़ी से एक अन्य पेंशन प्रो मोटरसाइकिल भी बरामद की गई।गिरफ्तार अभियुक्तों ने हजारीबाग शहरी क्षेत्र से कई मोटरसाइकिल चोरी कर कबाड़ी एवं

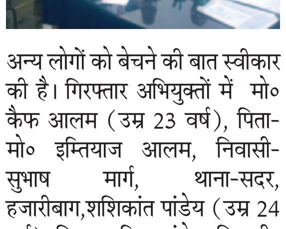

अन्य लोगों को बेचने की बात स्वीकार की है। गिरफ्तार अभियुक्तों में मो० कैफ आलम (उम्र 23 वर्ष), पिता- मो० इम्तियाज आलम, निवासी- सुभाष मार्ग, थाना-सदर, हजारीबाग,शशिकांत पांडेय (उम्र 24 वर्ष), पिता- द्वारिका पांडेय, निवासी- सुल्ताना, थाना-कटकमदाग, हजारीबाग। सुरेश प्रसाद (उम्र 38 वर्ष), पिता- स्व० परमेश्वर महतो, निवासी- पेटो, थाना-दारू, हजारीबाग, गुलाब कुमार (उम्र 26 वर्ष), पिता- तिलक साव, निवासी- ईरगा, थाना-दारू, हजारीबाग, अमर प्रताप सिंह (उम्र 19 वर्ष), पिता- बिनोद सिंह, निवासी- विष्णुगढ़, थाना-विष्णुगढ़, हजारीबाग। धीरज कुमार गुप्ता (उम्र 26 वर्ष), पिता- हेरामन साव, निवासी- छोटका ईरगा, थाना-दारू, हजारीबाग।

विश्व हिंदू परिषद ने किया सामाजिक समरसता रथ का शुभारंभ

हजारीबाग। विश्व हिंदू परिषद हजारीबाग के द्वारा सामाजिक समरसता रथ यात्रा का शुभारंभ बिरसा विद्यालय डेमोटंड से किया। इस यात्रा का मूल उद्देश्य श्री राम जन्मभूमि के प्रथम वर्षगांठ के उपलक्ष पर किया गया। यह रथ हजारीबाग विभाग के हजारीबाग चतरा कोडरमा तथा गिरिडीह जिला के विभिन्न क्षेत्र में भ्रमण करते हुए 12 जनवरी को पुनः हजारीबाग में भव्य समापन होगा। यात्रा का शुभारंभ विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मंत्री अजय पारीक एवं हजारीबाग लोकसभा के सांसद मनीष जायसवाल ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री अरविंद मेहता ने किया।मौके पर उपस्थित रहे अजय पारीक ने बताया इस बार पूरे भारतवर्ष में 11 जनवरी को श्री राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा का पहला वर्षगांठ धूमधाम से मनाया जाएगा। उन्होंने कहा श्री रामचंद्र जी सामाजिक समरसता के सबसे बड़े पुरोधा रहे हैं। उन्होंने समूचे जीवन काल में उच्च नीच छुआछूत के भेदभाव को समाप्त करके एक समरस समाज का निर्माण कर धर्म की स्थापना की, आज वर्तमान समय में उन्हीं के जीवन मूल्यों को आदर्श मानकर पुणे भारत को वैभवशाली एवं महान बनाना है।

जरूरतमंद तक सहायता पहुंचाना मेरा संकल्प है : विधायक प्रदीप

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद अपनी सेवा भावना और समाज के प्रति दायित्व निभाने के लिए जाने जाते हैं। इसी कड़ी में उन्होंने संजीवनी सेवा कुटीर जनता जनार्दन के लिए समर्पित किया सोमवार को सदर अस्पताल पहुंचकर सेवा कुटीर में उन्होंने वहां मौजूद मरीजों और उनके परिजनों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित समाधान उपलब्ध कराया। संजीवनी सेवा कुटीर में पहुंचे घायल अवस्था के मरीजों और उनके परिजनों की सहायता में विधायक स्वयं तत्पर नजर आए,उन्होंने जरूरतमंद मरीजों को बेहतर इलाज के लिए हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। सेवा कुटीर में मौजूद परिजनों को दवाइयां, आवश्यक संसाधन भी तुरंत उपलब्ध कराए गए। इस मानवीय पहल ने जरूरतमंद लोगों के लिए राहत का माहौल तैयार किया। विधायक प्रदीप प्रसाद ने अस्पताल परिसर और आसपास

मौजूद गरीब व जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरण किया। कड़कड़ाती ठंड में यह पहल जरूरतमंदों के लिए किसी वरदान से कम नहीं थी। सर्द मौसम में कंबल पाकर लोगों ने विधायक जी का आभार प्रकट किया।

संजीवनी सेवा कुटीर का उद्देश्य मरीजों और उनके परिजनों को सहायता पहुंचाना है। इस सेवा केंद्र में चार प्रशिक्षित युवक हर समय मौजूद रहते हैं, जो जरूरतमंदों को सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। यह सेवा केंद्र एक हेल्प डेस्क के रूप में कार्य करता है, जहां आने वाले लोग अपनी समस्याओं का समाधान पा सकते हैं। प्रदीप प्रसाद ने कहा की संजीवनी सेवा कुटीर समाज के हर जरूरतमंद तक मदद पहुंचाने के उद्देश्य से काम कर रहा है। मेरी कोशिश रहती है कि हर व्यक्ति को समय पर सहायता मिले और उनके चेहरे पर मुस्कान लाई जा सके। समाज के प्रति दायित्व निभाना मेरा प्राथमिक कर्तव्य है।साथ ही कहा की यह पहल समाज में एक सकारात्मक संदेश दे रही है। उनकी सेवा भावना और जनहित में किए जा रहे कार्य लोगों के दिलों में उनके प्रति सम्मान और विश्वास बढ़ा रहे हैं। संजीवनी सेवा कुटीर न केवल एक सेवा केंद्र है, बल्कि यह विधायक प्रदीप प्रसाद के सामाजिक सरोकारों और संवेदनशीलता का प्रतीक है।

हमारा लक्ष्य हर वर्ग के साथ मिलकर एक बेहतर समाज का निर्माण करना है : चंद्र प्रकाश जैन

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। गुरु गोविंद सिंह जी की 358 वीं जयंती के पावन अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों के तहत सिख समुदाय ने हजारीबाग यूथ विंग को उनके उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों और सेवा भाव के लिए सम्मानित किया। यह सम्मान उनकी अनुकरणीय सेवा और सामुदायिक सहयोग के लिए दिया गया।प्रभात फेरी के प्रथम दिन सुभाष मार्ग भारत शुभम के समीप से होकर प्रभात फेरी गुजरी थी, हजारीबाग यूथ विंग ने सिख समुदाय का भव्य स्वागत किया था। संस्था द्वारा गर्मजोशी और समर्पण से किए गए इस अभिनंदन ने सिख समुदाय को गहराई तक प्रभावित किया। इस दौरान संस्था ने विभिन्न सेवाओं और समर्पण के साथ सामुदायिक एकता और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। सिख समुदाय के प्रतिनिधियों ने हजारीबाग यूथ विंग के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि संस्था का

यह योगदान न केवल प्रेरणादायक है, बल्कि समाज में एकता और सौहार्द स्थापित करने का एक उत्कृष्ट उदाहरण भी है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे कार्य समाज को सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सम्मानित होने के बाद, हजारीबाग यूथ विंग के सदस्यों ने इस पहल के लिए सिख समुदाय का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे आगे भी इसी प्रकार समाज सेवा और धार्मिक आयोजनों में अपनी भागीदारी जारी रखेंगे। गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती के अवसर पर किया गया यह आयोजन न केवल सिख समुदाय बल्कि पूरे हजारीबाग के लिए प्रेरणादायक साबित हुआ। हजारीबाग यूथ विंग का यह कार्य समाज में आपसी सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।हजारीबाग यूथ विंग के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा, गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती के अवसर पर प्रभात फेरी के दौरान सिख समुदाय का स्वागत और सम्मान करना हमारे लिए गर्व का क्षण था। हमें खुशी है कि सिख समुदाय ने हमारी सेवाओं को सराहा।

मारवाड़ी युवा मंच, हजारीबाग शाखा ने कंबल एवं नाश्ता का वितरण किया

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। मारवाड़ी युवा मंच, हजारीबाग शाखा ने अपनी सामाजिक सेवा और दायित्व को निभाते हुए रविवार को शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर जरूरतमंदों के बीच कंबल और नाश्ता पैकेट का वितरण किया। कड़कड़ाती सर्दी में यह पहल उन लोगों के लिए राहत का स्रोत बनी, जो आर्थिक अभाव के कारण ठंड का सामना करने में असमर्थ हैं। वितरण अभियान देर शाम से लेकर रात्रि तक शहर के प्रमुख क्षेत्रों जैसे में चलाया गया।मंच के अध्यक्ष सी. ए विनीत अग्रवाल ने कहा की ठंड का यह मौसम उन लोगों के लिए बेहद कठिन होता है, जिनके पास गर्म कपड़े और खाने का पर्याप्त साधन नहीं होता। हमारी इस पहल का उद्देश्य समाज के जरूरतमंदों को थोड़ी राहत प्रदान करना है। कंबल और नाश्ता भले ही छोटी मदद लगे, लेकिन यह उनकी जिंदगी में सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। हमारी संस्था ने हमेशा

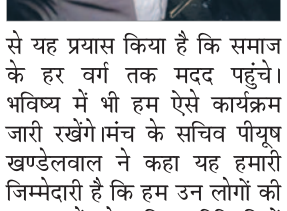

से यह प्रयास किया है कि समाज के हर वर्ग तक मदद पहुंचे। भविष्य में भी हम ऐसे कार्यक्रम जारी रखेंगे।मंच के सचिव पीयूष खण्डेलवाल ने कहा यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन लोगों की मदद करें जो कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। मारवाड़ी युवा मंच हमेशा से जरूरतमंदों के साथ खड़ा रहा है और रहेगा। यह अभियान सिर्फ एक शुरुआत है। हम समाज के अन्य लोगों को भी प्रेरित करना चाहते हैं कि वे आगे आएं और इस नेक कार्य में सहयोग दें।मंच के सक्रिय सदस्यों ने इस अभियान को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। वितरण के दौरान सदस्यों ने जरूरतमंदों की पहचान कर उन्हें कंबल और नाश्ता पैकेट वितरित किए।

युको बैंक ने मनाया स्थापना दिवस

चुरचू। सोमवार को चुरचू प्रखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत चरही में यूको बैंक शाखा में केक काटकर स्थापना दिवस मनाया गया। जिसमें मुख्यातिथि चुरचू प्रखंड प्रमुख निरंजन प्रसाद नायक,विनायक दुबे शाखा प्रबंधक यूको बैंक रोशन मिंज शामिल थे। मौके पर जगनारायण राणा,आलोक शरण,पूर्व उप प्रमुख चुरचू प्रखंड चोलेश्वर महतो,महतो सुरजीत राम,मोहम्मद एहसान अंसारी, दीपक कुमार दास, नीतीश कुमार,प्रवीण कुमार, विश्वजीत सिंह, प्रकाश सिंह, प्रदीप करमाली,बिरसा टुडू समेत कई लोग शामिल थे।

गुरु गोबिंद सिंह जी के 358वें प्रकाश पर्व पर भव्य आयोजन

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। सिख धर्म के 10वें गुरु, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के 358वें प्रकाश पर्व के अवसर पर गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, हज़ारीबाग में भव्य और श्रद्धामय कार्यक्रम आयोजित किए गए। गुरुद्वारा को इस अवसर पर खूबसूरती से सजाया गया, और श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। 30 दिसंबर 2024 से प्रारंभ हुई प्रभात फेरियों की श्रृंखला ने पूरे नगर को श्रद्धा और भक्ति से ओत-प्रोत कर दिया। कुल 5 प्रभात फेरियां निकाली गईं, जिनका प्रारंभ प्रतिदिन सुबह 5:30 बजे गुरुद्वारा साहिब से हुआ। विभिन्न मार्गों से होते हुए ये प्रभात फेरियां गुरुद्वारा साहिब पहुंचीं। 30 दिसंबर;पहली प्रभात फेरी का स्वागत सुभाष मार्ग पर हजारीबाग यूथ विंग और गुरु गोबिंद सिंह रोड पर सरदार केशर सिंह, दिलीप सिंह और उनके परिवार ने

किया। 31 दिसंबर दूसरी प्रभात फेरी का अभिनंदन श्री इंदरजीत पाहवा ने पुराने बस स्टैंड के समीप अपने आवास पर किया। 1 जनवरी 2025 तीसरी प्रभात फेरी का स्वागत बाबू आनंद हांडा और आकाश हांडा ने तकिया मजार रोड पर किया। इसके बाद सरदार हरबंस लाल सुशील होरा और उनके परिवार ने पीडब्ल्यूडी चौक के निकट अपने आवास पर फेरी का अभिनंदन किया। 2 जनवरी चौथी प्रभात फेरी का अभिनंदन सरदार लाल सिंह और उनके परिवार ने जुलु पार्क में किया। 3 जनवरी पांचवीं प्रभात फेरी का स्वागत सरदार बीरेंद्र सिंह ने गुरु गोबिंद सिंह पार्क में किया। 4 जनवरी गुरुद्वारा साहिब में हजूरी रागी भाई हरजोत सिंह जी (केशगढ़ साहिब, पंजाब) ने कीर्तन से संगत को निहाल किया। दीवान के बाद गुरु का लंगर सरदार जसवंत सिंह, अमरजीत सिंह और उनके परिवार द्वारा आयोजित किया गया। 5 जनवरी को सुबह और शाम दोनों समय दीवान सजाए गए। भाई हरजोत सिंह जी और हजारीबाग के ग्रंथि भाई परमजीत सिंह जी ने कीर्तन से संगत को भाव-विभोर किया। लंगर सेवा सरदार खजान सिंह और परमजीत सिंह बग्गा परिवार ने की।

6 जनवरी की सुबह 48 घंटे से चल रहे श्री अखंड पाठ साहिब जी की पूर्णाहुति के बाद मुख्य दीवान सजाया गया। हजूरी रागी भाई हरजोत सिंह जी ने गुरु गोबिंद सिंह जी की शिक्षाओं का वर्णन करते हुए संगत को मंत्रमुग्ध किया। संगत से बीबी दर्शन कौर, सरदार जसमीत सिंह, और सरदार आनंद राज सिंह कालरा व उनकी धर्मपत्नी गुरप्रीत कौर जी ने भी कीर्तन से श्रद्धालुओं को प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में प्रभात फेरियों और दीवानों में सेवा देने वाले सभी सेवकों को सम्मानित किया गया। शाम के दीवान में बच्चों ने गुरु गोबिंद सिंह जी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कविताएं प्रस्तुत कीं। रात 11:55 बजे से हजूरी रागी जथा ने कीर्तन व कथा के माध्यम से गुरु जी के उपदेशों और आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। दीवान की समाप्ति के बाद शानदार आतिशबाजी ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

इस अवसर पर सदर विधायक प्रदीप प्रसाद और हजारीबाग के पूर्व एसडीएम विद्या भूषण को सिरोपा देकर सम्मानित किया गया। गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान सरदार अवतार सिंह जी ने सभी श्रद्धालुओं को प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं दीं और आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद प्रकट किया। वाहो वाहो गोबिंद सिंह, आपे गुरु चेलागुरु गोबिंद सिंह जी के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए यह आयोजन प्रेरणादायक रहा। श्रद्धालुओं ने गुरु का आशीर्वाद प्राप्त कर आनंद और भक्ति से परिपूर्ण अनुभव किया।

पटना साहिब गुरुद्वारा में श्रद्धालुओं ने माथा टेका

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। पटना साहिब गुरुद्वारा में श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में पहुंचकर श्री गुरु गोविंद सिंह जी की पावन स्मृति में माथा टेका और अरदास की। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने गुरु महाराज से आशीर्वाद प्राप्त कर उनकी शिक्षाओं को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इसी कड़ी में हजारीबाग यूथ विंग के कार्यकारिणी सदस्य कुलतार सिंह भी अपने साथियों के संग गुरुद्वारा पहुंच माथा टेका !जहां लंगर सेवा का भी आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने गुरु गोविंद सिंह जी के उपदेशों को याद करते हुए कहा कि उनकी शिक्षाएं

हमें साहस, त्याग और मानवता की सेवा का मार्ग दिखाती हैं। पटना साहिब गुरुद्वारा में हर साल लाखों श्रद्धालु गुरु महाराज को श्रद्धांजलि देने पहुंचते हैं।कार्यक्रम में मौजूद संगत ने भाईचारे, प्रेम और एकता का संदेश दिया।

संक्षिप्त खबरें

सिकंदराबाद से रक्सौल के लिए चलायी जा रही स्पेशल ट्रेन के अवधि में विस्तार

हाजीपुर(बिभा): यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर सिकंदराबाद और रक्सौल के मध्य चलायी जा रही 07005/07006 स्पेशल ट्रेन के परिचालन अवधि में विस्तार किया जा रहा है। गाड़ी सं. 07005 सिकंदराबाद-रक्सौल स्पेशल अब 06.01.2025 से 31.03.2025 तक सप्ताह के प्रत्येक सोमवार को परिचालित की जाएगी । गाड़ी सं. 07006 रक्सौल-सिकंदराबाद स्पेशल अब 09.01.2025 से 03.04.2025 तक सप्ताह के प्रत्येक गुरूवार को परिचालित की जाएगी ।

मंडल रेल प्रबंधक धनबाद में किया गया पत्रकार सम्मेलन का आयोजन

धनबाद(बिभा) : मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, धनबाद में एक पत्रकार सम्मेलन का आयोजन किया गया ।इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री कमल किशोर सिन्हा ने सम्मेलन में उपस्थित पत्रकारों को संबोधित करते हुए वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 के दिसम्बर माह एवं अप्रैल से दिसम्बर माह में धनबाद मंडल के प्रदर्शन एवं उपलब्धियों की जानकारी दी ।इस अवसर पर मंडल के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

रांची मंडल में ब्लॉक के मद्देनजर ट्रेनों के परिचालन में किया जाएगा बदलाव

धनबाद(बिभा): दक्षिण पूर्वी रेलवे में रांची मंडल के सिरमटोली चौक पर 4 लेन फ्लाईओवर/ एलिवेटेड रोड-कम-आरओबी कार्य हेतु ब्लॉक लिया गया है, जिसके कारण ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है।

निरस्त वाली ट्रेनें :

1.दिनांक 07.01.25 एवं 12.01.25 को खुलने वाली गाड़ी संख्या 18628/ 18627 रांची- हावड़ा- रांची एक्सप्रेस।
2.दिनांक 07.01.25 से 16.01.25 तक खुलने वाली गाड़ी संख्या 08607/ 08608 हटिया- शाँकी- हटिया मेमू।
3.दिनांक 07.01.25 से 16.01.25 तक खुलने वाली गाड़ी संख्या 08617/ 08618 हटिया- शाँकी- हटिया मेमू।

मार्ग परिवर्तन वाली ट्रेनें (राउरकेला- सीनी- चाण्डिल- मूरी- कोटशिला के रास्ते)-

1.दिनांक 08.01.25 को हैदराबाद से खुलने वाली ट्रेन संख्या 07255 हैदराबाद - पटना एक्सप्रेस।
2.दिनांक 11.01.25 को मालदा से खुलने वाली ट्रेन संख्या 13425 मालदा- सूरत एक्सप्रेस।
3.दिनांक 07.01.25 को रक्सौल से खुलने वाली ट्रेन संख्या 07052 रक्सौल- सिकंदराबाद एक्सप्रेस।

ऑपरेशन आहट के तहत आरपीएफ ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया

रांची(बिभा) : रांची रेलवे स्टेशन पर रूटीन चेकिंग के दौरान आरपीएफ और AHTU टीम के अधिकारियों व कर्मचारियों ने ट्रेन नंबर 12817 एक्सप्रेस के जनरल डिब्बे में एक संदिग्ध व्यक्ति को दो नाबालिग लड़कियों के साथ देखा। यह ट्रेन प्लेटफॉर्म नंबर 01 पर लगभग 14:45 बजे पहुंची थी। पूछताछ के दौरान व्यक्ति और दोनों लड़कियां संतोषजनक उत्तर नहीं दे सके। इसके बाद उन्हें ट्रेन से उतारकर आगे की जांच के लिए हिरासत में लिया गया। संदिग्ध व्यक्ति ने अपना नाम और पता संजय नायक (आयु 48 वर्ष), पुत्र कोल्हा नायक, निवासी गोराटोली, जिला खूंटी बताया। नाबालिग लड़कियों ने अपना परिचय मोंगरो कुमारी (आयु 16 वर्ष), पुत्री गुरुवारी देवी, निवासी मट्डा, हेसलकोचा, चांडिल, जिला सरायकेला-खरसावां, झारखंड,और सुनिया कुमारी (आयु 15 वर्ष), पुत्री डेपका मुंडा, निवासी मट्डा, हेसलकोचा, चांडिल, जिला सरायकेला-खरसावां, झारखंड के रूप में दिया। जांच के दौरान यह पता चला कि संजय नायक ने ट्रेन नंबर 12817 एक्सप्रेस के लिए सामान्य टिकट खरीदी थी और इन लड़कियों को दिल्ली ले जाने की योजना बना रहा था। उसने बताया कि यह काम उसे एक व्यक्ति गांसू नायक के निर्देश पर करना था और उसे लड़कियों को आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर किसी अन्य व्यक्ति को सौंपना था। हालांकि, रांची रेलवे स्टेशन पर रूटीन चेकिंग के दौरान उसे इन नाबालिग लड़कियों के साथ पकड़ लिया गया। संदिग्ध व्यक्ति और नाबालिग लड़कियों को आरपीएफ पोस्ट रांची लाया गया। मामले को आगे की कार्रवाई के लिए AHTU/कोतवाली को सौंप दिया गया। AHTU/कोतवाली ने संजय नायक के खिलाफ धारा 143 बीएनएस और 75/81 जेजे एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। सुरक्षा और देखभाल के लिए दोनों नाबालिग लड़कियों को प्रेमाश्रय, रांची को सौंप दिया गया।

बीसीसीआई महिला अंडर-19 एक दिवसीय क्रिकेट सुपर ओवर में दिल्ली ने झारखंड को हराया

रांची(बिभा)। महिला अंडर-19 एक दिवसीय क्रिकेट ट्रॉफी के तहत आज इंदौर में एक बेहद रोमांचक मैच में में दिल्ली ने झारखंड को सुपर ओवर में हरा दिया। सुपर ओवर में झारखंड ने पहले खेलते हुए एक ओवर में एक विकेट पर 7 रन बनाए। जवाब में दिल्ली ने केवल पांच गेंद में एक विकेट पर आठ रन बनाकर में जीत लिया। इससे पहले दिल्ली ने पहले खेलते हुए निर्धारित 50 ओवर में 6 विकेट पर 236 रन बनाए। अरमीत कौर ने 41, निशिका ने 11 , सोनाक्षी ने 43, निधि महतो ने 12 चौके की मदद से 61 एवं पूर्वा ने 37 रन बनाए। झारखंड की ओर से सिमरन मंसूरी ने 48 रन देकर चार एवं आकांक्षा ने 47 रन देकर एक विकेट लिया। जवाब में झारखंड की टीम ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 236 रन बनाकर मैच टाई करा दिया। झारखंड की ओर से प्रियंका लूथरा ने एक छक्के एवं पांच चौके मदद से 60 ,भूमिका ने 32, रिष्टि ने 29 , आरुषि ने 24, प्रगति ने 22 एवं आकांक्षा ने 25 रन बनाए । दिल्ली की ओर से पूर्वा एवं माही ने एक-एक विकेट लिया। झारखंड के लिए प्रियंका एवं भूमिका ने पांचवें विकेट के लिए 75 रन जोड़े।

68वी राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता 2024-25 अंतर्गत अंडर 19 एथलेटिक्स प्रतियोगिता का दूसरा दिन

बालिका वर्ग लॉन्ग जंप में झारखंड की प्रीती लकड़ा को मिला स्वर्ण पदक

400 मीटर दौड़ बालक वर्ग प्रतियोगिता में झारखंड के साकेत मिंज ने दर्ज की जीत,

दूसरे दिन तमिलनाडु के खिलाड़ियों का रहा बेहतर प्रदर्शन, तमिलनाडु के एथलीट जिथीन अर्जुनन ने बालक वर्ग में जीते सर्वाधिक पदक

बिभा संवाददाता

रांची : भगवान बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में आयोजित 68वी राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता 2024-25 अंतर्गत अंडर 19 एथलेटिक्स प्रतियोगिता के दूसरे दिन आज तमिलनाडु के खिलाड़ियों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देखने को मिला। झारखंड के साकेत मिंज ने बालक वर्ग 400 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में झारखंड को जीत दिलाई तो बालिका वर्ग के लॉन्ग जंप में झारखंड की प्रीती लकड़ा ने स्वर्ण पदक जीतकर राज्य का नाम रौशन किया। आज हुई प्रतियोगिताओ में 100 मीटर बालक वर्ग दौड़ प्रतियोगिता में तमिलनाडु के जिथीन अर्जुनन को स्वर्ण पदक मिला, इस प्रतियोगिता में महाराष्ट्र के रूद्र शिंदे को रजत और महाराष्ट्र के ही आदि पुजारी को कांस्य पदक मिला। 400 मीटर बालक वर्ग प्रतियोगिता में झारखंड के साकेत मिंज ने स्वर्ण पदक हासिल किया। सईद सबीर को रजत और केरल के मोहम्मद अशफाक को कांस्य पदक मिला। 500 मीटर दौड़ में उत्तर प्रदेश के शाहरुख खान को स्वर्ण पदक मिला, हरियाणा के लक्ष्य कुमार को रजत पदक और उत्तर प्रदेश के अर्जुन मौर्य को कांस्य पदक मिला। 110 मीटर हर्डल रेस बालक वर्ग प्रतियोगिता में महाराष्ट्र के सैफ को स्वर्ण पदक, केंद्रीय विद्यालय के पी सूर्या को रजत पदक और तमिलनाडु के जिथीन अर्जुनन को कांस्य पदक मिला। बालक वर्ग लॉन्ग जंप प्रतियोगिता में तमिलनाडु के जिथीन अर्जुनन को स्वर्ण पदक, सीबीएससी के मो. अट्टा साजिद को रजत पदक और उत्तर प्रदेश के शेख जीशान को कांस्य पदक मिला। इस प्रतियोगिता में झारखंड के दीपक मुंडा चौथे स्थान पर रहे। शॉट पुट पांच किलो बालक वर्ग प्रतियोगिता में ओडिशा के ओमकार प्रसाद को स्वर्ण पदक मिला, महाराष्ट्र के आर्यन को रजत पदक और पश्चिम बंगाल के मनोज रॉय को कांस्य पदक मिला है।

बालिका वर्ग 100 मीटर दौड़ में तमिलनाडु की थिया एके को स्वर्ण पदक मिला, गुजरात के वजा काजल को रजत और तमिलनाडु के नेदरार को कांस्य पदक मिला है। 400 मीटर बालिका वर्ग दौड प्रतियोगिता में सीबीएससी की वंशिका को स्वर्ण पदक, केरल की ज्योतिका को रजत और कर्णाटक की अभिज्ञाना को कांस्य पदक मिला। 400 मीटर बालिका वर्ग दौड़ प्रतियोगिता में झारखंड की पूनम कुमारी चौथे स्थान पर रही। 150 मीटर बालिका वर्ग रेस प्रतियोगिता में राजस्थान की मुस्कान को स्वर्ण पदक मिला, महाराष्ट्र की प्रणाली को रजत पदक और कर्णाटक की प्रणति को कांस्य पदक मिला। 100 मीटर बालिका वर्ग हर्डल रेस में केरल की अधित्या को स्वर्ण पदक, कर्णाटक की ईशा एलिजाबेथ को रजत पदक और तमिलनाडु की बृंदा को कांस्य पदक मिला। बालिका वर्ग लॉन्ग जंप प्रतियोगिता में झारखंड की प्रीती लकड़ा को स्वर्ण पदक, केंद्रीय विद्यालय की सोनाक्षी कनौज को रजत पदक और सीएफटीआई की साधना रवि को कांस्य पदक मिला। बालिका वर्ग तीन किलो हैमर थ्रो में ओडिशा की अंकिता मोहापात्रा को स्वर्ण पदक, हरियाणा की दीपांशी को रजत पदक और केरल की सुहाइमा को कांस्य पदक मिला है। बालिका वर्ग 1 केजी डिस्कस थ्रो में हरियाणा की रिद्धि को स्वर्ण पदक, हरियाणा की ही मन्नत फोगाट को रजत पदक और तमिलनाडु की अनुश्री को कांस्य पदक मिला है। बालिका वर्ग 500 ग्राम जेवलिन थ्रो में हरियाणा की भव्या को स्वर्ण पदक, हरियाणा की ही भतेरी को रजत और महाराष्ट्र की ईश्वरी ढगेरी को कांस्य पदक मिला है। सभी विजेताओं को झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद के प्रशासी पदाधिकारी श्री सचिदानंद दि. तिग्गा और आयोजन सचिव श्री धीरसेन सोरेंग ने पदक प्रदान किया।

सांस्कृतिक संध्या का आयोजन :

आयोजन में भाग लेने के लिए देशभर से आये खिलाड़ियों और टीम के अन्य सदस्यों के लिए भगवान बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक संध्या के माध्यम से खिलाड़ियों को झारखंड की लोक संस्कृति से परिचित कराया गया। स्थानीय लोक कलाकारों द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियों एवं लोक नृत्यों ने माहौल में उमंग भर दिया। इस सांस्कृतिक संध्या का खिलाड़ियों और अन्य राज्यों से आये अतिथियों ने जमकर आनंद लिया।

खादी और सरस महोत्सव: कला, संस्कृति और स्वदेशी उत्पादों का अनूठा प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

रांची: मोराबादी मैदान में आयोजित राष्ट्रीय खादी और सरस महोत्सव 2024-2025 ने 16 दिनों तक कला, संस्कृति और स्वदेशी उत्पादों का अनूठा प्रदर्शन किया। यह महोत्सव 20 दिसंबर 2024 से 6 जनवरी 2025 तक चला और दूर-दूर से आए लोगों की भारी भीड़ ने इसे एक यादगार आयोजन बना दिया।

महोत्सव के मुख्य आकर्षण में विभिन्न कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल रहे. जिन्होंने अपने संगीत और कला प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

पलाश स्टॉल जेएसएलपीएस:

राखी नडल से जुड़ी ग्रामीण महिला उद्यमियों ने विभिन्न प्रकार के उत्पादों के स्टॉल लगाए जिसे लोगों ने खूब पसंद किया और महिलाओं को अच्छा मुनाफा हुआ। इसी प्रकार स्टॉल नंबर ऊ18 पर गुमला जिले की रुक्मिणी देवी द्वारा तैयार किए गए सिंगार उत्पाद और खूबसूरत गुलदस्ते लोगों के बीच चर्चा का विषय बने। इन उत्पादों की अच्छी-खासी बिक्री भी हुई। लोगों के बीच नामकुम की शोभा, गुमला की अनीता दीदी जैसी महिलाओं के स्टॉल पर विभिन्न प्रकार के आचार, जामुन सिरका, दाल, सरसों तेल आदि सामान मांग के वजह से कई बार रेस्टॉक करना पड़ा।

'दीदी कैफे':

दीदी कैफे ने अपने स्वादिष्ट और विविध पकवानों के कारण आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया। हजारीबाग जिले की लक्ष्मी देवी द्वारा संचालित स्टॉल नबर अ-5 ने नमकीन, मीठा और पारंपरिक पीठा पजैसे व्यंजनों के लिए खास लोकप्रियता हासिल की।

'मनोरंजन के लिए झूले और अन्य आकर्षण:

मेले में झूलों और अन्य मनोरंजन साधनों पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ देखी गई जिसने बच्चों और परिवारों के लिए आयोजन को और भी आनंदमय बना दिया।

राष्ट्रीय खादी और सरस महोत्सव न केवल हस्तशिल्प और स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन देता है, बल्कि ग्रामीण विकास और महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

खादी एवं सरस महोत्सव का समापन आज

रांची : झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, उद्योग विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय खादी एवं सरस महोत्सव के समापन समारोह के परिवर्तित तिथि के कारण रांची की जनता को एक दिन और महोत्सव घूमने का अवसर प्रदान हुआ दिनांक 6.1. 2025 के स्थान पर दिनांक 7.1.2025 अपराहन 12:30 मंत्री, सांसद, विधायक आदि की उपस्थिति में राज्यपाल के कर कमलों द्वारा समापन किया जाना है। महोत्सव के अंतिम दिन सुबह से ही लोगों का आगमन शुरू हो गया था सभी स्टालों में लोगों को खरीदारी करते हुए देखा गया। 20000 लोगों ने खरीदारी के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आनंद लिया आज अंतिम दिन लोगों ने महोत्सव में बहुत ही आनंद उठाया.फूड स्टॉल में भी लोगों की भारी भीड़ देखी गई। कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए बनारसी दल द्वारा हिंदी गायन एवं मेरी आवाज मेरी पहचान द्वारा नागपुरी हिंदी गायन की प्रस्तुति की गई समापन को लेकर खादी बोर्ड, उद्योग विभाग एवं ग्रामीण विभाग द्वारा विशेष तौर पर तैयारी की गई है।

पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा पहुंचे देवघर, बैद्यनाथ मंदिर में टेका माथा

बिभासंवाददाता

देवघर : देश के पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने देवघर स्थित बैद्यनाथ मंदिर में पूजा अर्चना की. वे दो दिवसीय दौरे पर सोमवार को बेंगलुरु से देवघर पहुंचे हैं. देवघर में पूजा के बाद उनकी योजना दुमका स्थित बासुकीनाथ धाम में भी माथा टेकने की है.

देवघर का बाबा बैद्यनाथ मंदिर 12 ज्योतिलिंगों में एक है. यहां देश-विदेश से श्रद्धालु पूजा आराधना के लिए पहुंचते हैं. बैद्यनाथ धाम में सालों भर भक्तो की भीड़ उमड़ती है. इसी कड़ी में आज देश के पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने यहां माथा टेका. वे दो दिवसीय दौरे पर सोमवार को देवघर पहुंचे हैं.

देश के 11वें प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा दोपहर करीब 01 बजे बेंगलुरु-देवघर फ्लाइट से देवघर एयरपोर्ट उतरे. जहां देवघर के उपायुक्त विशाल सागर और पुलिस अधीक्षक अजित पीटर डूंगडूंग ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया. पूर्व प्रधानमंत्री एयरपोर्ट्स से सीधे पूजा आराधना के लिए मंदिर पहुंचे. मंदिर में सरकारी तीर्थपुरोहित के द्वारा पूजा के लिए संकल्प कराया गया. फिर उन्हें मंदिर के गर्भगृह में शोडॉपउपचार विधि से पूजा अर्चना करायी गयी. पूर्व पीएम ने शिवलिंग के ऊपर दूध से अभिषेक कर बेलपत्र अर्पण किए. फिर प्रसाद में पेड़ा भी चढ़ाये.

पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने देवघर के बाबा मंदिर में पहली बार पूजा अर्चना की. मंदिर में मौजूद अन्य श्रद्धालु उनकी एक झलक पाने को बेताब दिखे. वहीं, तीर्थपुरोहितों में भी उन्हें करीब से देखने की उत्सुकता दिखी.

आईआर पहले नौ महीनों में 76 प्रतिशत पूंजीगत व्यय का उपयोग करता है

नई दिल्ली : भारतीय रेलवे ने 2024-25 के लिए कुल बजटीय अनुदान का 76 प्रतिशत उपयोग कर लिया है। बजट अनुमान 2024-25 में रेलवे के लिए कुल पूंजीगत व्यय 2,65,200 करोड़ रुपये है, जिसमें सकल बजटीय सहायता रु. 2,52,200 करोड़. वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए कुल बजटीय अनुदान रु. जीबीएस के साथ 260200 करोड़ रु. 2,40,200 करोड़. भारतीय रेलवे ने कैपेक्स में अच्छी प्रगति की है। दिसंबर, 2024 के अंत तक रेलवे ने पूंजी आवंटन का लगभग 2,00,805 (76%) उपयोग किया है जो कि रु। वित्त वर्ष 23-24 की तुलना में 4875 करोड़ ज्यादा. दिसंबर'24 तक जीबीएस के तहत पूंजीगत व्यय रु. 191248 करोड़. जो दिसंबर 23 तक 1,85,451 करोड़ था। पिछले वित्त वर्ष की तुलना में जीबीएस का उपयोग 3.12% अधिक है।

भारतीय रेलवे ने रु. खर्च किये हैं. नई लाइनें, गेज परिवर्तन, दोहरीकरण, यातायात सुविधा कार्य, रेलवे विद्युतीकरण, सार्वजनिक उपक्रमों और महानगरीय परियोजनाओं में निवेश जैसी क्षमता वृद्धि पर 81713 करोड़। वित्तीय वर्ष के पहले 9 महीनों में सुरक्षा संबंधी पूंजीगत व्यय का 82प्रतिशत खर्च किया गया। वित्तीय वर्ष 24-25 के लिए कुल बीजी 34414 करोड़ है। रेलवे अब तक 28063 करोड़ रुपये खर्च कर चुका है.

ग्राहक सुविधाओं के लिए, चालू वित्तीय वर्ष के लिए पूंजीगत व्यय 15315 करोड़ है। रोलिंग स्टॉक के लिए 50903 करोड़ का प्रावधान था. उसमें से दिसंबर'24 तक 40354 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जो रोलिंग स्टॉक के लिए आवंटित बजट का 79प्रतिशत है।

एसईआर की माल ढुलाई में बढ़ती प्रवृत्ति

कोलकाता : दक्षिण पूर्व रेलवे ने चालू वित्तीय वर्ष, 2024-25 के पहले नौ महीनों (यानी अप्रैल-दिसंबर) में 156.86 मिलियन टन मूल माल ढुलाई की है, जो पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 1.63% अधिक है। पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि की तुलना में अप्रैल-दिसंबर, 2024-25 में मूल माल ढुलाई राजस्व में भी 2.17% की वृद्धि हुई है। अप्रैल-दिसंबर 2024 के दौरान, प्रारंभिक माल ढुलाई से राजस्व सृजन रुपये के मुकाबले 14216.99 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 13914.47 करोड़ रुपये था। उपरोक्त अवधि के दौरान एसईआर ने 41.38 मिलियन टन कोयला लोड किया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष के इसी महीने की तुलना में 6.54% अधिक है। माल लदान की अन्य प्रमुख वस्तुएं लौह अयस्क, कच्चा लोहा और तैयार इस्पात, सीमेंट, खाद्यान्न, उर्वरक आदि थीं।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातु,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक कविता साहू***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार । Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com